शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 314 | गुवाहाटी | मंगलवार, 13 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

कई दिनों से हो रही बारिश से राज्य में बाढ़ का खतरा, 500 से अधिक लोग प्रभावित पेज 3
काशी की आत्मा भारत की कालातीत परंपराओं से ऊर्जावान : प्रधानमंत्री पेज 4
प्रतापगढ़ के किसानों ने आंवले की मिठास को देश व दुनिया तक पहुंचाया : मुख्यमंत्री पेज 5
अब वह दिन दूर नहीं, जब प्रदेश में बनेगी इनेलो की सरकार : दिलबाग पेज 8

अत्यधिक उर्वरकों के इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : सीएम

गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग पर कार्रवाई करने का वादा करने के लिए एक नए शब्द *उर्वरक जिहाद* का इस्तेमाल किया। उन्होंने गुवाहाटी में प्राकृतिक खेती के विकास और कार्यान्वयन के लिए एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। शर्मा ने कहा कि अत्यधिक उर्वरकों का इस्तेमाल शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है और जो लोग इसके इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं, उनके खिलाफ वह कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह असम में प्राकृतिक खेती के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। हमने अपने चुनाव अभियान के दौरान उर्वरक जिहाद के खिलाफ लड़ने का संकल्प व्यक्त किया है। हमें खाद का इस्तेमाल करना चाहिए लेकिन इसकी अधिकता शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। पिछले एक साल में, कई बैठकों के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में जैविक खेती को प्रोत्साहित किया है। हमने अपनी रिपोर्ट की जांच की है कि हमारी भूमि और प्रकृति पर, हमारी बहुत बड़ी संभावना है और अगर हम इसका उपयोग करना सीख गए तो हमें यूरिया, फॉस्फेट, नाइट्रोजन आदि की आवश्यकता नहीं होगी। विशेष रूप से असम में, जब हमने अपनी सरकार शुरू की थी, उस समय हमने कहा था कि विभिन्न खाद्य उत्पाद जो अनधिकृत उर्वरकों का उपयोग करते हैं, असम के लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। दिल और किडनी की कई बीमारियां बढ़ गई हैं। उर्वरक जिहाद शब्द का प्रयोग अत्यधिक उर्वरकों के उपयोग के अभ्यास का वर्णन करने के लिए किया गया है, जिससे मिट्टी का क्षरण और अन्य पर्यावरणीय समस्याएं हो सकती हैं। शर्मा की घोषणा का कुछ पर्यावरण समूहों ने स्वागत किया है, जो लंबे समय से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के आलोचक रहे हैं। हालांकि, अन्य लोगों ने शर्मा द्वारा उर्वरक जिहाद शब्द के उपयोग की आलोचना करते हुए कहा कि यह एक खतरनाक और विभाजनकारी शब्द है। उनका तर्क है कि भड़काऊ भाषा का सहारा लेने के बजाय उर्वरकों के उपयोग के बारे में रचनात्मक संवाद होना महत्वपूर्ण है। उनके नए गढ़े गए मुहावरे पर प्रतिक्रिया देते हुए असम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि जब भी असम के मुख्यमंत्री के सामने कोई समस्या आती है, तो समस्या से दूर होने का यह उनका पुराना तरीका है। वह सांप्रदायिक राजनीति की तकनीक का इस्तेमाल करता है। असम में हर कोई जानता है कि असम बीजेपी के अंदर एक बड़ा टकराव चल रहा है। भाजपा के कई नेता और आरएसएस के नेता मुख्यमंत्री की तानाशाही राजनीति के खिलाफ बोल रहे हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बात पर ध्यान दे कि क्या उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। जांच और नियंत्रण करना सरकार का कर्तव्य है। सरकार असम के लोगों की भलाई के लिए कोई अच्छी योजना नहीं ला सकती है। वह अपने वादों पर कायम नहीं रह सकते हैं, इसलिए वह राजनीतिक परिदृश्य को सांप्रदायिक और ध्रुवीकृत करने की कोशिश कर रहे हैं कि बोरा ने कहा। आम आदमी पार्टी के नेता, मनोज धनोवर ने भी जिहाद के उपयोग पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि खेती में उपयोग किए जाने वाले उर्वरकों की मात्रा को कम किया जाना चाहिए और अधिक जैविक बनाया जाना चाहिए। इससे कोई समस्या नहीं है। लेकिन जिहाद शब्द का यहां कोई अर्थ नहीं है। वह एक समुदाय को लक्षित करने की कोशिश कर रहा है और यह स्पष्ट है। मैंने कभी सरकार को उर्वरकों को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम उठाते नहीं देखा। यदि सरकार नियंत्रण करना चाहती है, तो उन्हें इसे पूरे राज्य के लिए करना चाहिए और किसी विशेष समुदाय को लक्षित नहीं करना चाहिए कि उन्होंने कहा। असम में उपयोग किए जाने वाले सबसे आम उर्वरक यूरिया, सिंगल सुपर फॉस्फेट और म्यूरेट ऑफ पोटाश हैं।

चक्रवात बिपरजॉय को लेकर सरकार तैयार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के प्रभाव से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए सोमवार को एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीएम मोदी के, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, पृथ्वी विज्ञान सचिव एम रविचंद्रन सहित कई अधिकारी शामिल हुए। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुजरात में सौराष्ट्र और कच्छ के तटों पर चक्रवातों के लिए रविवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अपने एक ट्वीट में कहा कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगाह के पास गुरुवार दोपहर यानी 15 जून को बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पहुंचने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, इस दौरान 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय 15 जून को दोपहर के आसपास गुजरात तट से टकराएगा। इस दौरान कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरबी में गुरुवार शाम तक 135-145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आ सकता है। इस दौरान 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी : 157 संविदा कर्मचारी बर्खास्त

गुवाहाटी। असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अद्यतन करने के लिए अनुबंध के आधार पर काम कर रहे कम से कम 157 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। एनआरसी समन्वयक पार्थ प्रतिम मजुमदार ने पुराने कर्मचारियों को नए कर्मचारियों के साथ बदलने का फैसला करने के बाद यह निर्णय लिया गया। बर्खास्त कर्मचारियों को 29 जून, 2023 को या उससे पहले सभी कीमती सामान और दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है। नौकरी से बर्खास्त किए गए सभी सर्किल प्रोजेक्ट -शेष पृष्ठ दो पर

एनएच-17 के पास मिला महिला भाजपा नेता का शव

नई दिल्ली। असम में भाजपा की एक महिला नेता राज्य के ग्वालपाड़ा जिले में मृत पाई गई हैं। मृतक असम भाजपा नेता की पहचान जोनाली नाथ के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक महिला नेता राज्य के ग्वालपाड़ा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग -17 के पास पाई गई। मृतक जोनाली नाथ के परिवार ने आरोप लगाया कि यह एक सुनियोजित हत्या है, लेकिन पुलिस ने कहा कि वे सभी एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं। नाथ ग्वालपाड़ा में भाजपा की जिला सचिव थीं। रविवार आधी रात को उसका शव कृष्णाई सालपाड़ा इलाके में मिला। पुलिस के मुताबिक, उसके परिवार के सदस्यों ने कहा कि वह रविवार को शाम करीब साढ़े चार बजे किसी निजी काम से इस्लामपुर के लिए निकली थी। शाम करीब सात बजे उसके पति ने फोन करने की कोशिश की तो फोन नहीं लग रहा था। बाद में परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और रात करीब 12 बजे उसका शव मिला। परिजनों का आरोप है कि जोनाली के -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असम विधानसभा की नई इमारत जल्द : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। देश के पूर्वी राज्य असम को जल्द ही नई विधानसभा मिलने जा रही है। इस बात की जानकारी खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को एक ट्वीट के जरिए दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में बताया है कि प्रदेश विधानसभा की नई इमारत इसी साल अगस्त के महीने तक बनकर तैयार हो जाएगी। हालांकि, नई इमारत की उद्घाटन की तारीखों का अभी एलान नहीं किया गया है। सीएम शर्मा ने अपने ट्वीट में कहा कि असम की नई विधानसभा जल्द ही मातृभूमि और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित होगी। मैंने रविवार को -शेष पृष्ठ दो पर

परिवहन विभाग को दायरे का विस्तार करने का मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने परिवहन विभाग से नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के राज्य सरकार के मिशन के तहत संपर्क रहित सेवाओं के पैमाने और दायरे का विस्तार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने आज यहां जनता भवन (असम सचिवालय) में डीटीओ और परिवहन विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभाग के अधिकारियों के साथ एक सूत्रीय चर्चा की और उन्हें लोगों की सुविधा के लिए विभाग की संपर्क रहित सेवाओं का राज्य भर में विस्तार करने के लिए सक्रिय रहने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 23 लाख लोगों ने संपर्क रहित सेवाओं का लाभ उठाया और इस सेवाओं के निर्बाध कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : हिमंत ने कुकी आंतकी संगठनों से की मुलाकात

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री और नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा ने मणिपुर के दो कुकी विद्रोही समूहों के करीब चार नेताओं से गुवाहाटी में एसओओ के तहत मुलाकात की। बैठक रविवार रात असम के गुवाहाटी शहर में हुई। बताया जा रहा है कि हिमंत विश्व शर्मा अगले सप्ताह फिर से मणिपुर का दौरा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक सफल रही, जिसमें कुकी नेताओं ने एनईडीए संयोजक के हस्तक्षेप के बाद मणिपुर में शांति बहाली की उम्मीद जताई है। बैठक में केएनओ और यूपीएफ के दो-दो नेता शामिल थे। -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पानी की पाइपलाइन फटी, लाखों का नुकसान

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में पानी की पाइपलाइन फटने से सड़कों पर पानी भर गया और लाखों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, गुवाहाटी जल बोर्ड की हाल ही में स्थापित पानी की पाइपलाइन कॉमर्स कॉलेज लिंक रोड के पास राजगढ़ रोड पर फट गई। पिछले महीने ही शहर में जलापूर्ति पाइप फटने से एक महिला की मौत हो गई थी और 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे। उधर पानी का पाइप फटने के बाद असम -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा पर चुप्पी तोड़े केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार मणिपुर में हुई हिंसा को रोक पाने और हिंसा के बाद शांति बहाली करा पाने में विफल रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, महासचिव मुकुल वासनिक और मणिपुर के प्रभारी भक्त चरण दास ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मणिपुर दौरे के बाद भी वहां हालात सामान्य नहीं हुए हैं। राज्य में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। ऐसे में पीएम मोदी को राज्य का दौरा कर -शेष पृष्ठ दो पर

ताइवान से अपने नागरिकों को निकालने की अमेरिकी योजना

वाशिंगटन। ताइवान में युद्ध का खतरा लगातार बढ़ता रहा है। ताइवान को लेकर लगातार अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका ताइवान से अपने नागरिकों को निकालने की योजना बना रहा है। द मैंसेंजर ने बताया कि अमेरिकी सरकार ताइवान में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए निकासी योजना तैयार कर रहा है। बताते चलें कि चीन ताइवान पर अपना दावा जताता रहा है। वहीं, ताइवान खुद को आजाद और संप्रभु राष्ट्र बताता रहा है। एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया इस योजना पर करीब छह महीनों से काम चल रहा है। लेकिन पिछले दो महीनों में इस पर तेजी से काम किया गया है। अधिकारी ने बताया कि हाल में ताइवान में बढ़ते तनाव को लेकर यह फैसला लिया गया है क्योंकि चीन यूक्रेन और रूस के साथ एक मिलकर एक गठबंधन बना रहा है। उसने बताया कि यह अभी अखबारों की सुर्खियों में नहीं है। मामले के जानकार सूत्र ने यूक्रेन पर रूस के हमले का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक संतुलित मन के बराबर कोई तपस्या नहीं है। संतोष के बराबर कोई खुशी नहीं है। लोभ के जैसी कोई बिमारी नहीं है। दया के जैसा कोई सदाचार नहीं है।

\- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

को-वीन डेटा पूर्णत: सुरक्षित : सरकार

नई दिल्ली। को-वीन डेटा लीक मामले में सरकार की ओर से सफाई दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि कोविन डेटा उल्लंघन का दावा करने वाली खबर निराधार और शरारतपूर्ण प्रकृति की है, पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि कोविन प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत लाभार्थियों के डेटा में सेंध लगने का दावा करने वाली खबरें *बेबुनियाद* हैं और उसने देश की नोडल साइबर सुरक्षा एजेंसी सर्ट-इन से मामले में जांच करने और एक -शेष पृष्ठ दो पर

चीनी युवा में विवाह और बच्चों की चाह नहीं

बीजिंग। आर्थिक मंदी का सामना कर रही चीन की जिनपिंग सरकार के अब जनसंख्या को लेकर बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। कभी दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाला देश चीन आज घटती जन्मदर के आंकड़ों से परेशान है। इसका सबसे बड़ा कारण है युवाओं काशादी और बच्चों से तौबा करना। स्थानीय समाचार ने रविवार को बताया है कि देश में शादियां 2022 में सबसे कम हो गईं हैं। आउटलेट के मुताबिक पिछले एक दशक में शादी और बच्चों के पैदा होने की दर में लगातार गिरावट जारी है, जिसने शी जिनपिंग सरकार की परेशानी बढ़ा दी है। इसकी वजह कड़े कोव आईडी लॉकडाउन के नियमों को बताया जा रहा है, जिससे युवा शादी करने को तैयार नहीं हैं। चीन में साल 1986 के बाद से 2022 में विवाह पंजीकरण की संख्या घटकर 6.83 मिलियन के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी 2022 की चौथी तिमाही के नागरिक मामलों के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में कुल 6.83 मिलियन जोड़ों ने अपनी शादियां दर्ज कीं, जो 2021 में 7.63 मिलियन से कम है, जो 1986 के बाद से सबसे निचले स्तर का रिकॉर्ड है जब मंत्रालय ने पंजीकरण कराना शुरू किया था। विवाह पंजीकरण में गिरावट का एक कारण युवाओं की घटती संख्या है, उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि 2020 में जनसंख्या जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, 1980 के दशक -शेष पृष्ठ दो पर

पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर को धमकी

कोलकाता (हि.स.)। सुंदरबन के गरीब मरीजों के इलाज की वजह से पद्मश्री से सम्मानित राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त डॉक्टर अरुणोदय मंडल को धमकी दी गई। उन्होंने सोमवार को *हिन्दुस्थान समाचार* से कहा कि मुझे नहीं पता कि आने वाले दिनों में मैं आराम से काम कर पाऊंगा या नहीं। अरुणोदय लगभग तीन दशक से दक्षिण 24 परगना के दूरदराज के इलाकों में मरीजों को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने मरीचझापी के पास कुमारमारी में अपनी बहन के एक घर की मरम्मत कर चिकित्सा केंद्र बनाया। मैं वहां डेढ़ दशक से मरीज -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जी-20 की बैठक में भारत के प्रस्ताव पर डेलीगेशंस ने सहमति जताई

वाराणसी (हि.स.)। जी-20 देशों के विकास मंत्रियों की तीन दिवसीय बैठक के दूसरे दिन सोमवार को भारत के महत्वपूर्ण प्रस्ताव के साथ अध्यक्षता की थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य पर 200 डेलीगेशंस ने अपनी सहमति दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत भाषण में ठोस सुझाव और जी-20 बैठक की अध्यक्षता कर रहे विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर ठोस योजना बनाकर काम करने की बात कही गई। बैठक में सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन और इसके एसडीजी की उपलब्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई गई। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंडा को केंद्र में रख निर्णय लिया गया कि भारत सहित विकासशील देश पर्यावरण संरक्षण में ज्यादा प्रभावी भूमिका निभाएंगे और काम करेंगे। इस दौरान डेलीगेशंस ने विकास, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के बीच आपसी तालमेल बनाने पर जोर दिया। ताकि सतत विकास की अवधारणा के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। बैठक में दुनिया के उन देशों की मदद का प्रस्ताव रखा गया जहां वैश्विक महामारी कोरोना के बाद की स्थिति, जलवायु परिवर्तन से दिक्कते आई हैं। ऐसे देशों के जरूरतमंद लोगों की मदद के वैश्विक प्रयासों को बढ़ाने पर सहमति बनी। जी-20 देशों के विकास मंत्रियों ने एक स्वर में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत के साथ सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा। सितंबर 2023 में एसडीजी शिखर सम्मेलन और 2024 में भविष्य के शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए सार्थक योगदान देने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बड़ालालपुर स्थित पं. दीन दयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल सभागार में आयोजित बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ दक्षिणी गोलार्ध सहित दुनियाभर के सभी देशों की चुनौतियों पर चर्चा की गई। भारत के वसुधैव कुटुंबकम की धारणा को आत्मसात कर निर्णय लिया गया कि सभी सदस्य देश अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं के साथ मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ पर्यावरण और जलवायु को स्वच्छ बनाने की ठोस योजना बनाकर मिलकर काम करेंगे।

हाथी के हमले में दंपति की मौत

बामुनिगांव। असम के कामरूप जिले में सोमवार को एक जंगली हाथी के हमले में एक दंपति की मौत हो गई। यह घटना कामरूप जिले के बामुनिगांव के पास नगलडोंगा इलाके में हुई। मृतकों की पहचान थुलेश्वर राभा (56 वर्ष) और उनकी पत्नी नीलिमा राभा (52 वर्ष) के रूप में हुई है। कामरूप (पश्चिम) डिवीजन के डीएफओ डिंपी बोरा ने बताया कि सोमवार को बामुनिगांव रेंज के अंतर्गत बगाइखास रिजर्व फॉरेस्ट के अंदर नागालडोंगा इलाके में एक जंगली हाथी ने दंपति को मार डाला। डिंपी बोरा ने कहा कि घटना के बाद पुलिस और वन अधिकारी इलाके में पहुंचे और शवों को बरामद किया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) भेजने के लिए बोको पुलिस के कब्जे में है।

एसएसबी और टेरिटोरियल आर्मी ने किया वृहद स्तर पर वृक्षारोपण

कोकराझाड़(हिंस)। कोकराझाड़ जिला के रानीगुली स्थित छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) एवं कोकराझाड़ 135वीं ईको टॉस्क फोर्स टेरिटोरियल आर्मी ने आज दस हजार से अधिक पौधरोपण किया। ज्ञात हो कि भारत-भूटान के अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात एसएसबी के समस्त समवायो के लगभग 110 से अधिकारियों एवं बल कर्मियों के द्वारा देवश्री वन क्षेत्र में लगभग दस हजार बहुउपयोगी पौधरोपण किया गया। छठीं वाहिनी एसएसबी के कमांडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश में वृक्षारोपण कार्यक्रम- 2023 के लक्ष्य को पूरा करने लिए देवश्री वन क्षेत्र के अतिरिक्त सीमावर्ती इलाकों में भी पौधरोपण किया जा रहा है। पौधरोपण के दौरान उप कमांडेंट प्रभाकर कुमार वैद्य ने सभी जवानों एवं वहां उपस्थित ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। वृक्ष लगाने से पर्यावरण की सुरक्षा से जीवन को शक्ति मिलती है। पर्यावरण एवं जीव प्राणी के बीच अटूट संबंध बनता है। जब पेड़-पौधे रहेंगे, तभी शुद्ध वातावरण एवं स्वच्छ हवा मिलेगी और तभी मानव जीवन सफल होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पेड़ पौधों की कटाई हो रही है उसी अनुपात में पौधे लगाना अनिवार्य है। ताकि, भविष्य में इंसान प्राणदायी वायु पा सकें और मानव जाति के साथ ही जीव-जन्तु भी जीवित रह पाये।

पुलिस ने जब्त की कोडीन फॉस्फेट की 780 बोतल

गुवाहाटी। असम के करीमगंज में पुलिस ने कोडीन फॉस्फेट की 780 बोतलें जब्त की हैं। असम-त्रिपुरा के बॉर्डर पर स्थित चुराईबारी इलाके में पुलिस ने यह जब्ती की है। पुलिस के अनुसार उन्हें एक खूफिया सूचना मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस टीम ने टीआर-01एटी-1612 नंबर वाले ट्रक को चुराईबारी पोस्ट पर रविवार रात रोका। तलाशी लेने पर ट्रक में कोडीन फॉस्फेट की 780 बोतलें मिलीं। इस दवा पर प्रतिबंध है, जिसके बाद पुलिस ने इन बोतलों को जब्त कर लिया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि जिस ट्रक से कोडीन फॉस्फेट की बोतलें जब्त की गईं, वह उत्तर प्रदेश से त्रिपुरा के अगरतला जा रहा था। असम पुलिस ने बुधवार रात को भी कोडीन फॉस्फेट की एक बड़ी खेप को जब्त किया था। करीमगंज पुलिस ने कोडीन फॉस्फेट की 33 हजार बोतलों को एक ट्रक से बरामद किया था। इन कफ सीरप की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपए थी। पुलिस ने यह जब्ती भी असम-त्रिपुरा बॉर्डर से ही की थी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिनकी पहचान जिलानी, अनाज और अबरार के रूप में हुई। केंद्र सरकार ने बीते साल कोडीन पर आधारित कफ सीरप पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल कोडीन सीरप को नशे के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। दवाई होने के चलते इस तक लोगों की पहुंच बेहद आसान थी। यही वजह रही कि सरकार ने इस सीरप के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। आमतौर पर सर्दी-खांसी और दर्द के इलाज में कोडीन का इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका में बच्चों पर कोडीन के इस्तेमाल पर पाबंदी है।

भतीजे ने चाचा का सिर कलम किया

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के दुमदुमा थाना क्षेत्र में एक युवक ने रात को अपने चाचा और उनके पुत्र की धारदार हथियार से हत्या कर दी। यह वारदात लोंगसवाल की 12 नंबर आठाई बस्ती में हुई है। घर के अंदर दोनों का सिर कलम कर दिया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी गध मुड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि गध ने पेटू और कई अन्य लोगों की मदद से सुरेन मुड़ा और बबलू मुड़ा की हत्या की। आरोपी युवक की स्थानीय लोगों ने जमकर पिटाई की है। हालांकि, अभी तक हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बटद्रवा से पांच ड्रग्स माफिया गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के बटद्रवा पुलिस थाने के प्रभारी असीम बोरा के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आज तड़के पांच ड्रग्स माफियाओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार यह गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर उस समय की गई जब पांच लोग एक चार पहिया लग्जरी वाहन पर सवार होकर ड्रग्स के साथ जा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन के अंदर मादक पदार्थ पाया। तत्काल ही पुलिस ने मादक पदार्थों के साथ सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान ढेकियाजुली निवासी फजर अली, शोणितपुर बरसोला निवासी रहमत अली, बटद्रवा रामपुर सत्र निवासी शफीकुल इस्लाम, हाइडूबी गांव निवासी फैजुद्दीन और रामपुर सत्र निवासी सैफुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों के पास से पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनके पास से छह साबुनदानी में ले जायी जा रही प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त कर ली गई।

Memo No. DLSA/2022-23/

NOTICE

In pursuance of the Legislative Department's letter, vide no. ECF No.251641 Dtd.30th November 2022, this is for information to all concerned that the recruitment process for Lower Division Assistant (2 Posts) in the Office of the District Legal services Authority, Kamrup (M) which was advertised vide this office advertisement No. DLSA/387-89/2020 Dtd.26th February 2020 is hereby cancelled with immediate effect.

Fresh process of recruitment shall be initiated shortly.

District & Sessions Judge cum Chairperson
District Legal Service Authority,
Kamrup Metro

-- Janasanyog /D/4803/23

पृष्ठ एक का शेष

चक्रवात बिपरजॉय को ...

चलेंगी और भारी बारिश होगी। पीएम मोदी ने अधिकारियों के साथ बैठक में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय उठाने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार को निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार संवेदनशील स्थानों पर रहने वाले लोगों को सुरक्षित रूप से निकाल ले और बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पेयजल आदि जैसी सभी आवश्यक सेवाओं का रखरखाव सुनिश्चित करे। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर गृह मंत्रालय लगातार चौबीसों घंटा स्थिति की समीक्षा कर रहा है और मंत्रालय राज्य सरकार और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है। एनडीआरएफ ने 12 टीमों को पहले से ही तैनात कर दिया है, जो नावों, पेड़ काटने वालों, दूरसंचार उपकरणों आदि से लैस हैं और 15 टीमों को स्टैंडबाय पर रखा है। इस भीषण तूफान के मद्देनजर भारतीय तट रक्षक और नौसेना ने राहत, खोज और बचाव कार्यों के लिए जहाजों और हेलीकॉप्टरों को तैनात किया है। वायु सेना और इंजीनियर टास्क फोर्स इकाइयां, नावों और बचाव उपकरणों के साथ तैनाती के लिए स्टैंडबाय पर हैं। इस तूफान को लेकर अधिकारियों ने कहा कि कच्छ, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी के तटीय जिलों में समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को निकालना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सौराष्ट्र-कच्छ और गुजरात के कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है और मछली पकड़ने की गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने के लिए कहा गया है। कच्छ के तटीय इलाकों में धारा 144 लगा दी गई है और सभी स्कूल और कॉलेजों को 15 जून तक बंद कर दिया गया है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिलों में राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ और एसडीआरएफ) की टीमों को तैयार रखा गया है और प्रशासन सेना, नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के संपर्क में है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे में द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, राजकोट, दाहोद, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, वलसाड, नवसारी, तापी, वडोदरा, डांग, अमरेली, भावनगर में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि चक्रवात बिपरजॉय के लिए 14 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट और सभी जिलों के लिए 15 जून के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान उन्होंने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। पोरबंदर के 31 गांवों से अब तक 3,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है, जबकि देवभूमि द्वारका में 1,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

एनआरसी : 157 संविदा ...

सुपरवाइजरों ने मामले को लेकर गुवाहाटी हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। मालूम हो कि हितेश देव शर्मा के 30 जुलाई, 2022 को सेवानिवृत्त होने के बाद पार्थ प्रतिम मजूमदार को एनआरसी के राज्य समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था।

असम विधानसभा की ...

बिल्डिंग के निर्माण कार्य का निरिक्षण किया है। उन्होंने विधानसभा का जायजा लेते हुए एक मिनट का वीडियो शेयर किया है, जिसमें भवन की भव्यता दिखाई दे रही है। वीडियो में मुख्यमंत्री अधिकारियों को निर्देश देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

परिवहन विभाग को ...

को 345 करोड़ रुपए की बचत हुई। उन्होंने कहा कि विभाग ने अपनी विभिन्न सेवाओं के माध्यम से वित्त वर्ष 2022-23 में 1361.65 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभाग से व्हीकल स्क्रैपेज पॉलिसी असम 2022 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भी कहा है। उन्होंने परिवहन अधिकारियों से कहा कि जिन वाहनों का जीवन समाप्त हो चुका है, उसे सौंपने के लिए वे लोगों को प्रोत्साहित करें। उल्लेखनीय है कि इस नीति के तहत 764 वाहनों को पहले ही वाहन स्क्रैपिंग सुविधा नियमों (आरवीएसएफ) के पंजीकरण और कार्यों को सौंप दिया गया है। मुख्य रूप से राज्य भर में सड़क दुर्घटनाओं के कारण जानमाल के नुकसान की सूचना के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने दुर्घटना स्थलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल आवश्यक कदम उठाने को कहा ताकि सड़क हादसों को काफी हद तक रोका जा सके। उन्होंने अधिकारियों को यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर लोगों के लाभ के लिए, उन्होंने परिवहन अधिकारियों को दंडात्मक प्रावधानों को सख्ती से लागू करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान परिवहन विभाग के मौजूदा जनशक्ति के कामकाज की समीक्षा भी की। उन्होंने विभाग को विभाग में नवनियुक्त मानव शक्ति के लिए प्रशिक्षण शुरू करने के लिए कदम उठाने के लिए भी कहा। उन्होंने विभाग द्वारा की गई नई पहल की समीक्षा भी की। बैठक में परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा, परिवहन आयुक्त आदिल खान सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएच-17 के पास...

शरीर पर चोट के कई निशान थे। परिवार के सदस्यों ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि इससे पता चलता है कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई थी और बदमाशों ने हत्या के बाद उसके शरीर को फेंक दिया। ग्वालपाड़ा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक, दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। भाजपा नेता अशोक सिंघल ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए इसकी जांच की मांग की है। उधर भाजपा विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता हेमांग ठाकुरिया ने कहा कि राज्य पुलिस को इस मामले की ठीक से जांच करनी चाहिए। साथ ही यदि हत्या में कोई राजनीतिक पक्ष हो, तो इसकी भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि जोनाली नाथ भाजपा ग्वालपाड़ा जिला समिति के सचिव के रूप में काम कर रही थीं। वह बहुत सक्रिय पार्टी कार्यकर्ता थीं। ठाकुरिया ने कहा कि उसके साथ किसी को व्यक्तिगत दुश्मनी हो सकती है। शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद हमें वास्तविक तथ्यों के बारे में पता चल पाएगा। अगर यह हत्या का मामला है, तो दोषियों पर तुरंत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। वहीं, पुलिस अधीक्षक वी वी राकेश रेड्डी ने कहा कि हमने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला सिविल अस्पताल भेज दिया है। हम इसमें जांच कर रहे हैं। असम के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने मामले की गहन और त्वरित जांच की मांग की है। उन्होंने ट्वीट कर जोनाली नाथ के निधन पर दुख जताया। साथ ही कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक गहन और त्वरित जांच के बाद इस जघन्य कृत्य के दोषियों को जल्द ही पकड़ा जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर हिंसा : हिमंत ...

इससे पहले, शनिवार को असम के मुख्यमंत्री ने मणिपुर में इंफाल का दौरा किया था और राज्य में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर सीएम बीरेन सिंह के साथ बातचीत की थी। इसके बाद हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा था कि मणिपुर में शांति और स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूत्रों के मुताबिक, एनईडीए के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा के अगले सप्ताह मणिपुर के चुराचांदपुर और कांगकोपकी जिले का दौरा कर सकते हैं। मणिपुर के चुराचांदपुर की अपनी संभावित यात्रा के दौरान नेडा के संयोजक कुकी नेताओं के साथ विचार-विमर्श करेंगे। असम के मुख्यमंत्री और नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा शनिवार सुबह हिंसाग्रस्त मणिपुर के एक दिवसीय दौरे पर इंफाल पहुंचे थे। यहां उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के साथ सचिवालय मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने हिंसाग्रस्त मणिपुर की वर्तमान स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की। गृहमंत्री अमित शाह के बाद शर्मा के इस दौरे को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एयरपोर्ट से वे सीधे मणिपुर सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के साथ बैठक की थी। शांति बहाली की दिशा में उठाए जा रहे प्रयासों के साथ ही आगे की रणनीति पर भी दोनों नेताओं में लंबी बातचीत की थी। उस दिन शर्मा ने कहा था कि उन्होंने यहां जो कुछ भी महसूस किया है वे उसकी रिपोर्ट गृहमंत्री अमित शाह को सौपेंगे।

पानी की पाइपलाइन...

के शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल स्थिति का जायजा लेने मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी जल बोर्ड के साथ एक जरूरी बैठक बुलाई गई है। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि घटना के तुरंत बाद राजगढ़ और गौहाटी कॉमर्स कॉलेज लिंक रोड पर स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जहां एक पीने के पानी का पाइप फट गया, जिससे आस-पास कुछ नुकसान हुआ। बाद में गुवाहाटी जल बोर्ड के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की एक तत्काल बैठक बुलाई गई। वहीं खारगुली में पहले पहले भी ऐसा ही हासदा हुआ था, जो एक उच्च स्तरीय जांच प्रक्रिया में है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो।

मणिपुर हिंसा पर ...

वहां के लोगों से संवाद कर शांति बहाली के लिए पहल करनी चाहिए। कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक ने कहा कि मणिपुर हिंसा के 25 दिन बाद देश के गृह मंत्री वहां पहुंचे। हालांकि उनके जाने का कोई असर नहीं हुआ। वहीं हिंसा शुरु हुए 44 दिन हो गए लेकिन पीएम मोदी मणिपुर की स्थिति पर चुप हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी पूरी मुस्तैदी के साथ स्थिति को सामान्य बनाने के लिए हर तरह का सहयोग देने की पक्षधर है। कांग्रेस के लोग वहां शांति बहाली के लिए प्रयासरत हैं। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

ताइवान से अपने...

जिक्र किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सरकार ने सार्वजनिक रूप से तैयारियों पर चर्चा नहीं की है। विदेश विभाग ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मार्टिन मीनर्स ने योजना पर सीधे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हम ताइवान स्ट्रेट में आसन्न या अपरिहार्य के रूप में संघर्ष नहीं देखते हैं। रिपार्ट के अनुसार, पूरी योजना को गोपनीय रखा गया है क्योंकि यह ताइवान सरकार के लिए एक संवेदनशील विषय है। विदेश विभाग के एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि निकासी योजना के बारे में बात करने से लोग सोचने लगते हैं कि कुछ हो सकता है, भले ही यह सिर्फ विवेकपूर्ण योजना हो। रिपोर्ट बताती है कि 2019 तक 80,000 से अधिक अमेरिकी ताइवान में थे, जिसने हाल के वर्षों में चीनी सेना और चीनी नेतृत्व से बढ़ते खतरों का सामना किया है। कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि आने वाले वर्षों में एक आक्रमण हो सकता है, जबकि अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों को संदेह है कि चीनी सरकार ताइवान के साथ *पुनर्मिलन* करने की अपनी पुरानी प्रतिज्ञा में बल का सहारा लेगी। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के एक वरिष्ठ सलाहकार मार्क कैनसियान ने कहा कि ताइवान से निकासी के लिए योजना बनाना एक बहुत ही विवेकपूर्ण बात है, जो ताइवान युद्ध खेल चला चुके हैं और 1975 में साइगॉन से अमेरिकियों की निकासी में शामिल थे। लेकिन उन्होंने कहा कि ये केवल आकस्मिक योजनाएं हैं। तथ्य यह है कि अमेरिका ऐसा कर रहा है इसका मतलब यह नहीं है कि वे उम्मीद करते हैं कि युद्ध होगा। यह केवल एक बयान है कि युद्ध हो सकता है।

चीनी युवा में...

में पैदा हुए लोगों की जीवित आबादी, जिसे 80 के दशक के बाद की पीढ़ी के रूप में भी जाना जाता है। 215 मिलियन थे, 90 के दशक के बाद की संख्या 178 मिलियन थी, और 2000 के बाद की संख्या 155 मिलियन थी। विवाह योग्य आबादी में महिलाओं की तुलना में पुरुषों की संख्या अधिक है। सातवीं राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, 20 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में महिलाओं की तुलना में 17.52 मिलियन अधिक पुरुष थे। पुरुषों के लिए पहली शादी की औसत उम्र 2010 में 25.75 साल से बढ़कर 2020 में 29.38 साल हो गई थी और महिलाओं के लिए पहली शादी की औसत उम्र 2010 में 24 साल से बढ़कर 2020 में 27.95 साल हो गई थी। नागरिक मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीन में विवाह पंजीकरण की संख्या 2014 से साल दर साल घट रही है। 2013 में, 13.46 मिलियन जोड़े शादी के बंधन में बंधे, जो 2019 में 10 मिलियन से नीचे चला गया। 2021 में यह संख्या और नीचे आ गई और यह 8 मिलियन से नीचे पहुंच गया। 2022 में, देश भर में विवाह पंजीकरण की संख्या में 803,000 जोड़ों की कमी आई, जो लगभग 10.5 प्रतिशत कम है। इसके अलावा, संपत्ति की कीमतों और दूल्हे से दुल्हन के परिवार को सगाई के उपहार सहित शादी करने की उच्च लागत, एक अन्य कारक है जो विवाह पंजीकरण में गिरावट में योगदान देता है। इसके अलावा, युवा पीढ़ी के बीच विवाह के दृष्टिकोण में बदलाव आया है, अधिक से अधिक युवा विभिन्न कारणों से शादी नहीं करने या बच्चे पैदा करने का विकल्प चुन रहे हैं। 2022 में चीन की आबादी छह दशकों में पहली बार इतनी कम हो गई है, इसका देश की अर्थव्यवस्था और दुनिया पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। चीन की जन्म दर पिछले साल गिरकर प्रति 1,000 लोगों पर 6.77 जन्म हो गई, जो रिकॉर्ड पर सबसे कम है, जो 2021 में 7.52 थी। जनसांख्यिकीविदों ने चेतावनी दी है कि चीन अमीर होने से पहले बूढ़ा हो जाएगा, क्योंकि इसके कार्यबल सिकुड़ते हैं और ऋणी स्थानीय सरकारें अपनी बुजुर्ग आबादी पर अधिक खर्च करती हैं। शादी को बढ़ावा देने और देश में गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए चीन ने पिछले महीने कहा था कि वह 20 से अधिक शहरों में *नए युग* की शादी और बच्चे पैदा करने की संस्कृति बनाने के लिए प्रायोगिक परियोजना शुरू करेगा।

पद्मश्री से सम्मानित...

देख रहा हूं। पूरे क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा नहीं है। लोग भी बहुत गरीब हैं। मैं सुबह साढ़े चार बजे उठता हूं। सुबह सात बजे से एक बजे तक मरीजों को देखने के बाद मैं कोलकाता लौटता हूं। अरुणोदय ने कहा कि हर रविवार को औसतन 80 मरीजों को देखता हूं लेकिन मैं पिछले रविवार (4 जून) को क्षेत्र में नहीं जा सका। इसलिए कल बहुत भीड़ थी। रोगियों को देखने की शुरुआत में ही मेरे सहयोगियों ने घोषणा की कि 80 से अधिक लोग प्रतीक्षा नहीं करेंगे। अगर आप डॉक्टर को दिखाना चाहते हैं तो आपको अपना नाम लिखकर टिकट लेना होगा। बाद में एक मरीज रिक्शे में आया और टिकट लेने की जिद करने लगा। अरुणोदय ने कहा कि जब मेरे सहयोगी ने असहमति जताई तो पंचायत अध्यक्ष से शिकायत की गई। पंचायत प्रधान ने रिक्शा चालक को मेरा फोन नंबर लेने के लिए चैंबर में भेज दिया। मेरे सहयोगी ने मेरी जगह अपना नंबर लिखा। कुछ देर बाद उसने उस नंबर पर फोन किया और खाल उधेड़ने की धमकी दी। उसने कहा कि मैं लोगों को ला रहा हूं। सहकर्मी ने डर के मारे मुझे फोन दे दिया। पंचायत प्रधान ने मुझे भी धमकी दी। आदेश दिया, मरीज को देखने से पहले अगले रविवार को आकर मुझसे मिलें। मैंने जवाब दिया कि मैं नहीं आऊंगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं कुरीमारी आना बंद कर दूंगा। अरुणोदय ने कहा कि मैंने मामले की रिपोर्ट पुलिस स्टेशन में नहीं की। समय नहीं था। बताने से कोई फायदा नहीं है। सात साल पहले साहेबखाली के एक क्षेत्रीय प्रमुख ने मुझे धमकी दी थी कि मैं उनकी अनुमति से मरीजों को देखूंगा। उनका कहना है कि ग्रामीण बंगाल में उपचार की अत्यधिक आवश्यकता है। लोग बहुत परेशानी में हैं। इस उम्र में, मैं बिना किसी सरकारी समर्थन के दूरदराज के इलाकों में उनके साथ खड़ा होने की कोशिश करता हूं। महीने दर महीने, साल दर साल। मुझे धमकी राज्य में सत्तारूढ़ दल के नेता की ओर से इनाम है! सोमवार सुबह अरुणोदय ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि कल पहली बार शासक दल के अहंकार का सामना करना पड़ा। अनपढ़ों का उत्थान भयानक है। मैं नहीं जानता कि आने वाले दिनों में मैं उस द्वीप पर आराम से काम कर पाऊंगा या नहीं। इससे लाचार गरीब मरीजों को बुरा लगेगा। फिर भी, उनके बारे में सोचते हुए, मैं फिर से कुमिरमारी जाऊंगा। डर है कहीं सच में मेरी खाल न उधेड़ दी जाय।

को-वीन डेटा पूर्णतः ...

रिपोर्ट प्रस्तुत करने का का अनुरोध किया है। मंत्रालय ने कहा कोविन पोर्टल डेटा गोपनीयता के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ पूरी तरह से सुरक्षित है। मंत्रालय ने कहा कि कोविन के मौजूदा सुरक्षा उपायों की समीक्षा के लिए एक आंतरिक कवायद शुरू की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविन पोर्टल से डेटा के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है, जहां उन लाभार्थियों का डेटा है, जिन्हें कोविड-19 रोधी टीका लगाया गया। मंत्रालय ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसी सभी खबरें बेबुनियाद और शरारतपूर्ण प्रकृति की हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का कोविन पोर्टल डेटा गोपनीयता के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ पूरी तरह ट्विटर पर कई लोग इसके स्क्रीनशॉट लेकर शेयर कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जब टेलीग्राम बॉट पर कोविन पोर्टल के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज किया जाता है, तो जेंडर, जन्मतिथि, वैक्सीनेशन सेंटर का नाम और डोज के साथ-साथ वैक्सीनेशन के लिए इस्तेमाल किए गए आईडी कार्ड की डिटेल भी सामने आ जाती है। बता दें कि जब वैक्सीन की डोज उपलब्ध होती थी, तो लोग एक ही मोबाइल नंबर से परिवार के कई सदस्यों के लिए स्लॉट बुक करते थे। रिपोर्ट के अनुसार, यदि दर्ज किए गए मोबाइल नंबर से कई लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, तो टेलीग्राम बॉट एक ही बार में उन सभी की डिटेल भी नजर आ रही है, यानी एक साथ कई लोगों का डेटा खतरे में पड़ गया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

सद्गुरु आभा लागते, होय काक से हँस।
जीवन मरण सुधा कर, अमर भये सोइ वंश॥ 31॥

शब्दार्थ : (आभा) प्रतिभा, प्रभा (काक) कौआ, (हँस) पक्षी (अमर) मृत्यु से रहित (वंश) अमृत-सन्तान, सद्गुरु-पथानुयायी।

भाष्य : सद्गुरु की प्रभा अपने में आते ही कौवा रूपी जीवन हँस के समान हो जाता है और सद्गुरु के शब्द को धारण करने वाली संतान चेतनस्वरूप को प्राप्त हो कर जन्म-मरण से रहित हो, अमरत्व को प्राप्त हो जाती है।

मलयागिर के वास से, होवे वास सुवास।
लोहा से कञ्चन बने, पारश परशत पास॥ 32॥

शब्दार्थ : (मलयागिर) मलय पर्वत का सुगंधित वृक्ष (कञ्चन) सोना (पारस) एक पत्थर (परसत) स्पर्श।

भाष्य : मलयागिरि के वास से समीपवर्ती वृक्षों में भी सुगंध आ जाती है और पारस मणि के स्पर्श से लोहा स्वर्ण हो जाता है।

कई दिनों से हो रही बारिश से राज्य में बाढ़ का खतरा, 500 से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी। राज्य में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश से असम के तीन जिलों में अचानक बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में 500 से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, 150.00 (हेक्टेयर में) फसल क्षेत्र के साथ अचानक आई बाढ़ के कारण विश्वनाथ और उदलगुरी नाम के दो जिलों के लगभग 10 गांव प्रभावित हुए थे। इसी तरह, असम के सिलचर में भारी वर्षा के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न इलाकों में शहरी बाढ़ देखी गई। एएसडीएमए ने कहा कि लिंक रोड, अम्बिकापट्टी, एनएस एवेन्यू, सोनई रोड इलाकों आदि से सिल्चर में अचानक बाढ़ आने की सूचना मिली थी। इसमें कहा गया है कि सोमवार शाम तक 97 बच्चों के साथ कम से कम 575 लोग बाढ़ प्रभावित हैं। पिछले 24 घंटों में विश्वनाथ और डारंग जिलों से बुनियादी ढांचे को नुकसान की सात घटनाएं हुईं, जबकि लखीमपुर से एक के अलावा इन्हीं जिलों से तटबंधों के टूटने की पांच घटनाएं सामने आईं। विश्वनाथ, डिब्रूगढ़ और लखीमपुर जिलों में प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों से आकस्मिक बाढ़ के कारण अन्य नुकसान की सूचना मिली थी। हालांकि, पिछले 24 घंटों में कोई भूस्खलन की घटना नहीं देखी गई थी, रिपोर्ट में एएसडीएमए ने कहा कि बारपेटा, विश्वनाथ, दारंग और धुबड़ी जिलों के कई इलाकों से कटाव की खबरें थीं। इससे पहले, मानसून की शुरुआत और राज्य भर में बाढ़ की संभावना के साथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सरकारी मशीनरी को बाढ़ से संबंधित किसी भी घटना से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। असम सहित पूर्वोत्तर में मानसून शनिवार को पहुंचा और राज्य में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। उपायुक्तों (डीसी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस में, सीएम शर्मा ने एनएचएआई, एनएचआईडीसी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित सभी सरकारी विभागों को सतर्क रहने और प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावित लोगों तक पहुंचने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन, ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी को भी संवेदनशील जिलों, विशेष रूप से दीमा हसाओ में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों की पूर्व-स्थिति के लिए कदम उठाने के लिए कहा। उन्होंने असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) से लोगों को बाढ़ के संभावित खतरों के बारे में चेतावनी देने के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को सक्रिय करने के लिए भी कहा। इसके अलावा, बाढ़ के पानी के निचले इलाकों में डूबने की स्थिति में, शर्मा ने उपायुक्तों को राहत शिविर स्थापित करने और इन केंद्रों में राहत वितरण को सुव्यवस्थित करने के लिए कहा।

रंगिया : एनएच 27 पर सड़क हादसा दो की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया के समीप के केंदुकोना में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर आज एक भयावह सड़क दुर्घटना में महिलाओं समेत दो लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अल्टो कार अपनी नियंत्रण खोने की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे बोर्ड से टकरा गयी। जिसकी वजह से घटना स्थल पर ही दो सवारों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चालक को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रंगिया की ओर से गुवाहाटी की ओर जा रही ऑल्टो कार ने नियंत्रण खोकर सड़क किनारे माइल बोर्ड से टकरा गयी। मृतक महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन ड्राइवर की पहचान शिलांग निवासी दीपक प्रधान के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कमलपुर पुलिस ने दोनों शवों को कमलपुर थाने ले गई। बाद में उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

विश्व हिंदू परिषद की विश्वनाथ जिला इकाई की बैठक संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला समिति का कल विश्वनाथ चारिआलि नगर के चौराहे पर स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर के प्रांगण में अपराह्न 4 बजे महत्वपूर्ण सभा हुई। इस सभा जिला समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी, खंड समिति और बजरंग दल के कार्यकर्ता के साथ तेजपुर विभाग संगठन मंत्री शशीकांत पांडे मौजूद थे। सर्वप्रथम विश्वनाथ जिला समिति के सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने जिला अध्यक्ष स्वपन राजखोवा, विश्वनाथ नगर प्रखंड अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, तेजपुर विभाग के संगठन मंत्री शशीकांत पांडे को मंचासिन कराया। इसके बाद मंचासीन पदाधिकारियों ने भारत माता, प्रभु श्री रामचंद्र और गुरु जी के प्रतिछवि में दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया। इसके बाद स्वपन राजखोवा, प्रभुनाथ सिंह, शशीकांत पांडे को गामोछा से अभिनंदन किया गया। सभा के अध्यक्ष स्वपन राजखोवा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा विश्व हिंदू परिषद् के विश्वनाथ जिला के सांगठनिक नींव को मजबूत करने और धर्म रक्षा निधि से ही संगठन आगे बढ़ेगा। विश्व हिंदू परिषद के जो आयाम है, वह दायित्व से कार्य करेंगे तभी यह संगठन आगे बढ़ेगा। उन्होंने हिंदू धर्म में हो रहे विभिन्न गंभीर विषयों पर चर्चा की। सभी हिन्दू को संगठित होने का आह्वान किया। तेजपुर विभाग संगठन मंत्री शशीकांत पांडे ने जय श्री राम का जयकारा लगाते हुए कहा कि सभी को विश्व हिंदू परिषद के कार्य करने पहले अपने परिवार, गांव और समाज के हिंदू लोगों को संगठित करना पड़ेगा और अपने को हिंदू कहकर संबोधित करने से ही हम आगे बढ़ पाएंगे। इसी सभा में जिला सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला खाली हुए (पद) आयाम को सर्वसम्मति से धर्माचार्य अर्चक को विश्वनाथ धर्म प्रचार-प्रसार प्रमुख के रूप में घोषित किया।

बोको के जमलाई-कल्याणपुर मंडल कांग्रेस की नई समिति गठित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत जामलाई-कल्याणपुर ग्राम पंचायत की मंडल कांग्रेस की आम सभा की बैठक कल आयोजित की थी। विद्यानगर एमई स्कूल परिसर में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता आमिर अली अहमद ने की। बैठक में तत्कालीन जमलाई-कल्याणपुर मंडल कांग्रेस कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य पद्मलोचन दास और जाकिर हुसैन ने भाग लिया, जिसमें सर्वसम्मति से जामलाई-कल्याणपुर मंडल कांग्रेस की नई समिति का गठन किया गया, जिसमें हबीबर अली अध्यक्ष, आबू सैयद अंसारी, अली हुसैन और सैदुर रहमान उपाध्यक्ष, जोयनाल आब्दीन मुख्य सचिव और दस सचिव शामिल थे। बैठक में कामरूप जिला कांग्रेस सचिव अब्दुल बारिक और आब्दुर रज्जाक सहित लगभग 100 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि जामलाई-कल्याणपुर मंडल कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हबीबर अली को स्थानीय विधायक नंदिता दास ने फुलम गामोसा देकर सम्मानित किया था।

90 दिवसीय बांल संरक्षण अभियान का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। समुचे असम के साथ सोमवार को कामरूप जिले में भी जिला बाल संरक्षण समूह, कामरूप तथा जिला प्रशासन के सौजन्य से और राज्य बाल संरक्षण समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, असम के सहयोग से सुरक्षित बचपन, सुनहरा असम नामक 90 दिवसीय बाल संरक्षण प्रचार अभियान का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत अतिरिक्त जिला उपायुक्त सुजाता गोगोई ने एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित एक समारोह में की। जिला अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाल संरक्षण की दिशा में हम सभी को मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य सभी प्रकार की हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार और बच्चों की उपेक्षा को रोकना है, बच्चों के विकास और विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना, शारीरिक और यौन शोषण से सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य बुनियादी सेवाओं को सुनिश्चित करना है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि अगर किसी समाज में बचपन सुरक्षित नहीं है तो हम एक आदर्श समाज की उम्मीद नहीं कर सकते। 90 दिवसीय अभियान में बाल विवाह, यौन शोषण, बाल तस्करी, बाल श्रम, बाल शोषण की रोकथाम आदि जैसी असामाजिक गतिविधियों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मायुमं का रक्तदान सप्ताह शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। रविवार को गुवाहाटी की आठ शाखाओं ने मिलकर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के निर्देशानुसार मंच रक्तदान सप्ताह की शुरुआत की। कामाख्या, गुवाहाटी ग्रेटर, गुवाहाटी प्रोफेशनल, गुवाहाटी प्रगति, गुवाहाटी समृद्धि, गुवाहाटी उदय, गुवाहाटी शीरोज एवं बेलतला शिखर शाखा के आतिथ्य में आयोजित मंच रक्तदान सप्ताह की शुरुआत वीआईपी रोड स्थित पीपल्स मार्ट में आयोजित रक्तदान शिविर से हुई। मंच रक्तदान सप्ताह के क्रम के आज इस प्रथम शिविर में प्रांतीय अध्यक्ष युवा पंकज जलान, प्रांतीय महामंत्री युवा सुभाष सुराणा, प्रांतीय रक्तदान संयोजक युवा राहुल चमड़िया एवं प्रांतीय लीगल सेल संयोजक युवा मुकेश चाचान की गरिमामाई उपस्थिति रही। प्रांतीय रक्तदान संयोजक युवा राहुल चमड़िया ने भी इस शिविर में रक्तदान किया। त हो कि इस हफ्ते में गुवाहाटी स्थित केसी दास कॉमर्स कॉलेज (छत्रीबाड़ी), गेम्स विलेज (बोरसोजई), आईसीआईसीआई अकादमी आदि विभिन्न स्थानों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

विधायक रविराम नार्जारी ने रखीं कई आधारशिलाएं

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के 29 नंबर जनजातिकरण क्षेत्र के अंतर्गत सालड़ागुड़ी जनता कॉलेज में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई। उक्त आधारशिला जनजातिकरण क्षेत्र के विधायक रबीराम नार्जारी ने रखी। इसके अलावा विधायक ने हॉबीरुबाड़ी यूएन ब्रह्म वोकेशनल हाई स्कूल में लगभग एक करोड़ की लागत से बननेवाले ऑडिटोरियम हाल का आधारशिला रखी। वहीं दोतमा गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म मिशन स्कूल के उन्नति के लिए 25 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त क्लास रूम निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई। साथ ही फकीराग्राम के राभपाड़ा बोडोफा हाई स्कूल के उन्नति के लिए 25 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त क्लास रूम निर्माण के लिए आधारशिला विधायक ने रखी। इस मौके पर मौजूद पत्रकारों से बार्ता के दौरान विधायक ने कहा कि उक्त निर्माण कार्य के लिए आवंटित राशि असम सरकार द्वारा दी गई है। जिससे क्षेत्र विकास हो सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस तरह के विकास के लिए काम करता रहूंगा। इस आधारशिला कार्यक्रम में स्कूल और महाविद्यालय के प्रीचार्य, अध्यापक छात्र-छात्राएं, अभिभावक तता बीपीएफ के नेतागण और बीटीआर के दोतमा क्षेत्र के एमसीएलए प्रकाश बसुमतारी उयस्थित थे।

9 एएम टी के पहले फ्रेंचाइजी स्टोर टी-अमौर का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। असम कि चाय को विश्व पटल पर ले जाने के उद्देश्य से 9 एएम टी ने आमबाड़ी स्थित एजीपी कार्यालय के पास आज अपने पहले टी-अमौर नामक फ्रेंचाइजी स्टोर का शुभारंभ किया। इस स्टोर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित असमिया फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री जरीफा वाहिद व विशिष्ट अतिथि गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र के सचिव प्रियानुज दत्ता ने किया। इस मौके पर संस्थापक रूपेश खाखोलिया ने बताया कि *9 एएम टी* राज्य की एक प्रमुख चाय कंपनी जो अपने प्रीमियम चाय मिश्रणों के लिए प्रसिद्ध है और एक सुखद चाय अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता के लिए अपने पहले फ्रेंचाइजी स्टोर टी-अमौर का शुभारंभ हमने पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार गुवाहाटी से किया है इस फ्लेक्सी फ्रेंचाइजी स्टोर के खोलने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य बाहर से आने वाले पर्यटकों को असम की बेहतरीन चाय उपलब्ध कराना है। हमारे इस फ्रेंचाइजी स्टोर में नाजुक सफेद चाय से लेकर मजबूत काली चाय, सुगंधित हरी चाय से लेकर ताजगी भरे हर्बल इन्फ्यूजन तक विविध प्रकार के चाय के वैरायटी उपलब्ध हैं। हमारी चाय टिकाऊ खेती के तरीकों का उपयोग करके उगाई जाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि *9 एएम टी* का प्रत्येक कप गुणवत्ता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। संस्थापक रूपेश खाखोलिया ने कहा की हमारे इस फ्रेंचाइजी स्टोर से भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक चाय का असली स्वाद व सही मिश्रण ढूंढ़ सकते हैं। हमारे उत्पादों को ऑनलाइन खरीदें जा सकते है। इसके अलावा असम चाय को उत्सव के अलावा किसी भी मौके पर उपहार देने के पैटर्न की शुरुआत भी हमने की हैं, उद्योग के लिए भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। उद्घाटन के मौके पर ग्राहकों के लिए खरीदारी पर विशेष छूट दी जा रही है। *9 एएम टी* चाय ने दुनिया भर में असम चाय को बढ़ावा देने के लिए जीटीएसी के माध्यम से 75000/- रुपए प्रति किलोग्राम दुर्लभ गोल्डन टिप्स चाय खरीदी हैं। इसी कंपनी ने ओडिशा में एकल मूल असम चाय को बढ़ावा देने के लिए टी बोर्ड इंडिया के साथ सहयोग किया है। अब वे एकल उत्पत्ति के रूप में दुनिया भर में असम चाय के स्वाद को पूरा करने के लिए %टी अमौर% ब्रांड के साथ एक फ्रेंचाइजी मॉडल में प्रवेश कर रहे हैं।

मानकाचार : हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

साउथ सालमारा। आज 152 बटालियन सीआरपीएफ की डी कंपनी द्वारा थाना मानकाचार, जिला साउथ सालमारा में एक संदिग्ध को हेरोइन एवं नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन) लोअर असम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के रेंज फील्ड टीम (आसुचना शाखा) को अपने विश्वसनीय स्त्रोतों से सुचना प्राप्त हुई थी कि मेघालय का एक व्यक्ति अपने काले रंग की टीवीएस स्कूटी जिसमें नंबर प्लेट नहीं है उसकी सीट के नीचे वाली डिक्की में ड्रग्स छिपाकर मानकाचार (साउथ सालमारा) से मीर जुमला के रास्ते तुरा जा रहा था। आसुचना को तुरंत पुलिस अधीक्षक (साउथ सालमारा) श्री हरेन तुबकी (भा.पु.सेवा) तथा कमांडेंट - 152 वाहिनी केरिपु बल से साझा किया गया। श्री हरेन तुवकी (एसप.) ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उप निरी. गितार्थ चौधरी, थाना मानकाचार को कार्यवाही हेतु आदेशित किया एवं श्री आरएस सूर्यवंशी उप कमां, आसुचना आरएफट. लोअर असम के नेतृत्व में डी/152 सम. सीआरपीएफ द्वारा दोपहर के 2 बजकर 30 मिनट के करीब मनोजित कोच पुत्र ठाकुर दास कोच, उम्र 29 वर्ष, ग्राम - कुमली थाना-आमपाती, जिला - साउथ वेस्ट गारोहिल्स के स्कूटी की डिक्की से 11.09 ग्राम हिरोइन तथा 13700 रुपए कैश बरामद किया गया जिसे जप्त कर लिया गया। यह उपलब्धि असम में सीमावर्ती राज्यों से लगातार हो रही ड्रग्स सप्लाई पर बहुत बड़ा प्रभाव छोड़ती है।

भारत-बांग्लादेश के बीच चलने वाली मिताली एक्सप्रेस ट्रेन रद्द

गुवाहाटी, 12 जून (हि.स.)। भारतीय रेल ने बांग्लादेश में ईद त्यौहार को देखते हुए 13132/13131 (न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी) मिताली एक्सप्रेस की सेवाओं को रद्द करने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के प्रवक्ता ने बताया कि ट्रेन संख्या 13132 (न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका) मिताली एक्सप्रेस 25, 28 जून और 02 जुलाई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 13131 (ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी) मिताली एक्सप्रेस की 26, 29 जून और 03 जुलाई को सेवा रद्द रहेगी। बांग्लादेश में ईद का त्यौहार समाप्त होने के बाद मिताली एक्सप्रेस की सामान्य सेवाएं पुनः शीघ्र शुरू हो जाएगी।

NO.SDT.56/2018/322/2724

WALK IN INTERVIEW NOTICE

Regional Silk Technological Research Station under Central Silk Technological Research Institute, Central Silk Board, Khanapara, Guwahati will deploy Master Weaver for Development of post cocoon technology.

And, as a part of the scheme, the RSTRS CSB Khanapara informed DOS Assam to select 3(three) Master Weavers for Assam vide letter No. RSTRS/CSTRI/CSB/GHY/2023-24/MW-MR(Silk Samagra)/48, dt.16-05-2023 and for execution of its activities, the Directorate of Sericulture, Assam is holding a walk-in interview for selection of Master Weaver to be engaged in three Common Facility Centre at Dhakuakhana, Golaghat and Biswanath on contractual basis.

Interested candidates fulfilling requisite criteria primarily on weaving as mentioned below are invited to appear for the interview at Directorate of Sericulture, Assam on **27th June, 2023 from 11.00 am** without fail. The criteria are as per fixed by RSTRS

- Educational qualification : 8th std. & above.
- Experience : 3 years in weaving with teaching skill to demonstrate weaving activities. Preference will be given those candidates who was already worked under directorate of Sericulture, Assam,
- Age : 21 years and above

The selected Master Weaver will be on contract for 9 months and will be paid lump sum remuneration as per CSS/SILK SAMAGRA-2 guidelines of Central Silk Board @ Rs 18,000.00 per month. On completion of the probationary period of six months, the candidate is eligible to get an additional amount of Rs.3000/- per month for the period served or its proportion from the number of day he/she reports for duty. The selected person will be deployed in the CFC established in different district of Assam for handling theory and practical classes on the above activities to the sericulture beneficiary. Such engagement is purely on contract basis for fixed period of 9 months and will be terminated on completion of contract. There will not be any employee-employer relationship once the contract is completed and one cannot claim any type of employment from the CSB/DOS based on the contract. The selected candidates shall be empaneled by the Committee at DOS Assam and its sub units based on the trade criteria on prior experience in the respective field, educational qualification, practical test, interview and any other aspect required are to be conducted/assessed by this office. Interested candidates may attend the interview to be held on 23rd June, 2023 with required documents in original at following places.

Venue :- Directorate of Sericulture, Assam, Khanapara, Guwahati-22
Date :- 27-06-2023
Time :- 11.00 AM onwards

Sd/-
Director,
Sericulture, Assam, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/4831/23

काशी की आत्मा भारत की कालातीत परंपराओं से ऊजार्वान: प्रधानमंत्री

- वाराणसी में जी-20 देशों के विकास मंत्रियों की बैठक के वर्चुअली संबोधन में प्रतिनिधियों का किया स्वागत

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जी-20 देशों के विकास मंत्रियों की बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने बैठक की सफलता की कामना और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा -'काशी की आत्मा भारत की कालातीत परंपराओं से ऊजार्वान है। मुझे उम्मीद है कि आप अपना सारा समय मीटिंग रूम में नहीं बिताएंगे। मैं आपको प्रोत्साहित करता हूं कि आप बाहर जाएं। अन्वेषण करें और काशी की भावना का अनुभव करें। और, मैं ऐसा केवल इसलिए नहीं कहता कि काशी मेरा निर्वाचन क्षेत्र है। मुझे विश्वास है कि गंगा आरती और सारनाथ की यात्रा का अनुभव आपको वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा।' प्रधानमंत्री ने वीडियो सम्बोधन में कहा- 'मैं लोकतंत्र की जननी के सबसे पुराने जीवित शहर (बनारस) में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। काशी सदियों से ज्ञान, चर्चा, संस्कृति और अध्यात्म का केंद्र रही है। इसमें भारत की विविध विरासत का सार है।' उन्होंने कहा -'वैश्विक दक्षिण के लिए विकास एक मुख्य मुद्दा है। ग्लोबल साउथ के देश वैश्विक कोविड महामारी द्वारा उत्पन्न व्यवधानों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भू-राजनीतिक तनावों के

कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट ने एक और झटका दिया है। ऐसी परिस्थितियों में, आपके द्वारा लिए गए निर्णय पूरी मानवता के लिए बहुत मायने रखते हैं।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सतत विकास लक्ष्यों को पीछे न जाने दें। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पीछे न छूटे। इस समूह के लिए दुनिया को एक मजबूत संदेश देना अनिवार्य है कि इसे हासिल करने के लिए हमारे पास एक कार्य योजना है। मैं जी–20 विकास मंत्रियों से विकास के इस मॉडल का अध्ययन करने का आग्रह करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- 'यह प्रासंगिक हो सकता है क्योंकि आप एजेंडा 2030 को गति देने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत में डिजिटलीकरण ने क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। हमने 100 से अधिक आकांक्षी जिलों में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास किए हैं जो अल्प-विकास वाले पॉकेट थे। प्रौद्योगिकी का उपयोग लोगों को सशक्त बनाने, डेटा को सुलभ बनाने और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा है।

भारत महिला सशक्तिकरण तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास तक फैला हुआ है। मैं आपसे महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए गेम-चेंजिंग एक्शन प्लान अपनाने का आग्रह करता हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा -'भारत में हम नदियों, पेड़ों, पहाड़ों और प्रकृति के सभी तत्वों का बहुत सम्मान करते हैं। पारंपरिक भारतीय विचार एक ग्रह-समर्थक जीवन शैली को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल, संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ, मैंने मिशन लाइफ- लाइफस्टाइल लॉन्च किया था। मुझे खुशी है कि यह समूह लाइफ पर उच्च स्तरीय सिद्धांतों का एक सेट विकसित करने के लिए काम कर रहा है। यह जलवायु कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण योगदान होगा।' उल्लेखनीय है कि विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर की अध्यक्षता में बड़ालालपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल सभागार में यह बैठक चल रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नोवाक जोकोविच को 23वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फ्रेंच ओपन 2023 का खिताब जीतने पर सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को बधाई दी। फ्रेंच ओपन के साथ ही जोकोविच ने अपने करियर का रिकॉर्ड 23वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। जोकोविच ने रविवार को फ्रेंच ओपन के फाइनल में कैस्पर रुड को हराकर रिकॉर्ड 23वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर पुरुष टेनिस में एक नया मानक स्थापित किया। इतिहास रचने वाले जोकोविच ने रुड को 7-6(1), 6-3, 7-5 से हराकर अपने शानदार करियर में तीसरा रोलैंड गैरोस खिताब जीता। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्विटर पर कहा कि टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच को भारत में लाखों लोगों के लिए एक रोल मॉडल और प्रेरणा के रूप में देखा जाता है।

उन्होंने ट्वीट किया, फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल फाइनल जीतने के लिए जोकोविच को बधाई, जो उन्हें टेनिस इतिहास में सर्वाधिक पुरुष ग्रैंड स्लैम खिताबों का विजेता बनाता है। मैं सर्बिया के लोगों की विशेष खुशी साझा करता हूं जिनके साथ कुछ दिन पहले मुझे यादगार समय बिताने का मौका मिला। नोवाक जोकोविच सर्बिया, भारत और दुनिया भर में युवाओं के लिए एक प्रेरक आइकन हैं। मेरी कामना है कि वह निरंतर सफलता प्राप्त करे। बता दें कि मुर्मू 9 जून को सर्बिया की अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा से वापस स्वदेश लौटीं हैं। सर्बिया की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने भारत और सर्बिया के बीच खेल संबंधों की सराहना की और कहा कि टेनिस दिग्गज जोकोविच को भारत में लाखों लोगों के लिए एक आदर्श और प्रेरणा के रूप में देखा जाता है।

किसान-कल्याण महाकुंभ में आएं किसान भाई : मुख्यमंत्री चौहान

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी होंगे शामिल

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमने किसानों के ऋण पर ब्याज की राशि राज्य सरकार की ओर से भरवाने की बात कही थी। राजगढ़ में 13 जून को किसान- कल्याण महाकुंभ में किसानों के ब्याज की राशि उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी, जिससे किसानों को कृषक सोसायटी से खाद-बीज मिल सकेगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी विशेष रूप से शामिल होंगे। किसान-कल्याण महाकुंभ में फसल बीमा योजना के 2900 करोड़ रुपये भी किसानों के खातों में डाले जाएंगे। मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के 2 हजार रुपये भी सभी पात्र किसानों के खातों में अंतरित होंगे। यह बात मुख्यमंत्री चौहान ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों से की अपील

में कही। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 हजार रुपये प्रतिवर्ष किसानों के खातों में जारी करते हैं। राज्य शासन की ओर से भी 4 हजार रुपये 2 किस्त में किसानों के खातों में डाले जाते हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसान-कल्याण महाकुंभ किसानों के कल्याण के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रकटीकरण है। किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में राजगढ़ के किसान महाकुंभ में शामिल हों। सभी जिला मुख्यालयों तथा सोसायटी मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम होंगे। किसान भाई इन कार्यक्रमों में आएं, महाकुंभ से वर्चुअली जुड़ें और संवाद में शामिल हों।

डीडीए के 17 हजार 800 फ्लैट अक्टूबर के अंत तक व अगले साल मार्च तक हो जाएंगे तैयार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में घर खरीदना चाहते हैं तो आपका सह सपना डीडीए पूरा करने वाला है। जल्द ही दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी यानी डीडीए के फ्लैट्स को खरीदने का मौका आने वाला है। अगले एक साल में डीडीए दो चरणों में 17 हजार 829 फ्लैट की बिक्री करने जा रहा है। यह जानकारी डीडीए के एक अधिकारी ने मीडिया को दी है। डीडीए के अफसर के अनुसार इस साल अक्टूबर के अंत तक 11,449 फ्लैट तैयार हो जाएंगे, जबकि 6,380 फ्लैट अगले साल मार्च तक कंप्लीट होंगे। इनमें हाई इनकम ग्रुप (एचआईजी), मिड इनकम ग्रुप (एमआईजी), लो इनकम ग्रुप (एलआईजी) और इकोनोमिकली वीकर सेक्शन (ईडब्ल्यूएस) कैटिगरी के लिए फ्लैट शामिल हैं। सबसे अधिक फ्लैट एमआईजी कैटिगरी के हैं। इनमें से अधिकतर फ्लैट्स का काम पूरा करने के करीब हैं और दो बैच में तैयार होंगे, इस साल अक्टूबर के अंत तक और अगले साल मार्च तक फ्लैट बनकर तैयार हो जाएंगे। सभी फ्लैट्स द्वारका सेक्टर 19बी, मुंडका के पास भाकरवाला, द्वारका सेक्टर 14 और नरेला सेक्टर ए1 से ए4 में हैं।

अधिकारियों ने बताया कि द्वारका सेक्टर 19बी में बन रहे एचआईजी या लग्जरी फ्लैट डीडीए के लिए नई कैटिगरी है। द्वारका में डीडीए ने पहली बार पेंटहाउस और टैरेस गार्डन और गोल्फ कोर्स के साथ फ्लैट तैयार किए हैं। सेक्टर 19बी में 116 एचआईजी फ्लैट और 14 पेंटहाउस बनाए जा रहे हैं। यहां 328 ईडब्ल्यूएस यूनिट भी होंगे। द्वारका के अलावा कुछ एचआईजी फ्लैट नरेला में भी बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन फ्लैट्स के लिए कीमत अभी तक निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि, ड्रॉ के लिए आवेदन इस साल दिवाली के आसपास मंगाए जा सकते हैं। आवंटन अगले साल तक होने की उम्मीद है। डीडीए अधिकारियों ने कहा कि पेंट हाउस का आकार 266 स्क्वायर मीटर होगा और एचआईजी फ्लैट का आकार 129 वर्गमीटर और 150 वर्गमीटर है। एमआईजी फ्लैट फ्लैट, 84 वर्ग मीटर और एलआईजी 40 वर्गमीटर के हैं। अक्टूबर तो जो फ्लैट तैयार होंगे, उनमें 2938 एचआईजी, 2491 एमआईजी, 316 एलआईजी, 3,904 ईडब्ल्यूएस के हैं। इसके अलावा मार्च 2024 तक 1,125 एचआईजी, 3396 एमआईजी और 1,859 ईडब्ल्यूएस तैयार होंगे। डीडीए ने अभी तक 54 हाउजिंग स्कीम लॉन्च किए हैं, जिनमें 888 ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज और 118 क्रॉपोरेंट हाउसिंग सोसाइटीज हैं। इनमें कुल 41 हजार 7 हजार 63 फ्लैट हैं।

भारत की जीडीपी 3.75 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंची: वित्त मंत्री कार्यालय

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत की जीडीपी (सकल घरेलू घरेलू उत्पाद) वर्ष 2023 में 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। यह वर्ष 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर के करीब थी। केंद्रीय वित्त मंत्री कार्यालय ने आज ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। ट्वीट के मुताबिक इस तरह भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। भारत को अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले हफ्ते मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि वित्त वर्ष 2022-23 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी देखने को मिली, जो पूर्व के सात फीसदी के अनुमान से ज्यादा मजबूत है। दास ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी देखने को मिल सकती है।

अलीपुर इलाके में यमुना में नहाने गया यूपीएससी का छात्र डूबा

अजय कुमार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके के झंगोला ठोकर नंबर 6 यमुना नदी में नहाने गए यूपीएससी के छात्र की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक करीब 4 से 5 की संख्या में लोग यमुना में नहाने आए थे। इसी क्रम में एक शख्स डूब गया। डूबे शख्स की पहचान 25 वर्षीय मनोज के रूप में हुई है। वह यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। वह अपने दोस्तों के साथ यमुना किनारे घूमने आया था और इसी दौरान वह यमुना में उतरकर नहाने लगा। जानकारी के मुताबिक, पानी का बहाव काफी तेज था, जिसके चलते शव निकालने में काफी मश्क्कत करनी पड़ी। उल्लेखनीय है कि यमुना में पहले भी इस तरीके के हादसे हो चुके हैं।

लोग भीषण गर्मी के कारण यमुना में नहाने जाते हैं और आगे बढ़ने के बाद दलदल में फंसकर हादसों का शिकार हो जाते हैं। लोगों की मांग है कि यमुना किनारे सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए।

सत्ता के लालची हैं कांग्रेस समेत विपक्षी दल, भाजपा सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी : नड्डा

नूरपुर, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर बड़ा सियासी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल कुर्सी और सत्ता की चाह में विचारशून्य हो रहे हैं। सत्ता के लिए यह दल किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार बैठे हैं। वहीं दूसरी ओर भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अपने सिद्धांतों पर चलती है। भाजपा जो कहती है वह करती है। जेपी नड्डा सोमवार को कांगड़ा जिले के नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के जसूर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कुर्सी के लिए यह किसी भी तरह का समझौता कर लेते हैं, लेकिन भाजपा ने हमेशा देशहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास की एक नई गाथा लिखी है। चाहे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल रहा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का। देश को विकास के मामले में मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी इसलिए भी बन पाई है क्योंकि वह जो कहती है वह करती भी है। चाहे बात राम मंदिर निर्माण की हो, भारत को परमाणु

शक्ति बनाने की हो चाहे देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने की हो। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में यह सब कर दिखाया है। अगले साल भव्य राम मंदिर तैयार होने जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को 10वें स्थान से पांचवें स्थान पर पंहुचाने का काम भी मोदी सरकार ने ही किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सेवा और सुशासन की सरकार चलाती है। यही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें एक सामान्य कार्यकर्ता भी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री जैसे पदों पर बैठ सकता है। वहीं दूसरी और विपक्षी दलों में सिर्फ परिवारवाद भरा पड़ा है। जम्मू-कश्मीर से लेकर सभी गैर-भाजपा शासित राज्यों में परिवारवाद की ही सरकारें चल रही हैं। नड्डा ने कांग्रेस कालखंड और भाजपा के कालखंड की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय स्कैंडल होते थे और भाजपा के समय स्कीमें बनती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांगड़ा के पालमपुर में भव्य राम मंदिर बनाने का प्रस्ताव पारित किया था और यह प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति है जिसे उन्होंने राम मंदिर का शिलान्यास भी कर दिया और बड़ी जल्दी यह तैयार होकर देश को अर्पित कर कर दिया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर पार्टी कार्यकताओं से 2024 के लोकसभा चुनावों में हिमाचल से चारों सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने की बात कही ताकि दोबारा मोदी को देश का जिम्मा सौंपा जा सके। इससे पूर्व, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता विपक्ष जय राम ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने भी जनसभा को संबोधित किया।

विरोधी दलों की बैठक में शामिल होंगे फारूक अब्दुल्ला व महबूबा मुफ्ती

पटना (ईएमएस)। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अगले सप्ताह आयोजित विरोधी दलों की बैठक में शामिल होंगे। यह बैठक केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधी दलों के साथ 23 जून को प्रस्तावित है। दोनों ही नेता बैठक में हिस्सा लेने के लिए अगले सप्ताह बिहार की राजधानी पटना आएंगे। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने यहां पार्टी के बिहार मुख्यालय में संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुए कहा कि कुल मिलाकर 18 दलों के नेता बैठक में भाग लेने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री

महबूबा मुफ्ती भी बैठक में आने के लिए सहमत हो गए हैं। इससे पहले ललन ने कहा था कि जिन नेताओं ने अपनी सहमति दी है, उनमें कांग्रेस से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा अरविंद केजरीवाल (आम आदमी पार्टी), ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस), एम के स्टालिन (द्रविड मुनेत्र कषगम), हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा), शरद पवार (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), अखिलेश यादव (समाजवादी पार्टी) और उद्धव ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) शामिल हैं। इस अवसर पर जदयू कार्यकताओं ने ह्यनीतीश फॉर पीएम कहकर अपना उत्साह व्यक्त किया लेकिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें याद दिलाया कि बिहार के मुख्यमंत्री, जो कि पार्टी के शीर्ष नेता हैं, ने बार-बार खुद को इस दौड़ से बाहर बताया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में उड्डयन क्षेत्र का किया लोकतंत्रीकरण : सिंधिया

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल की टिप्पणी को हास्यास्पद बताया है। सिंधिया ने वेणुगोपाल पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने उड्डयन क्षेत्र पर गलत जानकारी दी और जो क्षेत्र पहले अभिजात्य था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सही मायने में लोकतांत्रिक बना दिया गया है। वेणुगोपाल पर निशाना साधते हुए एक ट्वीट में सिंधिया ने कहा, पूर्व नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री के रूप में, यह बेहद चौंकाने वाला है कि केसी वेणुगोपाल ने उड्डयन क्षेत्र पर इस तरह की अविवेकपूर्ण और गलत जानकारी दी है। उदाहरण देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा, नहीं, भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। भले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था संघर्ष कर रही है, हमारी अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 में 6-6.5 प्रतिशत की विकास दर पर है। उन्होंने कहा, ऐसा कोई कारण नहीं है कि उड्डयन जैसे एक विनियमित क्षेत्र को सरकारी नियंत्रण में रखा जाना चाहिए, जिसके नतीजे अतीत में इस क्षेत्र की विकास क्षमता को कम करने के लिए जाने जाते हैं। सिंधिया ने कहा, रुट्स, जो पहले गोफर्स्ट द्वारा संचालित किया जाता था, पहले से ही अन्य एयरलाइनों को आवंटित किया गया है। साथ ही, आपने 2014 के बाद से इस क्षेत्र में हुई वृद्धि पर आंखें मूंदने का विकल्प चुना है। सिंधिया ने कहा कि यात्रियों की संख्या जो 2014 में 122 मिलियन थी, वर्तमान में 130 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 280 मिलियन हो गई है। उड़ान के तहत, हमने 475 रुट्स का संचालन किया है और 116.06 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने एयरलाइंस को एक निश्चित सीमा के तहत अपने किराए को स्व-विनियमित करने की सलाह दी है, इसका परिणाम यह है कि 6 जून 2023 से कीमतें कम हो गई हैं। हवाई अड्डों का वित्तीय कामकाज ऑपरेटर का निजी मामला है। मैं आपको फिर से अपडेट करना चाहता हूं कि ओडिशा की घटना के 24 घंटों के भीतर, नागर विमानन मंत्रालय द्वारा सभी एयरलाइनों को भुवनेश्वर से हवाई किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि की निगरानी के लिए एक परामर्श भेजा गया था। एक अलग उच्च स्तरीय बैठक में, एयरलाइनों को सलाह दी गई कि वे विशेष रूप से आपदा के समय हवाई टिकटों के मूल्य निर्धारण पर कड़ी निगरानी रखें। गौरतलब है कि वेणुगोपाल ने एक ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाले हवाई जहाज पर यात्रा कर सकते हैं। दिल्ली-मुंबई की उड़ान की कीमतें हर दिन 15,000 रुपये से अधिक पार कर रही हैं। उनके शब्द एक क्रूर मजाक की तरह लगते हैं। कांग्रेस ने कहा, आसमान छूते ये हवाई किराये मध्यम वर्ग के लिए कहर बरपा रहे हैं। एयरलाइनों को सरकार का पूर्ण मुफ्त पास और उसके बड़े पैमाने पर निजीकरण की होड़ आज की गंभीर स्थिति के लिए जिम्मेदार है।

प्रियंका ने जबलपुर से किया चुनाव अभियान का शंखनाद, मप्र को पांच गारंटी का वादा

जबलपुर, (हि.स.)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सूबे में कांग्रेस की सरकार बनने पर हम पुरानी पेंशन को लागू करेंगे। रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपये में दिया जाएगा। किसानों की जो कर्ज माफी कमल नाथ सरकार के समय प्रारंभ हुई थी, उसे पूर्ण किया जाएगा, यह मेरी गारंटी है। हमने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में भी जो गारंटी दी थी, उन्हें पूरा किया है। आपके साथ पिछले 18 साल से गलत हो रहा है। आपका शोषण हो रहा है। यहां धन-बल से जनादेश को कुचला जाता है। पिछली बार आपने हमारी सरकार बनाई थी लेकिन जोड़-तोड़ और पैसे से भाजपा हमारी सरकार तोड़ी और अपनी बना ली। प्रदेश में हमारे भी कुछ ऐसे नेता थे, जो सत्ता की वजह से कांग्रेस छोड़कर चले गए। प्रियंका सोमवार को जबलपुर के शहीद स्मारक मैदान में आम सभा को संबोधित कर रही थीं। दरअसल, कर्नाटक में जीत से उत्साहित कांग्रेस अब मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसी क्रम में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को जबलपुर पहुंचीं। उन्होंने यहां ग्वारीघाट पर 101 ब्राह्मणों के साथ मां नर्मदा की पूजा-आरती कर प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रचार अभियान का शंखनाद किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत मां नर्मदा के जयकारे से की। उन्होंने कहा कि हम किसी के जज्बात

और आस्था से खिलवाड़ करके राजनीति नहीं करते हैं। उन्होंने शिवराज सरकार पर आरोप लगाया कि यहां पर भ्रष्टाचार और रिश्वतवाद चल रहा है। इन्होंने महाकाल को नहीं छोड़ा। एक पुजारी ने मुझे वीडियो भेजा। हवा से मूर्तियां उड़ रही हैं। यहां 225 से ज्यादा घोटाले हो चुके हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा, जहां घोटाला न हुआ हो। यहां तो किसानों के मुआवजा वितरण तक में घोटाला हो गया। बेरोजगारी का आलम यह है कि तीन साल में मात्र 21 लोगों को ही रोजगार मिला है। जब यह बात मुझे पता चली तो मैंने अपने ऑफिस से पुनः परीक्षण करने के लिए कहा, क्योंकि मैं यह मानती हूं कि जो कुछ भी आपसे कहूं, वह गलत नहीं होना चाहिए। तीन बार जांच कराई, तब भी यही बात निकलकर आई कि केवल 21 व्यक्तियों को ही तीन साल में रोजगार मिला है। प्रियंका ने कहा कि यहां आज महाकौशल की पावन और क्रांतिकारी धरती पर खड़े होकर बहुत गर्व हो रहा है। इस धरती ने क्रांतिदूत पैदा किए हैं। हम उनका आशीर्वाद मांगते हैं। मध्य प्रदेश सिर्फ भारत का केंद्र नहीं, दिल और जान है। संस्कारधानी जबलपुर ने साहित्य, संस्कृति और संस्कार हमें दिए हैं। इसी पर हमारा संविधान बना। ये आधुनिक भारत इन्हीं संस्कारों के आधार पर आगे बढ़ा। उन्होंने कहा कि मैं आपसे वोट मांगने नहीं आई हूं, मैं आपसे जागरूकता मांगने आई हूं। मेरे परिवार के सदस्यों ने इस देश को बनाने के लिए खून दिया है। मैं जानती हूं कि निर्माण में कितना संघर्ष है। जानती हूं कि सत्ता भोगना कितना आसान है। जो मैं देख रही हूं, चाहती हूं आपको भी दिखे। यह हमारे प्रचार की शुरूआत है। आपके पास 6 महीने हैं। इन 6 महीनों में देखिए कांग्रेस की सरकारें अपने प्रदेश में क्या कर रही हैं। अपना वोट अपने लिए डालिए। उन्होंने मंच से नारी सम्मान योजना के आवेदन पत्र अपने हस्ताक्षर से महिलाओं को दिए। चुनाव के समय आपसे वादे किए जाते हैं, लेकिन जो वादा करता है, उसकी खुद की आस्था उसमें नहीं होती है। उनको पूरा करने की कोशिश नहीं होती। आज मैं संस्कारधानी की धरती पर खड़ी होकर आपको पुरानी राजनीति की याद दिलाना चाहती हूं। हमारे नेता जो कहते थे, वो करके दिखाते थे। सबकुछ न्योछावर करके आपके लिए दिन-रात एक करते थे। अब घोषणाएं की जाती हैं। पूरा नहीं किया जाता। उन्होंने इस मौके पर मतदाताओं को पांच गारंटी दी। उन्होंने कहा कि आज मैं कुछ गारंटी दे रही हूं। वे गारंटी जो हम शत-प्रतिशत पूरा करेंगे। यह मेरा वादा है। यही वादा हमने कर्नाटक में किया। वहां की सरकार ने आते ही बिल पास कर दिया। हर महीने महिलाओं को 1500 रुपये दिए जाएंगे। गैस सिलेंडर 500 रुपये का मिलेगा। 100 यूनिट बिजली फ्री और 200 यूनिट हाफ होगी। मध्य प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू करेंगे। किसान कर्जमाफी का काम पूरा करेंगे।

कांवड़ यात्रा और ईद-उल-अजहा को लेकर सतर्क पुलिस-प्रशासन

मेरठ, (हि.स.)। श्रावण माह की कांवड़ यात्रा और ईद-उल-अजहा को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। सोमवार को पुलिस लाइन में जिलाधिकारी और एसएसपी ने धर्मगुरु एवं कांवड़ संघों के साथ बैठक की। त्योहारों के दौरान अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। रिजर्व पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हॉल में सोमवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण की उपस्थिति में श्रावण कांवड़ यात्रा व ईद-उल-अजहा को लेकर बैठक हुई। बैठक में मौजूद लोगों ने त्योहारों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। लोगों ने जनपद में विद्युत व्यवस्था, सड़क, साफ-सफाई, पेयजल, ट्रैफिक व्यवस्था, जलभराव से संबंधित समस्याओं को उठाया तो

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि स्थानीय स्तर पर सामाजिक सदभाव बढ़ाने, प्रत्येक व्यक्ति, धर्म, संप्रदाय, त्योहार आदि का सम्मान करने, आपसी सहयोग एवं समन्वय बढ़ाने पर ध्यान दिया जाए। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए। सभी अधिकारी अपने दायित्व का ईमानदारी के साथ निर्वाह करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने कहा कि असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी जाए। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगाह रखी जाए। ईद-उल-अजहा के दिन खुले में कुबार्नी न करें तथा अवशेष को खुले में न फेंके। कांवड़ शिविर सड़क से अंदर की ओर लगाए जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर दिवाकर सिंह, एसपी ट्रैफिक जितेन्द्र श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

रेलवे इम्प्लाइज मल्टी स्टेट सोसायटी चुनाव के वैधता की चुनौती याचिका खारिज

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नार्थ ईस्टर्न एण्ड ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज मल्टी स्टेट प्राइमरी कोआपरेटिव बैंक लि गोरखपुर के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा 18 फरवरी 20 व 19 फरवरी 20 को हुए चुनाव की मियाद के भीतर चुनौती न देने के कारण चुनाव अंतिम हो गया। 90 दिन के भीतर चुनौती दी जानी चाहिए थी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम सी त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने बृजेश कुमार सिंह व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका में मल्टी स्टेट सोसायटी का चुनाव

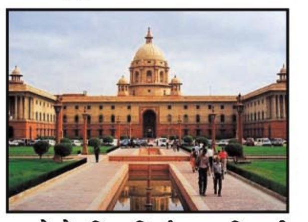

कराने के लिए निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति करने का सेंट्रल रजिस्ट्रार को समादेश जारी करने की मांग की गई थी। सोसायटी की आम सभा 11 विभागों के डेलिगेट के चुनाव से गठित होती है। 50 हजार डेलिगेट उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश व बिहार राज्य से चुने जाते हैं, जो बोर्ड आफ डायरेक्टर का चुनाव करते हैं और बोर्ड अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव करता है। लंबी प्रक्रिया के बाद चुनाव सम्पन्न हुआ है। मालूम हो कि 31 जुलाई 15 में हुए चुनाव में याची अध्यक्ष चुना गया। 2017 में उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। पांच साल बाद पुनः चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई। 25 अक्टूबर 19 को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया और 18 व 19 फरवरी 20 को चुनाव सम्पन्न हुआ। रिपोर्ट सेंट्रल रजिस्ट्रार को भेजी गई। इससे पहले याचिका में सहकारी बैंक में अनियमितता की जांच कराने की मांग की गई थी। कोर्ट ने सेंट्रल रजिस्ट्रार को शिकायत तय करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा चुनाव सम्पन्न हो गया समय के भीतर चुनौती नहीं दी गई। ऐसे में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

सारे रिकार्ड तोड़ चुकी है बिजली की मांग, फिर व्यवस्था में नहीं आया व्यवधान

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश में बढ़ती गर्मी के साथ ही बिजली की मांग भी लगातार बढ़ रही हैं। आजादी के बाद से प्रदेश में सबसे ज्यादा पिछले वर्ष 26589 मेगावाट बिजली की मांग का भी रिकार्ड तोड़ते हुए 10 जून को 26672 मेगावाट तक पहुंच गया। इसे अभी अभी 28 हजार मेगावाट के पार चले जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में पुराने ट्रांसफार्मर और रिपेयरिंग के काम में गड़बड़ी भी सामने आ रही हैं, जिससे आये दिन ट्रांसफार्मर जलने की समस्या पूरे प्रदेश में देखने को मिल रही हैं। जानकारों का कहना है कि ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग करने की भी एक सीमा होती है। पचास प्रतिशत से ज्यादा ट्रांसफार्मर उस सीमा को पार कर गये हैं। ऐसे में उन्हें रिपेयरिंग कराने के बावजूद वे सही से नहीं चल पाते हैं और कम समय में ही फूंक जाते हैं। इस कारण

लोकल फाल्ट की भी समस्या आ रही है। जो भी ट्रांसफार्मर अपने जीवन को पूरा कर चुके हैं, उन्हें जल्द बदलने की जरूरत है। उनको बदलने के बाद ही जल्द ट्रांसफार्मर जलने की समस्या से निजात मिल सकती है। उत्तर प्रदेश पॉवर ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पहले तो अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जो अधिकतम बिजली की मांग के बावजूद सप्लाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में समर्थ हुए। यह उनके अथक परिश्रम का ही परिणाम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिजली व्यवस्था में कोई परेशानी न हो, इसके लिए शासन स्तर से अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर पर रोक लगानी चाहिए। इससे व्यवस्था में व्यवधान आ सकता है। वर्तमान में पावर ऑफिसर ऑफिसर एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने जल रहे वितरण ट्रांसफार्मर पर भी विचार विमर्श किया। इसका एक मुख्य कारण यह सामने आया कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में वर्कशॉप में रिपेयरिंग के बाद जो ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। उनकी क्वालिटी उच्च गुणवत्ता की नहीं है। ऐसे में ऐसे ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर उन्हें सिस्टम से बाहर करना पड़ेगा और उसके स्थान पर नए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करना पड़ेगा। इससे विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और आर्थिक नुकसान से भी बचत होगी।

कोडरमा तक पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन सफल, एक बजे पहुंचेगी रांची

कोडरमा, (हि.स.)। पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन का कोडरमा और बरकाकाना तक ट्रायल रन सफल रहा। आज यह ट्रेन पूर्वाह्न 9:25 बजे कोडरमा पहुंची। यहां से पांच मिनट बाद हजारीबाग के लिए रवाना हो गई। हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा कोडरमा जंक्शन स्टेशन से ट्रेन पर सवार होकर हजारीबाग के लिए रवाना हुए। इसी महीने इसका परिचालन शुरू होने की संभावना है। नियमित तौर पर यह ट्रेन पटना जंक्शन से सुबह 6.55 बजे चलेगी और 8:20 बजे गया पहुंचेगी। यहां से 10 मिनट बाद प्रस्थान कर दोपहर एक बजे रांची पहुंचेगी। वापसी में रांची से पटना के लिए यह ट्रेन दो बजकर 20 मिनटर पर चलेगी। शाम सात बजे गया पहुंचेगी। गया से 10 मिनट

बाद रवाना होकर रात आठ बजकर 25 मिनट पर पटना पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में इसका परिचालन जहानाबाद, गया, बरकाकाना, कोडरमा, हजारीबाग टाउन और मेसरा के बीच किया जाएगा। इसका परिचालन तीव्र गति से किया जा रहा है। इसलिए रेलवे प्रशासन ने अपील की है कि आम लोग रेलवे ट्रैक से उचित दूरी बनाकर रखें साथ ही मवेशियों को भी दूर रखें। यह हाई स्पीड ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी।

रोजगार के नाम पर बिहार के लोगों को बरगलाते हैं नीतीश कुमार : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर रोजगार के नाम पर लोगों को बरगलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू कहते हैं कि समुद्र नहीं है इसलिए बिहार में निवेश नहीं हो रहा है। हम कहते है कि टीसीएस-इंफोसिस को समुद्र की क्या जरूरत। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार शिक्षा का केंद्र बन सकता है, बिहार स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र, पर्यटन का केंद्र बन सकता, बिहार में टेक्नोलॉजी की जॉब आ सकती है। आज लोग बताते हैं कि बिहार में उद्योग इसलिए नहीं लग रहा है, क्योंकि इस राज्य में खनिज नहीं है। आज देश में टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियां लाखों लोगों को जॉब देती हैं। टीसीएस और इंफोसिस को खनिज नहीं चाहिए, तो

क्या हम बिहार में ऐसी आईटी कंपनियों को उद्योग लगाने के लिए नहीं बुला सकते। प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पढ़े-लिखे आदमी होकर कभी-कभी हंसने वाली बात करते हैं। बोलते हैं यहां समुद्र नहीं है। कोई मुझे बताए कि अगर पटना में सॉफ्टवेयर पार्क खोलते हैं, तो इस्के लिए समुद्र का क्या लेना-देना। तेलंगाना में समुद्र नहीं है, लेकिन आज वहां कर्नाटक के बाद देश में दूसरे स्थान पर सबसे ज्यादा आईटी पार्क खुल रहे हैं। पंजाब और हरियाणा में भी समुद्र नहीं हैं पर इसके अलावा वहां के लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को बरगलाने के लिए हर दो साल बाद कुछ न कुछ बोल देते हैं। नीतीश कुमार जब पहले लालू के विरोध में थे तब कहा करते थे कि झारखंड का बंटवारा हो गया तो बिहार में केवल लालू-आलू-बालू बचा है इसलिए उद्योग नहीं लग रहा है। नीतीश कुमार इसके बाद कहे कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल रहा इसलिए उद्योग नहीं लग रहा है। आज कल कहने लगे कि समुद्र नहीं है इसलिए उद्योग नहीं लग रहा है। बीते 17 सालों में ये अब तक तय ही नहीं कर पाए कि किन कारणों से बिहार में उद्योगों की स्थापना नहीं हो सकी।

प्रतापगढ़ के किसानों ने आंवले की मिठास को देश व दुनिया तक पहुंचाया : मुख्यमंत्री

-प्रतापगढ़ में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी ने 2250 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना का किया शिलान्यास

प्रतापगढ़, (हि.स.)। प्रतापगढ़ के बनवीरकांछ पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत करते हुए मां वेल्हा देवी के चरणों में अपना प्रणाम किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने प्रतापगढ़ में 2250 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतापगढ़ के किसानों ने आंवले की मिठास को देश व दुनिया तक पहुंचाया है। आंवला प्रधानमंत्री के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। प्रतापगढ़ से अयोध्या तक फोर लेन की सड़क होगी। प्रयागराज से प्रतापगढ़ और चित्रकूट सीधे जुड़ेगा। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त में नौ वर्षों में जो कार्य हुआ है, वह पहले कभी नहीं हुआ था। भारत आज दुनिया में सबसे बडी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। प्रतापगढ़ के पास आज अपना मेडिकल कॉलेज है। प्रतापगढ़ में आज सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज विकास की लहर चल रही है। उत्तर प्रदेश में 54 लाख गरीबों को रहने के लिए

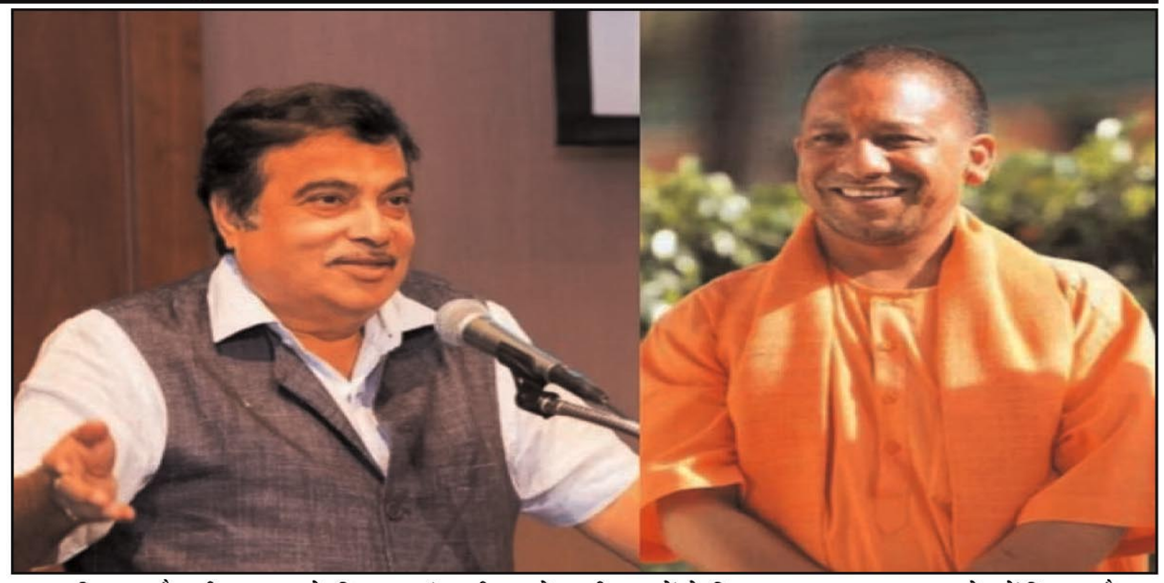

आवास दिया गया है। गरीब कल्याण के लिए देश की और सुरक्षा के लिए जो कार्य किए गए हैं, बहुत ही महत्वपूर्ण है। अब काशी में जाम नहीं लगता। चारों तरफ फोर लेन सड़कों का जाल बिछा है। गंगा की धारा अविरल और निर्मल है। आज काशी जगमगा रही है जिसकी प्रशंसा जी-20 के सभी सदस्यों ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का नया भारत है। मोदी के नेतृत्व में आज देश विकसित हो रहा है। आज प्रतापगढ़ में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी योजनाओं का शिलान्यास कर रहे हैं। आज कानून व्यवथा पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। आज उत्तर प्रदेश में विकास और सुरक्षा का माहौल है। प्रदेश में दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है। नगर निकाय चुनाव में जीत से ट्रिपल इंजन की सरकार विकास का कार्य करेगी।सभी योजनाएं समय से पूरी होंगी।

गोदाम में भीषण आग से करोड़ों का सामान जला

मेरठ, (हि.स.)। टीपीनगर थाना क्षेत्र के बागपत रोड स्थित वेयर हाउस में सोमवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर करोड़ों का बाल पुष्टाहार जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों को आग बुझाने में सात घंटे लग गए। बागपत रोड पर मेट्रो मॉल के सामने वेयर हाउस में बाल पुष्टाहार का गोदाम बना हुआ है। यहां से आंगनबाड़ी केंद्रों पर दाल दलिया और तेल वितरण किया जाता है। उसके बराबर में ही दो बीयर के गोदाम है। सोमवार की सुबह बाल पुष्टाहार के गोदाम से धुआं निकलता दिखाई दिया तो सुरक्षा गार्डों ने मैनेजर कपिल को इसकी सूचना दी। मैनेजर ने मौके पर आकर दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दी। दमकल की गाड़ियों के पहुंचने तक बीयर के दोनों गोदामों में भी आग फैल गई। भयंकर आग फैलने पर दमकल विभाग की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची। इन गाड़ियों को आग पर काबू पाने में लगभग सात घंटे लग गए। आग से करोड़ों रुपए का सामान जल गया।

बाल पुष्टाहार वेयर हाउस के संचालक दीप डोगरा के अनुसार, वेयर हाउस से मेरठ जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर दाल, दलिया और तेल की आपूर्ति की जाती थी। गोदाम के अंदर सामान से भरा कंटेनर भी जल गया। टीपीनगर थाना प्रभारी संतशरण ने बताया कि आग से बाल पुष्टाहार और बीयर का गोदाम भी जल गया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली का हवा-पानी खराब, बच्चों को पानी के लिए लगानी पड़ रही है लाईन : मनोज तिवारी

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के सांसद और भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी सोमवार को राजधानी लखनऊ की जनता के बीच पहुंचे। उन्होंने बोटैनिकल गार्डन पहुंचकर मार्निंग संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली का हवा-पानी खराब हो गया है और बच्चों को पानी के लिए लाईन लगानी पड़ रही है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री की उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाने के महाजनसम्पर्क अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मार्निंग संवाद कार्यक्रम के दौरान सांसद मनोज तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए जहां केन्द्र सरकार के नौ सालों के विकास कार्यों को गिनाया तो वहीं दिल्ली की बदली इन दिनों फिजा पर हमला बोला। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। उन्होंने सपा अध्यक्ष के असुर वाले बयान पर कहा

कि अगर आज कोई सबसे ज्यादा खराब प्रांत है तो वो दिल्ली है। दिल्ली की हवा और पानी खराब है। बच्चों को पानी के लिए लाइन लगानी पड़ती है। वहां की स्थिति ठीक नहीं है। इस दौरान अपने भोजपुरिया अंदाज में उन्होंने पार्क टहलने आए लोगों के बीच बातचीत की।

एक जनप्रतिनिधि से ज्यादा लोगों ने उन्हें एक कलाकार को अपने करीब पाकर उनके अंदाज में ही फरमाईश कर दी। फिर क्या था कि सांसद मनोज तिवारी भी लखनऊ वासियों की ख्वाहिश को पूरा अपने ही फिल्मी किरदार की तरह पूरा करते दिखें। उन्होंने भोजपुरी में भक्त में रमां गीत सुना दिया। माता पिता की सेवा कीजिए भगवान की तरह और भक्ति करनी हो तो कीजिए हनुमान की तरह...। उनके इस अलहदा अंजाद ने वहां उपस्थित लोगों में पल भर में ही समां बांध दिया और गीत को सुनकर उपस्थित लोग तालियां बजाने पर विवश हो गए। इस दौरान उन्होंने शर्मा टी स्टॉल पर चाय पी और मक्खन-ब्रेड का भी स्वाद लिया। लोगों के बीच प्रधानमंत्री द्वारा किए जा रहे जनहित के विकास कार्यों पर भी चर्चा की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सांसद मनोज तिवारी के यहां पहुंचने पर फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और सेल्फी भी ली।

झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन के परिसर में किया गया पौधरोपण

रांची, (हि.स.)। रांची के धुर्वा स्थित झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन में सोमवार को कामकाज शुरू हो गया। पहले कामकाजी दिन को यादगार बनाने के मकसद से नया भवन परिसर में चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र समेत अन्य प्रबुद्ध लोगों ने पौधरोपण किया। हाई कोर्ट के नए भवन में सुबह 9:30 बजे पौधरोपण का कार्यक्रम हुआ। मौके पर चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने कहा कि आज का दिन काफी शुभ है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मावकाश के तीन सप्ताह में हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार सहित कर्मियों ने छुट्टी नहीं ली, ताकि शिफ्टिंग का काम पूरा हो सके। अब शिफ्टिंग का काम पूरा हो गया है। आज से हाई कोर्ट अपने नए भवन

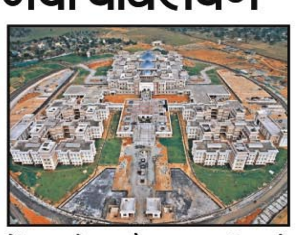

में शुरू हो रहा है। इस शुभ दिन को यादगार बनाए रखने के लिए हम लोगों ने पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया है। पौधरोपण कार्यक्रम में हाई कोर्ट के सभी जज, रजिस्ट्रार जनरल, महाधिवक्ता राजीव रंजन, एडवोकेट एसोसिएशन झारखंड हाई कोर्ट के प्रेसिडेंट ऋतु कुमार और स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण, एसोसिएशन के धीरज कुमार आदि उपस्थित थे।

भ्रष्टाचारी झामुमो जब चुनाव में जायेगी तब उनसे लोग मांगेंगे हिसाब : राम शिंदे

रांची, (हि.स.)। रांची पहुंचे महाराष्ट्र विधानपरिषद के सदस्य राम शिंदे ने झारखंड की हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचारी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी कलम से अपने, पत्नी और भाई के नाम जमीन और माइंस आवंटित की। उनके प्रधान सचिव राजीव अरूण एक्का पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में जब झामुमो जनता के बीच जायेगी, तब लोग उनसे हिसाब करेंगे। राम शिंदे ने सोमवार को रांची में विधायक नवीन जायसवाल के आवास पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने पर भाजपा की ओर चलाये जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के तहत मोदी सरकार की उपलब्धियां और हेमंत सरकार की नाकामियां गिनायीं। शिंदे ने कहा कि झारखंड सरकार काम नहीं कर रही है। जब से यह सरकार सत्ता में आयी है, राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ और लव जिहाद के मामले बढ़े हैं। धर्मांतरण के मामलों में वृद्धि हुई है। सरकार तुष्टिकरण की नीति के तहत इन्हें बढ़ावा दे रही है।

इस सरकार की नीति और नीयत दोनों ठीक नहीं है। हेमंत सोरेन की सरकार ने स्थानीय और नियोजन नीति के नाम पर युवाओं को धोखा दिया। महिलाओं और किसानों के लिए रघुवर सरकार के समय बनी योजनाओं को बंद कर दिया। केंद्र सरकार की ओर से चलायी जा रही योजनाओं को भी झारखंड में लटका रहे हैं। मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए राम शिंदे ने कहा कि सरकार ने अपने कार्यकाल में नौ आईआईएम खोले। 225 मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई। 71,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। 9300 जन औषधि केंद्र खोले गये। 5.65 करोड़ से ज्यादा लाभुकों को मिशन इंद्रधनुष का फायदा मिला। 2.97 करोड़ लोगों को वंदे भारत मिशन के तहत विदेशों से भारत वापसी हुई।

नेशनल हाइवे बनाने में 208 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पहले 12 किमी सड़क प्रतिदिन बनती थी। अब 37 किमी प्रतिदिन बन रही हैं। पहले 74 हवाई अड्डे थे। मोदी सरकार ने 74 नये हवाई अड्डे बनवाये। उत्तर पूर्वी राज्यों में उग्रवादी घटनाओं में 76 फीसदी की कमी हुई।

केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीति के खिलाफ महागठबंधन का धरना 15 जून को

अररिया, (हि.स.)। केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 15 जून को बिहार के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर महागठबंधन द्वारा एक दिवसीय धरना कार्यक्रम को लेकर महागठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक सोमवार को हुई।अररिया अतिथि परिसदन में हुए बैठक में जदयू,राजद,कांग्रेस के साथ वामपंथी दलों के नेताओं ने भाग लिया और आयोजित धरना प्रदर्शन की सफलता को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में शामिल राजद जिलाध्यक्ष मनीष यादव और जदयू जिलाध्यक्ष आशीष पटेल ने बताया कि केंद्र सरकार बिहार सरकार के साथ दोहरा रवैया अपना रहा है। बताया कि धरना प्रदर्शन जाति आधारित जनगणना कराने, महंगाई एवं बेरोजगारी पर रोक लगाने, संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध, किसानों की आय दोगुनी करने, उन्माद की राजनीति पर रोक लगाने, दलित गरीबों की आवास एवं खाद्यान्न योजना को बंद करने की साज़िश को बेनकाब करने एवं बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर पूरे बिहार के सभी प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन होगा।अररिया जिला के नौ प्रखंड में भी यह धरना प्रदर्शन होगा,जिसमे महागठबंधन में शामिल दलों के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

किसानों को बीज वितरण में नहीं होनी चाहिए अनियमितता : जिलाधिकारी

बेतिया, (हि.स)। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ को लेकर कृषि विभाग अपनी सभी तैयारी ससमय कर लें ताकि विषम परिस्थिति में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन कृतसंकल्पित है। कृषि विभाग द्वारा कृषकों को मिलने वाली सभी सुविधाएं उन्हें हर हाल में मिलनी चाहिए। जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कृषकों को उर्वरक निर्धारित मूल्य एवं मात्रा में आसानी से सुलभ हो, इसे सुनिश्चित किया जाय। नियमित रूप से उर्वरक दुकानों/प्रतिष्ठानों का भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित किया जाय। भौतिक सत्यापन के दौरान गड़बड़ी मिलने पर संबंधित उर्वरक दुकान के विरूद्ध नियमानुकूल

कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि बीज वितरण में किसी भी सूरत में अनियमितता नहीं होनी चाहिए।

कृषकों को ससमय बीज उपलब्ध हो, इस हेतु कृषि विभाग अपनी समुचित व्यवस्था करें। बीज वितरण में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं हो, इसे सुनिश्चित किया जाय। जिला कृषि पदाधिकारी प्रणव प्रवीण द्वारा बताया गया कि संभावित सुखाड़ को देखते हुए जिले से आकस्मिक फसल योजना अंतर्गत बीज का आकलन का मुख्यालय भेजा जा चुका है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि पुनः आकस्मिक फसल योजना की समीक्षा स्वयं जिला कृषि पदाधिकारी करेंगे। उन्होंने नहरों में सिंचाई का जल निर्बाध रूप से बनाये रखने का निर्देश नहर प्रमंडल के अभियंताओं को दिया। जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक में खरीफ बीज वितरण, गरमा बीज, उर्वरक की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना में ई-केवाईसी एवं एनपीसीआई मैपिंग कार्य की भी समीक्षा की गयी।

संपादकीय

साझी विरासत का सफर

क्षेत्रीय राजनीति की बाहों में फिर कहीं पंजाब पुनर्गठन की लकीरें और दूर कहीं भारत के संघीय ढांचे में रूठने का सबब। इधर हिमाचल ओपीएस कंट्रीब्यूशन के 9 हजार करोड़ मांग रहा है, तो उधर पंजाब रूरल डिवेल्पमेंट फंड और नेशनल हैल्थ मिशन की अपनी हिस्सेदारी न मिलने पर आंसू बहा रहा है। हरियाणा को पंजाब के मार्फत हिस्से का पानी नहीं पहुंचा तो हिमाचल के पंखों को खुलने से पहले केंद्र आंतरिक लोन और बाहरी फंडिंग से रोक रहा है। दिल्ली से हिमाचल तक देश यूं तो सियासी तौर पर हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ को देखता रहा है, लेकिन इन राज्यों में साझी विरासत को नजरअंदाज करके हमने आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक विषमताएं पैदा कर ली हैं। ऐसा विवेचन तो हुआ कि पंजाब पुनर्गठन ने पंजाब, हरियाणा और पंजाब के पर्वतीय इलाकों के मिलन से हिमाचल को एक दूसरे के खिलाफ कितना प्रतिस्पर्धी बनाया, लेकिन इसके असंतोष की लहरें और आर्थिक समाधानों की बाहें हमने तोड़ डालीं। बात-बात पर पंजाब का हरियाणा या हिमाचल से टकराना बेशक राजनीतिक पल्लेदारी तो बढ़ाता रहा, मगर इन राज्यों ने खुद को एक दूसरे के करीब रेखांकित नहीं किया। अलबत्ता केंद्र की चौधराहट ने विफलताओं के समुद्र में इन तीनों राज्यों को बारी-बारी और अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में डुबोया। अगर एक साथ चलते तो खेत से बागीचे तक, कनेक्टिविटी से पर्यटन तक और आपसी सहयोग से नागरिक समाज को खुशहाली तक आर्थिक गतिविधियां बढ़ाते हुए रोजगार को एक मुकाम तक पहुंचा पाते। इस दौरान गुडग़ांव ने देश की राजधानी के स्पर्श में, लुधियाना ने औद्योगिक विकास के संघर्ष में तथा बीबीएन ने फार्मा हब होने के दस्तूर में भले ही मुकाम पाया, लेकिन क्या ऐसे अनेक केंद्र इस भू भाग की रोजगार आभा नहीं बढ़ा पाते। दरअसल पंजाब पुनर्गठन अपने इतिहास में ऐसा भूगोल पैदा करने की वजह जरूर बन गया जिसने समाज की संरचना को सियासी पैदावार में तबदील कर दिया। इस दौरान सत्ता हरियाणा, पंजाब या हिमाचल की रही हों, इसके क्षेत्रफल में पनपते क्षेत्रवाद ने जाति, धर्म और पुनर्गठन के मर्म तक को बदल दिया। हर भूखंड में सत्ता का एक न एक वर्ग हावी हो गया और अंततः क्षेत्रीय तरक्की दासी बनकर केंद्र के चरणों में पड़ी रही। पी एल एफ एस के अनुसार (2021-22) हरियाणा की बेरोजगारी दर 9.3 प्रतिशत आंकी गई है, जो बता रही है कि इस राज्य में कितनी फिसलन है। पंजाब राज्य में पिछले 15 साल में ऋण 2.21 लाख करोड़ बढ़ गया है, जबकि हिमाचल करीब 76 हजार करोड़ के कर्ज में हाथ पांव मार रहा है और उधर केंद्र की वित्तीय नाकेबंदी ने उधार लेना या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से फंडिंग करवाने के लिए भी बंदिशें लगा दी हैं। हिमाचल की विडंबना यह रही कि इसने पंजाब पुनर्गठन से मिले इलाकों को केवल सियासी प्रतिस्पर्धा में ही देखा और एक ऐसी राजनीति पैदा की गई जो ऊपरी और निचले या पुराने व नए हिमाचल के भेदभाव में अपराध के बोध से ग्रस्त रही। हैरानी यह कि हिमाचल ने पंजाब के पर्वतीय क्षेत्रों के कारण मिली 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी में न अपने अधिकार देखे और न ही इसके एवज में संपन्नता को छुआ। कायदे से चंडीगढ़ में हिमाचल ने इसी दर में हिस्सेदारी सुनिश्चित की होती, तो बराबरी और भविष्य के पैगाम बदल जाते। ऐसे में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल को खुद में टुकड़े देखने के बजाय लौटकर साझी विरासत के तहत अपने आर्थिक लक्ष्यों में मेलजोल की आर्थिकी खोजनी होगी। मसलन अगर चंडीगढ़ में हरियाणा, पंजाब व हिमाचल के नाम से तीन विशेष आर्थिक जोन आबंटित करके इन्हें आपसी सहयोग के आर्थिक मंच का स्वरूप दें, तो न केवल इन राज्यों के बीच सेतु, स्थापित होंगे, बल्कि राजधानी और केंद्रीय प्रबंधन के तहत विकसित हुए इस भूखंड में गतिविधियां भी बढ़ेंगी। हिमाचल अपने कई केंद्रीय कार्यालय चंडीगढ़ में स्थापित कर सकता है। या केंद्र के क्षेत्रीय कार्यालयों में खुद को स्थापित कर सकता है। चंडीगढ़ से हरियाणा, पंजाब और हिमाचल संबोधित होते हैं, तो पर्यटन, क्षेत्रीय परियोजनाएं, संपर्क मार्ग, कनेक्टिविटी तथा क्षेत्रीय हवाई सेवाओं के साथ-साथ इस केंद्रीय शासित प्रदेश में होने की तहजीब फिर से राष्ट्रीय संभावनाओं का शिष्टाचार बन सकती है।

हरियाणा को पंजाब के मार्फत हिस्से का पानी नहीं पहुंचा तो हिमाचल के पंखों को खुलने से पहले केंद्र आंतरिक लोन और बाहरी फंडिंग से रोक रहा है। दिल्ली से हिमाचल तक देश यूं तो सियासी तौर पर हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ को देखता रहा है, लेकिन इन राज्यों में साझी विरासत को नजरअंदाज करके हमने आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक विषमताएं पैदा कर ली हैं। ऐसा विवेचन तो हुआ कि पंजाब पुनर्गठन ने पंजाब, हरियाणा और पंजाब के पर्वतीय इलाकों के मिलन से हिमाचल को एक दूसरे के खिलाफ कितना प्रतिस्पर्धी बनाया, लेकिन इसके असंतोष की लहरें और आर्थिक समाधानों की बाहें हमने तोड़ डालीं।

कुछ अलग

एक सौ लड़कियों का यौन शोषण

यदि भारतीय कुश्ती संघ में फिजियोथेरेपिस्ट रहे परमजीत मलिक के खुलासे पर भरोसा किया जाए और दिल्ली पुलिस उन्हें चश्मदीद गवाह के तौर पर समन कर उनके बयान दर्ज करे, तो पहलवानों के यौन-शोषण केस में तूफान मच सकता है। फिजियो के खुलासों का सारांश है कि कुश्ती संघ और कैंपों के भीतर 100 से ज्यादा महिला पहलवानों का यौन-शोषण किया गया। उन्हें इस काम के लिए विवश किया गया। रात के अंधेरे में वे वाहन लड़कियों को लाने के लिए भेजे जाते थे, जो कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष एवं भाजपा के बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह की सुरक्षा में तैनात किए गए थे। फिजियो का दावा है कि कई महिला पहलवानों ने उनसे अपना दुखड़ा रोया। वे किसी भी सूरत में कुश्ती नहीं छोडऩा चाहती थीं, क्योंकि उन्होंने चैम्पियनशिप का पर्याप्त प्रशिक्षण ग्रहण कर लिया था। फिजियो ने तत्कालीन कोच कुलदीप मलिक और सेन से भी उस 'नरक' का कई बार उल्लेख किया था। अंततः कुश्ती संघ से फिजियो की ही छुट्टी कर दी गई। एक और चश्मदीद साक्ष्य हैं-जगबीर सिंह। वह कुश्ती के कई मुकाबलों में अंतरराष्ट्रीय रेफरी थे। उन्होंने थाईलैंड के फुकेट आईलैंड के एक प्रसंग का खुलासा किया है, जब बृजभूषण ने फोटो सेशन के दौरान ही एक महिला पहलवान को आपत्तिजनक रूप से छुआ था और लडक़ी को अपनी अस्मत बचाने को वहां से भागना पड़ा था। विदेश में बृजभूषण ने भारतीय भोजन की व्यवस्था कराई थी और सभी खिलाडिय़ों, कोच, रेफरी और कुश्ती संघ के मौजूद अधिकारियों आदि को न्योता दिया गया था। उस दौरान बृजभूषण शरण सिंह और अन्य ने खूब शराब पी और महिला पहलवानों पर फब्तियां भी कसीं। उन्हें गलत जगह छुआ भी गया। पुलिस ने रेफरी से बात कर बयान भी लिए हैं। कुश्ती के दोनों ओहदेदारों ने आंखों देखी करतूतों का सार्वजनिक खुलासा भी किया है। हरियाणा के सोनीपत में 10 जून को जो खाप पंचायत बुलाई गई थी, जगबीर तो उसमें भी मौजूद थे और उन्होंने कुश्ती के 'भेडिय़ों' का भंडाफोड़ जरूर किया होगा। दरअसल यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कुश्ती संघ की 'काली-भद्दी हरकतों' का ब्यौरा बयां कर रहा है। यदि देश की राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद अंतरराष्ट्रीय परिषद को यौन-शोषण, उत्पीडऩ की शिकायत कर दे, तो बृजभूषण को खेल के संघों और दुनिया से उम्र भर के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य पक्ष ऐसी गंभीरता और फजीहत को लेकर चिंतित क्यों नहीं हैं? यह मामला बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट आदि विख्यात पहलवानों का नहीं है। वे तो दुनिया में भारत और कुश्ती का परचम लहरा चुके हैं। यदि यहीं उनके करियर पर विराम लग जाता है, तो उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन एक ही खेल-संघ के भीतर 100 से ज्यादा महिला पहलवानों का यौन-शोषण... ! यकीनन यह एक गंभीर अपराध है। कुश्ती का खेल प्रभावित हो सकता है ! भारत के खेलों पर लैंगिक उत्पीडऩ का धब्बा लगाया जा सकता है। एक सरकार के तौर पर, सिर्फ अपने सांसद को बचाने के मद्देनजर, आंखें कब तक मूंदे रखोगे ? कुछ गलत अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। साक्ष्यों से खिलवाड़ किया जा रहा है। ये भी अद्र्धसत्य हैं। यदि पॉक्सो कानून में प्राथमिकी दर्ज की गई है, तो उसे निरस्त करने का अधिकार सिर्फ उच्च न्यायालय को ही है। पुलिस या बाहुबली आरोपित इस संदर्भ में कुछ नहीं कर सकते। नाबालिग पहलवान ने धारा 164 के तहत न्यायाधीश के सामने जो बयान दर्ज कराया है और फिर दूसरा बयान दिया है, तो यह भी न्यायाधीश के विवेक पर है कि वह कौन-सा बयान स्वीकार करते हैं। बहरहाल सवाल यह है कि क्या यौन-अपराधों पर देश में इंसाफ नहीं मिलेगा ?

दुनिया के विभिन्न देशों के साथ शीघ्रतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा

चुनौतियों के बीच भी बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

डा. जयंतीलाल भंडारी

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है। हाल ही में एक जून को प्रकाशित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अहम आंकड़ों ने वैश्विक आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का जोरदार संकेत देते हुए विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। गौरतलब है कि पिछले माह मई 2023 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), यात्री वाहनों की बिक्री और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये हुए लेनदेन में प्रभावी वृद्धि पाई गई है। यदि हम आंकड़ों की और देखें तो पाते हैं कि मई 2023 में जीएसटी संग्रह मई, 2022 के मुकाबले 12 फीसदी बढक़र 1.57 लाख करोड़ रुपये रहा।

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इस वित्त वर्ष 2023-24 में दुनिया में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की विकास दर तेजी से बढ़ेगी और दुनिया में सर्वाधिक होगी। ज्ञातव्य है कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है। हाल ही में एक जून को प्रकाशित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अहम आंकड़ों ने वैश्विक आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का जोरदार संकेत देते हुए विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। गौरतलब है कि पिछले माह मई 2023 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), यात्री वाहनों की बिक्री और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये हुए लेनदेन में प्रभावी वृद्धि पाई गई है। यदि हम आंकड़ों की और देखें तो पाते हैं कि मई 2023 में जीएसटी संग्रह मई, 2022 के मुकाबले 12 फीसदी बढक़र 1.57 लाख करोड़ रुपये रहा। उत्पादन में तेजी के कारण मई में पीएमआई 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। मई 2023 में यात्री वाहन उद्योग भी तेजी से आगे बढ़ा। यात्री वाहनों की बिक्री भी मई 2022 के मुकाबले 13.5 फीसदी बढक़र 334802 इकाई हो गई। इसी तरह मई में यूपीआई लेन-देन ने भी रिकॉर्ड बना दिया। इस महीने में 14.3 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन हुए। मई 2023 में कुल 941 करोड़ यूपीआई लेन-देन थे, जो मई 2022 से 6 फीसदी अधिक रहे। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी और आर्थिक वृद्धि के अनुमान बढ़ गए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में प्रकाशित उत्साहवद्र्धक आर्थिक आंकड़ों से देश की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग भी बढ़ेगी। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि विभिन्न वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अनुकूल क्रेडिट रेटिंग का परिदृश्य है। 18 मई को दुनिया की प्रमुख अमेरिका की एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की सॉवरिन रेटिंग स्थिर परिदृश्य के साथ दीर्घावधि के लिए 'बीबीबी.' और कम अवधि के लिए '।.3' रखी है। यह परिदृश्य बताता है कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और राजस्व में अच्छी वृद्धि राजकोष को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही एसऐंडपी ने उम्मीद जताई है कि भारत की वास्तविक वृद्धि दर वित्त वर्ष 24 में 6 प्रतिशत रहेगी क्योंकि निवेश और उपभोक्ताओं

का रुख वृद्धि में अगले कुछ साल तक मददगार रहेगा। ऐसे में वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 26 में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। गौरतलब है कि प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा, क्योंकि भारत का चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग बीबीबी. बरकरार रखी है। दीर्घ अवधि के ऋण पर भारत का परिदृश्य स्थिर रखा है। रेटिंग निर्धारित करते हुए फिच ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार के सहयोग से कंपनियों और बैंकों के बही-खाते में काफी सुधार हुआ है और आधारभूत संरचना के विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है। निजी क्षेत्र भी बड़े स्तर पर निवेश करने की तैयारी कर रहा है। फिच ने कहा कि बढ़ी महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी की बड़ी चुनौतियों के बीच भारत की आंतरिक वित्तीय स्थिति थोड़ी कमजोर जरूर है और प्रति व्यक्ति आय और विश्व बैंक के मानकों पर भी भारत थोड़ा फिसला है, लेकिन दूसरे देशों की तुलना में भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं काफी मजबूत हैं और विदेश से आने वाले वित्तीय संसाधन भी संतोषप्रद हैं। निवेश की बेहतर संभावनाओं के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 6 फीसदी और वित्त वर्ष 2024-25 तक देश की आर्थिक वृद्धि दर बढक़र 6.7 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा। जहां पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक रही है, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहते हुए फिर सर्वोच्च होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत का बढ़ता विदेश व्यापार और भारत का बढ़ता निर्यात भारत की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को संतोषप्रद बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आर्थिक अस्थिरताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विदेश व्यापार 1.43 लाख करोड़ डॉलर रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विदेश व्यापार पिछले वर्ष के विदेश व्यापार से और अधिक ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह बढ़ते हुए वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यान्न का बढ़ता निर्यात भारत की दुनिया में आर्थिक व मानवीय साख बढ़ा रहा है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने वर्ष 2021-22 में 50 अरब डॉलर से अधिक का कृषि निर्यात किया है, वह वर्ष 2022-23 में 56 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर है तथा अब नई विदेश व्यापार नीति से कृषि निर्यात नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचेगा। वल्र्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। यद्यपि 31 मई को प्रस्तुत जीडीपी के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में भारत 7.2 फीसदी विकास दर के साथ सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है और भारत की वैश्विक आर्थिक साख संतोषप्रद है, लेकिन अभी भी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को सुधारने और चालू वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर को ऊंचाई देने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता की कमान रखते हुए भारत के मेक इन इंडिया और मेक फॉर ग्लोबल की डगर पर तेजी से आगे बढऩा होगा।

छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामले देश और समाज को झकझोरने वाले हैं

छात्रों में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सरकार के साथ-साथ समाज को भी गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने हेतु पर्याप्त है। कुछ मामलों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी छात्र हताश होकर जान देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी दुखद घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश के युवा वर्ग और खासकर 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। शिक्षा तथा कैरियर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता तथा शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते छात्रों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने छात्रों के समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि परीक्षाएं नजदीक आने के साथ ही छात्रों में चिंता और अवसाद बढ़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बढ़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण देश के प्रमुख कोचिंग हब बने राजस्थान के कोटा में तो अक्सर छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती ही रहती हैं, अब नामीगिरामी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में भी छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बढ़ते मामले समाज को झकझोरने लगे हैं। छात्रों में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सरकार के साथ-साथ समाज को भी गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने हेतु पर्याप्त है। कुछ मामलों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी छात्र हताश होकर जान देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी दुखद घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश के युवा वर्ग और खासकर 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। शिक्षा तथा कैरियर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता तथा शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते छात्रों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने छात्रों के समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि परीक्षाएं नजदीक आने

के साथ ही छात्रों में चिंता और अवसाद बढ़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बढ़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है, वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों में सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी अब जबरदस्त मारामारी होने लगी है। ऐसे में छात्र अपनी शिक्षा और भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में रहते हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता है तो कोई पारिवारिक वित्तीय संकट से जूझ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े देखें तो जहां 2020 में देशभर में कुल 12526 छात्रों ने आत्महत्या की, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 13089 हो गया। वैसे आत्महत्या की यह समस्या अब केवल छात्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश में आत्महत्या के मामलों में जिस प्रकार साल दर साल उछाल आ रहा है, वह समूचे समाज के लिए गंभीर चिंता का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा तो काफी चिंताजनक है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब भी कोई व्यक्ति या युवा गहरे मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है तो उसके व्यवहार में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में आसपास मौजूद लोगों तथा परिजनों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे व्यक्ति अथवा युवा को इमोशनल, मेंटल या फिजिकल जैसी भी जरूरत हो, सहयोग करें, उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें ताकि वह व्यक्ति स्वयं को अकेला महसूस न करे। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। जहां तक छात्रों की बात है तो छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों के लिए कहीं न कहीं अभिभावक भी दोषी हैं। दरअसल अधिकांश मामलों में देखने को मिलता है कि ज्यादातर माता-पिता या अभिभावक अपने बच्चों की क्षमता और अभिरूचि को सही ढंग से नहीं समझ पाते और उनसे जरूरत से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हुए परीक्षा के समय भी उनकी मनोदशा से अनभिज्ञ रहते हैं। कई मामलों में ऐसे छात्र जरूरत से ज्यादा मानसिक दबाव के कारण गलत कदम उठा बैठते हैं। ऐसे मामलों में छात्रों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में सबसे बड़ी भूमिका अभिभावकों, करीबी लोगों और शिक्षकों की ही हो सकती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी असफलता से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता और हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपनी क्षमतानुसार मेहनत करके भी सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं। हालांकि सरकार, सामाजिक संस्थाओं शिक्षण संस्थानों की ओर से हाल के वर्षों में छात्रों की काउंसलिंग के साथ उनकी पढ़ाई में मदद करने तथा जरूरत महसूस होने पर चिकित्सकीय परामर्श मुहैया कराने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन इन प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है।

नागरिक बोध

नए संसद भवन का तोता

आए दिन देश की राजधानी के पक्षी परेशान होने लगे हैं। जिस तरह देश निरंतर तरक्की कर रहा है, दिल्ली के पक्षियों के लिए अपने जीने के निशान खोजने मुश्किल हो रहे हैं। वे तरक्की का आसमान ऊंचा होते देखकर इसलिए भी परेशान हैं कि नीचे धरती पर इनसान कितना उड़ रहा है। यह उनके अस्तित्व का सवाल बन गया, इसलिए उन्होंने भी अपनी संसद बुलाने का फैसला किया। दरअसल यह फैसला देश की पुरानी संसद के आसपास उड़ते रहे पक्षियों का था। वे यह भी चाहते थे कि जिस तरह देश की पुरानी संसद के बाद नए भवन की आलीशान शुरुआत हुई, उसी तरीके से वे भी नई लोकतांत्रिक इमारत के ऊपर उड़ें। हद तब हो गई जब दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के पक्षी भी ख्वाहिश करने लगे कि उनका एकाधिकार संसद भवन पर हो। कुछ पक्षी मंदिरों से आए थे। उन्होंने साधु-संत समाज को संसद में पहुंचते देखा था, तो स्वाभाविक रूप से वे भी इसे अपना कार्य क्षेत्र बनाना चाहते थे। जिन पक्षियों ने माफिया की सांठगांठ में प्रशासन को चलते देखा था, वे अपने पंखों से संसद भवन तक को कब्जे में लेना चाहते थे। कनॉट प्लेस के पक्षी चालाक थे। वे अतीत से आज तक देश के इतिहास को बदलते हुए देखते रहे थे, लिहाजा उन्होंने मान लिया था कि इतिहास को सदा-सदा बदलने के लिए नए संसद भवन से बेहतर ठिकाना और कहां होगा। दिल्ली में तमाम सरकारी कार्यालयों, मंत्रालय भवनों और सांसदों के रिहायशी इलाकों में रहने वाले पक्षियों को तो पहले से ही आभास था, सो उन्होंने एक बड़ी पक्षी श्रृंखला नए संसद भवन के आसपास बना रखी थी ताकि संसद पर मंडराने का उनका अधिकार सदा-सदा के लिए स्थापित हो सके। अब दिल्ली में पक्षियों के दो बड़े वर्ग बन चुके थे। एक वे जो नए संसद भवन तक उडऩे का लोकतांत्रिक आधिपत्य चाहते थे और दूसरे वे जो सरकारी कार्य संस्कृति के साथ पुरानी संसद तक अपनी उड़ान पूरी करते रहे थे। ये खुद को सत्ता मानते हुए दूसरे पक्षियों को विपक्षी मान चुके थे, लिहाजा दिल्ली इस बहाने आसमान में उड़ते पक्ष और विपक्ष के स्वरूप को अब पक्षियों में भी देखने लगी है। नए संसद भवन पर पक्षी विवाद बढ़ता गया, तो तथाकथित सत्ता के पक्षी एक तरफ तो विपक्ष के दूसरी तरफ हो गए। सरकारी कोठियों, भवनों तथा सत्ता के सांसदों के रिहायशी इलाकों में दाना चुगते रहे पक्षी तरह-तरह के आरोप लगाकर नव आगुंतकों को नए संसद भवन तक आने से रोकने लगे। दूसरे पक्षी पुराने संसद भवन के ठीक ऊपर अपनी संसद बुला चुके थे। उन्हें लगता था कि नई संसद को छूना उनके दाएं पंख का काम है, पर वे इस दूरी को पाट नहीं पा रहे थे। अंततः उनके बीच बैठा एक तोता सामने आया। वह पहले लोकतंत्र-लोकतंत्र रटता रहा था, लेकिन अब यह भूल कर संसद-संसद रट रहा था। पक्षी खुश हुए कि वह उन्हें नए संसद भवन पर बैठने का कोई तिकड़म बता देगा।

देश दुनीया से

मानव जीवन के लिए योग की उपादेयता

आज सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा अवदान यदि कोई दे रहा है तो वह योग है। इसकी चर्चा और महत्ता के साथ प्रायोगिक ढंग से योग की उपादेयता को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस दर्शाता है। प्रतिवर्ष 21 जून को यह पावन दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग से सम्बन्धित एक प्रभावशाली भाषण के साथ भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी नींव रखी थी। इसी का प्रतिफल है कि प्रतिवर्ष 21 जून को वर्ष 2015 से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में विश्व भर में मनाया जा रहा है। अपने गौरवमयी वांग्मय की सौरभ को सम्पूर्ण विश्व में प्रचारित-प्रसारित करना और इसे विश्व उत्सव के रूप में रूपायित करना हम सभी के लिए सम्मान का विषय है। इसी आधार को समक्ष रखते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला भी योग की प्रासंगिकता के लिए कटिबद्ध है। यह सत्य है कि संसार के सभी मनुष्य शान्त और मैत्रीवत्त भाव से अपने जीवन को व्यतीत करना चाहते हैं। आज किसी भी राष्ट्र और समाज का व्यक्ति जो भी कार्य कर रहा है, उसका उद्देश्य स्वयं को सुखी रखना रहा है। यह भी सत्य है कि संसार का प्रत्येक व्यक्ति इस बात को मानता है कि सम्पूर्ण विश्व में शान्ति स्थापित होनी चाहिए। यह शान्ति कैसे स्थापित हो? सभी राष्ट्र अपनी-अपनी चिन्तनसरणी से उपाय तलाश करने का प्रयत्न करते हैं। अनेक अवधारणाओं द्वारा सभी मतैक्य की सम्भावना समक्ष नहीं आती। यह कहना समीचीन है कि एक रास्ता है जो समग्र रूप में परिपूर्ण है जिससे समस्त विश्व की मानवता निर्भय होकर सुख, शान्ति और आनन्द की अनुभूति प्राप्त कर सकती है, वह है योग। भारत राष्ट्र के लिए यह गौरव का विषय है कि महर्षि पतंजलि ने भारतीय वांग्मय में जिस दिव्य औषधि का उन्नयन किया, जिससे शारीरिक-मानसिक और आत्मिक शान्ति का प्रणयन हो वह है योग, जिसे अष्टांग योग से भी अभिहित किया गया है। यह एक ऐसा आधार है जिससे व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर, शारीरिक और मानसिक शान्ति स्थापित की जा सकती है। हमारे शास्त्रों में योग को समाधि का वाचक भी माना गया है। जिसमें मन को भली-भान्ति समाहित किया जा सके। योग भारत भूमि की ऐसी अपरिमेय सम्पत्ति है जो अनवरत अखण्ड, अटूट और नवीन दिशा का सन्धान करने वाली है। व्यक्तित्व के निर्णायक तत्वों का निर्माण भी योग से ही सम्भव है जिससे व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, धैर्य और अनुशासन का प्रादुर्भाव होता है। अनुशासन व्यक्तित्व निर्मिती करता है तथा व्यक्तित्व से चरित्र और चरित्र से नवीन समाज का सन्धान होता है। वशिष्ठ संहिता का अवलोकन किया जाए तो वहां मन को शान्त करने की प्रक्रिया को योग कहा गया है। योग दर्शन में चित्त की वृत्तियों के निग्रह को योग कहा है। उपनिषदों में कहा गया है कि जब पांच इन्द्रियां एकाग्र हो जाती हैं, ऐसी स्थिति में बुद्धि एकात्मकता को लिए स्थिर हो जाती है, वही अवस्था योग है। व्यावहारिक स्तर पर योग शरीर, मन और भावनाओं का संतुलन है। भावनाओं का सम्बन्ध हमारी मानसिक वृत्तियों से है। वृत्तियां जब निरुद्ध होंगी तो मानसिक रूप से जीवन स्वस्थ होग, यही योग का मूल उत्स है। भारतीय संस्कृति में योग आदि से उच्चतर शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक व्यक्तित्व के निर्माण के लिए अग्रणी रहा है। भौतिक दृष्टि से भी देखें तो शरीर को स्वस्थ रखने का मूल आधार भी योग है, जिससे मानसिक शक्ति का विकास, रचनात्मकता का विकास, तनाव से मुक्ति, प्रकृति विरोधी जीवनशैली का सुधार, उत्तम शारीरिक क्षमता और शारीरिक रोगों से मुक्ति मिलती है। आज व्यक्ति जिस तीव्रता से अपनी जीवन यात्रा व्यतीत कर रहा है इस जीवन शैली में एक बहुत बड़ा परिवर्तन आ गया है। हमारे जीवन की व्यवस्था पूर्णतः बदल गयी है।

भारत राष्ट्र के लिए यह गौरव का विषय है कि महर्षि पतंजलि ने भारतीय वांग्मय में जिस दिव्य औषधि का उन्नयन किया, जिससे शारीरिक-मानसिक और आत्मिक शान्ति का प्रणयन हो वह है योग, जिसे अष्टांग योग से भी अभिहित किया गया है। यह एक ऐसा आधार है जिससे व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर, शारीरिक और मानसिक शान्ति स्थापित की जा सकती है। हमारे शास्त्रों में योग को समाधि का वाचक भी माना गया है। जिसमें मन को लभी-भान्ति समाहित किया जा सके। योग भारत भूमि की ऐसी अपरिमेय सम्पत्ति है जो अनवरत अखण्ड, अटूट और नवीन दिशा का सन्धान करने वाली है।

कर्ज में रियायत पाना अब पाकिस्तान की प्राथमिकता, लेकिन क्या चीन राजी होगा

इस्लामाबाद। देश की डूबती अर्थव्यवस्था के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से कर्ज हासिल करने में नाकामी के कारण शहबाज शरीफ सरकार की हो रही आलोचना के बीच अब पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने विदेशी द्विपक्षीय कर्ज की रिस्ट्रक्चरिंग को अपना खास एजेंडा बनाने का आश्वासन दिया है। द्विपक्षीय कर्ज की रिस्ट्रक्चरिंग (चुकाने में रियायत) के मामले में सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू चीन से लिया गया कर्ज है। आईएमएफ ने कहा था कि पाकिस्तान द्विपक्षीय कर्जों की रिस्ट्रक्चरिंग का कर्जदाता देशों के साथ समझौता करे। समझा जाता है कि इस सिलसिले में आईएमएफ के भी निशाने पर मुख्य रूप से चीनी कर्ज है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक मौजूदा आर्थिक संकट के बीच चीन ने पाकिस्तान की वित्तीय मदद की है। लेकिन वह अपने कर्जों के भुगतान के मामले में कोई रियायत देने को तैयार नहीं है। समझा जाता है कि अगर पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर चीन के सामने अधिक जोर डाला, तो दोनों देशों के रिश्तों में पेच पड़ सकते हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने पिछले हफ्ते अगले वित्त वर्ष के लिए देश का आम बजट पेश किया था। आलोचकों ने बजट को पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था का इकबालिया दस्तावेज कहा है। खास कर आईएमएफ का ऋण हासिल करने में मिली नाकामी को लेकर वित्त मंत्री और शहबाज सरकार की कड़ी आलोचना हो रही है। इसी बीच डार ने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में भरोसा दिलाने की कोशिश की कि सरकार जल्द ही आईएमएफ से कर्ज पाने का रास्ता तैयार करेगी। इस सिलसिले में द्विपक्षीय कर्ज रिस्ट्रक्चरिंग को प्राथमिकता बनाया जाएगा। लेकिन डार ने घरेलू कर्ज की रिस्ट्रक्चरिंग की संभावना को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा– 'एक संप्रभु देश को अगर अपने घरेलू ऋण की रिस्ट्रक्चरिंग भी करनी पड़े, अगर वह ऋण भुगतान संबंधी अपनी करेंसी से संबंधित जरूरतों को भी पूरा ना कर पाए, तो उसे एक बेहद गंभीर स्थिति माना जाएगा।' विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि पिछली 27 मई को जब वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से कर्ज रिस्ट्रक्चरिंग के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने उस पर बहुत कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी। लेकिन अब साफ है कि दो हफ्तों के अंदर ही मंत्रालय की राय बदल गई है। ऐसा संभवतः कर्ज डिफॉल्ट के मंडराते खतरे के कारण हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के सामने कश्मीर का मुद्दा उठाना चाहता था लश्करः आतंकी संगठन सेमिनार के जरिए रच रहा था साजिश, पोल खुली तो हटे

वॉशिंगटन। पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की साजिश रची है। खासकर उसने इस मसले को अमेरिका के ही सामने उठाने की कोशिश की है। इसके लिए थिंक टैंक

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की ओर से एक सेमिनार रखा गया है। इसके वक्ताओं में अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत मसूद खान के साथ अमेरिकी दूत और पाकिस्तान के पूर्व कानून मंत्री एडवोकेट अहमर बिलाल सूफी जैसे लोग शामिल थे। सेमिनार का आयोजक अब्दुल्ला खान है, जो लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा रहा है। वह अमेरिका की प्रतिबंधित लोगों की सूची में शामिल है। इसका पता लगते ही अमेरिकी दूत माइकल और अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत मसूद ने सेमिनार में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला जिहादी प्रकाशन में शामिल रहा है। ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल वेबसाइट के मुताबिक अब्दुल्ला खान को अब्दुल्ला मुंतजिर के नाम से जाना जाता है। अमेरिकी ट्रेजरी रिपोर्ट के मुताबिक अब्दुल्ला मुंतजिर 1999 से लश्कर का मीडिया अधिकारी रहा है। वह खुद को स्वतंत्र पत्रकार बताता रहा है, जबकि हकीकत में वह आतंकवाद को बढ़ाने में लगा हुआ था। 2010 के बीच तक मुंतजिर लश्कर की मीडिया और अनुसंधान संगठन का निदेशक था। इसका मकसद मीडिया के साथ लश्कर से वार्ता का समन्वय बनाना और लश्कर के कंटेंट की निगरानी करना और लश्कर के एजेंडे को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उठाना था। 2000 के अंत तक मुंतजिर लश्कर की राजनीतिक शाखा का सदस्य था।

इटली के किंगमेकर पूर्व प्रधानमंत्री सिलवियो बर्लुस्कोनी का निधन, सेक्स स्कैंडल के चलते हुए थे बदनाम

मिलान। इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिलवियो बर्लुस्कोनी का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है। बर्लुस्कोनी तीन बार इटली के प्रधानमंत्री रहे और बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

बर्लुस्कोनी का नाम विवादों में भी खूब रहा और साल 2017 में वह एक सेक्स स्कैंडल में फंसे थे। साथ ही उन पर भ्रष्टाचार और टैक्स में धांधली के भी आरोप लगे थे। बर्लुस्कोनी 1994 से लेकर 2011 तक तीन बार इटली के प्रधानमंत्री रहे। सबसे पहले बर्लुस्कोनी साल 1994 में पहली बार इटली के पीएम बने। उसके बाद वह 2001 से 2006 तक इटली के पीएम रहे। 2008 में फिर से उन्होंने सत्ता में वापसी की लेकिन 2011 में कर्ज संकट के चलते उन्हे इस्तीफा देना पड़ा और वह राजनीति से भी दूर हो गए। हालांकि 2017 में उन्होंने फिर से सक्रिय राजनीति में एंट्री ली थी। बीते छह हफ्तों से मिलान के एक अस्पताल में बर्लुस्कोनी का इलाज चल रहा था। साल 1936 में इटली के मिलान शहर में जन्में सिलवियो बर्लुस्कोनी इटली के सबसे बड़े कमर्शियल ब्रॉडकास्टर मीडियासेट के मालिक थे। साथ ही वह मशहूर फुटबॉल क्लब एसी मिलान के भी मालिक रहे। बर्लुस्कोनी साल 2012 में एक टैक्स में धांधली के आरोप में भी फंसे थे। फिलहाल इटली की सरकार में उनकी पार्टी फोरजा इटैलिया सहयोगी है। इटली की राजनीति में सिलवियो बर्लुस्कोनी को किंगमेकर माना जाता था और अपने राजनीतिक करियर के चरम पर वह इटली की सत्ता के केंद्र में रहे।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में ईंधन ले जा रहे टैंकर में लगी आग, गिर गया हाईवे पर बना फ्लाईओवर

वॉशिंगटन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। यहां इंटरस्टेट 95 पर एक ईंधन भरे ट्रक ने अचानक आग पकड़ ली, जिसके बाद हाईवे पर बना फ्लाईओवर ढह गया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुल को बीच से टूटकर नीचे की सड़क पर गिरते देखा जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना एक पेट्रोलियम पदार्थ ले जा रहे टैंकर में आग लगने की वजह से हुई। इसे बुझाने में दमकल की गाड़ियों को एक घंटे से ज्यादा का समय लग गया। तेल के टैंकर में लगी इस भयानक आग की वजह से आई-95 की उत्तरी सड़कों को काफी नुकसान पहुंचा, वहीं दक्षिण की तरफ पड़ने वाली सड़क भी सुरक्षित नहीं रहीं। दमकल विभाग के मुताबिक, इस आग या गर्मी के चलते सड़क के नीचे भी धमाका हुआ। कुछ देर बाद ही फ्लाईओवर के हिस्से ढहने लगे। उत्तर की ओर मौजूद सड़क अचानक ही गिर गई, जबकि दक्षिण में मौजूद लेन्स बुरी तरह बर्बाद हो गईं। गवर्नर जॉश शैपिरो ने कहा कि वह इस घटना को आपदा प्रोटोकॉल घोषित करने वाले हैं, ताकि हाईवे को दोबारा शुरू करने के लिए संघीय फंड्स हासिल किए जा सकें। उन्होंने बताया कि हाईवे के गिरने से उसके मलबे में कम से कम एक गाड़ी फंसी है। हम इस आग और हाईवे के गिरने की वजह से हताहत हुए लोगों का पता लगाने में भी जुटे हैं।

रूस की प्राइवेट मिलिट्री नहीं मान रही पुतिन का आदेश

वैगनर के मालिक प्रिगोजिन बोले– अपने लड़ाकों को रूस की सेना में शामिल नहीं होने दूंगा

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे सभी रूसी वॉलेंटियर्स की टुकड़ियों को रूस की सेना में शामिल होना होगा। इसके लिए सभी प्राइवेट मिलिट्री से एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाया जाएगा। हालांकि, रूस की सबसे बड़ी प्राइवेट मिलिट्री वैगनर ने ये समझौता करने से इनकार कर दिया है। वैगनर के मालिक येवगेनी प्रिगोजिन ने कहा– हम रक्षा मंत्रालय के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।

डिफेंस मिनिस्टर सेना को नहीं संभाल पा रहे

प्रिगोजिन ने रूस के डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई शोइगू के बारे में कहा कि वो सेना को ठीक से मैनेज नहीं कर पा रहे हैं। येवगेनी के इस बयान पर अभी तक रूस के किसी मंत्री या अधिकारी का जवाब नहीं आया है। न ही ये स्पष्ट किया गया है कि क्या रूस वैगनर के लड़ाकों को भी सेना में शामिल करेगी, जिन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगे हैं। वैगनर ने पिछले महीने रूस के लिए बाखमुत इलाके पर कब्जा किया था। अमेरिका ने दावा किया था कि इस कब्जे में येवगेनी प्रिगोजिन के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं। प्रिगोजिन ने रूस की सरकार पर उन्हें ठीक से हथियार और गोला-बारूद नहीं देने के आरोप लगाए थे।

प्राइवेट लड़ाकों को सेना में मिलाना रूस की मजबूरी

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट लड़ाकों को सेना में मिलाना रूस की मजबूरी बन गया है। इसकी वजह रूस के कब्जे वाले इलाकों में किया जा रहा यूक्रेन का बड़ा हमला है। यूक्रेन को आगे बढ़ने से रोकने के लिए रूस की सेना को ज्यादा से ज्यादा सैनिकों की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने डोनटेस्क इलाके से रूस के कब्जे वाले 3 गांवों को छुड़ा लिया है। जेलेंस्की ने बताया था कि रूस के खिलाफ उनका काउंटर अफेंसिव यानी पलटवार के तौर किया जाने वाला हमला शुरू हो चुका है। इस बीच रूस ने दावा किया है कि उसने जर्मनी के दिए गए 7 लेपर्ड टैंक्स और अमेरिका के 5 ब्रैडली व्हीकल तबाह किए हैं। रूस की सेना ने तबाह हो चुके टैंक्स की तस्वीरें भी शेयर की हैं।

येवगेनी प्रिगोजिन को कहा जाता है पुतिन का रसोइया

वैगनर ग्रुप के फाउंडर येवगेनी प्रिगोजिन को रूसी राष्ट्रपति पुतिन का रसोईया भी कहा जाता है। वे पहले एक रेस्तरां चलाते थे जहां पुतिन अक्सर खाने के लिए जाया करते थे। वे धीरे-धीरे पुतिन के करीबी सहयोगी बन गए। उन्हें रूसी सरकार से करोड़ों रुपए के कॉन्ट्रैक्ट मिलने लगे। येवगेनी ही वैगनर ग्रुप को फंड करते हैं। पहले वे इस ग्रुप से अपने संबंधों को नकारते थे, लेकिन 2022 में उन्होंने माना कि वे इससे जुड़े हुए हैं।

अमेरिका के मैरीलैंड में गोलीबारी, तीन की मौत, सात घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है, जिसमें तीन लोगों की मौत की खबर है और सात अन्य घायल हैं। घटना अमेरिका के मैरीलैंड के एनापोलिस इलाके की है। गोलीबारी एक घर में हुई। अभी गोलीबारी की वजह पता नहीं चल पाई है। बता दें कि जिस एनापोलिस में गोलीबारी हुई है, वह अमेरिकी संसद से महज 30 मील की दूरी पर स्थित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना एजवुड रोड पर पैडिंग्टन प्लेस पर 1000 ब्लॉक की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद मौके पर पुलिस की कई गाड़ियां और एंबुलेंस देखी गईं। मैरीलैंड में मास शूटिंग का यह कोई पहला वाक्या नहीं है। इससे पहले साल 2018 में भी मैरीलैंड के एनापोलिस में गोलीबारी की घटना हो चुकी है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। यह गोलीबारी एक मीडिया हाउस के ऑफिस में हुई थी और आरोपी की कई स्थानीय अखबारों का चलाने वाले कैपिटल गैजेट से काफी समय से नाराजगी चल रही थी। इसी नाराजगी में आरोपी ने कैपिटल गैजेट के कार्यालय पहुंचकर गोलीबारी कर दी थी।

भारत से ज्यादा तेजी से एटमी हथियार बना रहे चीन-पाकिस्तान

दुनिया में 12,512 न्यूक्लियर वेपन; दुनिया सबसे खतरनाक दौर की ओर

स्टॉकहोम। चीन और पाकिस्तान ने भारत के मुकाबले तेजी से अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है। ये दावा स्वीडन के थिंक टैंक ने किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले कुछ सालों में चीन ने अपने हथियारों के जखीरे में 60 तो पाकिस्तान ने 5 परमाणु हथियार जोड़े हैं। जबकि भारत ने 4 नए परमाणु हथियार डेवलेप किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में ऑपरेशनल परमाणु हथियारों का जखीरा लगातार बढ़ता जा रहा है। मानवता सबसे खतरनाक दौर से गुजर रही है।

दुनिया में 12,512 परमाणु हथियार

दुनिया में अब 12,512 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 9576 ऐसे हैं जो हमले के लिए तैयार है। पिछली साल के मुकाबले इस साल 86 परमाणु हथियार बढ़े हैं। पूरी दुनिया में चीन ने अपने परमाणु हथियारों का जखीरा तेजी से बढ़ाया है। शीत युद्ध के खत्म होने के बाद दुनिया में तेजी से परमाणु हथियारों में कमी आई थी। अब ये ट्रेंड बदल रहा है। फिर से परमाणु हथियारों की रेस शुरू हो चुकी है। बताया है कि दुनिया के 90प्रतिशत परमाणु हथियार रूस और अमेरिका के पास हैं। वहीं, 12,512 हथियारों में से 3,844 परमाणु हथियार मिसाइलों और एयरक्राफ्ट में लगाए गए हैं।

बताया है कि यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से परमाणु हथियारों की जानकारी देने के मामले में पारदर्शिता घटी है। 2021 में यूएनएससी के सदस्य देशों ने परमाणु हथियारों को कम करने का वादा किया था।

बयान जारी कर कहा था– परमाणु जंग कभी भी नहीं जीती जा सकती है, इन हथियारों को कभी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जबकि इस वक्त अमेरिका और रूस ने अपने 2000 परमाणु हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा है। परमाणु हथियारों की रेस को बंद करने के लिए रूस और अमेरिका ने न्यू स्टार्ट ट्रीटी समझौता किया था। जिसे यूक्रेन जंग का एक साल पूरा होने पर रूस ने रद्द कर दिया था।

मिस्र में 27 लोगों को ले जा रही नाव में लगी आग, तीन ब्रिटिश पर्यटक लापता

काहिरा। मिस्र के लाल सागर में एक नाव में आग लगने के बाद तीन ब्रिटिश पर्यटक लापता हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बचावकर्मी लापता तीनों पर्यटकों की तलाश कर रहे हैं। 15 ब्रिटिश पर्यटकों सहित 27 लोग मारसा आलम शहर के तट से नाव पर सवार हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से 12 ब्रिटिश पर्यटकों सहित 24 लोगों को बचा लिया गया, जबकि अन्य तीन की तलाश की जा रही है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वे स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। यह घटना हर्गहाडा के रेड सी रिसॉर्ट में समुद्र तटों को बंद किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। शार्क के हमले में एक रूसी व्यक्ति के मारे जाने के बाद समुद्र तटों को बंद कर दिया गया था। रूसी महावाणिज्यदूत विक्टर वोरोपायेव ने कहा कि 1999 में पैदा हुए एक रूसी नागरिक की शार्क के हमले के दौरान मौत हो गई थी।

जांच के दिए आदेश

मिस्र के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, मिस्र की पर्यावरण मंत्री यासमीन फौद ने एक समिति को घटना की जांच करने का आदेश दिया। यासमीन फौद ने स्थानीय अधिकारियों को लाल सागर के समुद्र तटों पर जाने वालों के लिए उच्चतम स्तर की सुरक्षा लागू करने और फिर से शार्क हमले की घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया।

भारत को झटका! चीन के कहने के बाद पहली बार रूस ने पाकिस्तान को पहुंचाया कच्चा तेल

इस्लामाबाद। रूस से सस्ते कच्चे तेल की पहली खेप कराची बंदरगाह पहुंच चुकी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तान में जारी महंगाई और तेल की आसमान छूती कीमतों के बीच यह राहत की बड़ी खबर है। बता दें कि पाकिस्तान भारी कर्ज और लगातार उसकी मुद्रा में आ रही गिरावट से जूझ रहा है। ऐसे में रूस से पहली खेप के रूप में 45 हजार मीट्रिक टन कच्चा तेल सस्ते दामों में मिलना किसी वरदान से कम नहीं है। वहीं यह भारत के लिए बड़ा झटका है क्योंकि रूस और भारत के संबंध मजबूत रहे हैं। हालांकि, चीन के कहने पर अब रूस ने पाकिस्तान को भी कच्चे तेल की खेप भेजी है, जो कि भारत के हितों के लिए चुनौती पेश करने वाली बात है। रूस से सस्ते तेल की पहली खेप के कराची पहुंचने पर पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने खुशी जताई और ट्वीट कर लिखा कि मैंने देश से किया अपना एक और वादा पूरा कर दिया है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रूस के सस्ते तेल की पहली खेप कराची पहुंच चुकी है और कल से उसकी सप्लाई शुरू हो

जाएगी। यह एक बदलाव का दिन है। हम समृद्धि, आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक कदम और आगे बढ़े हैं। पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि यह रूस और पाकिस्तान के बीच नए रिश्तों की शुरुआत है। अगर सबकुछ सही रहता है तो पाकिस्तान, रूस से हर दिन एक लाख बैरल तेल की खरीद कर सकता है। पाकिस्तान में इन दिनों एक लीटर पेट्रोल की कीमत करीब 262 पाकिस्तानी रुपए है। रूस से सस्ता तेल मिलने से पाकिस्तान के आम उपभोक्ताओं को महंगाई से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

दिसंबर 2022 से चल रही थी बातचीत

पाकिस्तान और रूस के बीच सस्ते तेल की खरीद के लिए बीते साल दिसंबर से बातचीत चल रही थी। पहले रूस ने 30 प्रतिशत डिस्काउंट पर पाकिस्तान को सस्ता तेल देने से मना कर दिया था लेकिन बाद में जनवरी में रूस और पाकिस्तान के बीच फिर बातचीत हुई और अप्रैल में पाकिस्तान ने अपना पहला ऑर्डर दिया। बीते साल पाकिस्तान ने 154000 बैरल तेल प्रतिदिन खरीदा। इसमें से 80 प्रतिशत खरीद सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों से की गई थी। अब पाकिस्तान रूस से एक लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीद सकता है। वहीं चीन और भारत के बाद पाकिस्तान रूस के तेल का सबसे बड़ा खरीददार बनकर उभरा है।

भारत के लिए झटका

रूस और पाकिस्तान के बीच कच्चे तेल की यह डील भारत के लिए झटका है। दरअसल भारत और रूस के संबंध मजबूत रहे हैं, जिसके चलते रूस ने पाकिस्तान से एक दूरी बनाकर रखी थी, इसकी वजह पाकिस्तान का अमेरिका के करीब भी होना था।

क्यूबा में चीन का इंटेलिजेंस बेस

4 साल तक यह बात अमेरिका नकारता रहा, अब ड्रैगन से निपटने की तैयारी पूरी

वॉशिंगटन। चीन सरकार 2019 से क्यूबा में स्पाय या इंटेलिजेंस बेस ऑपरेट कर रही है। अब जाकर बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने इस सच्चाई को माना है। यहां चीन की हरकतों से निपटने के लिए अमेरिका ने तैयारियां मुकम्मल कर ली है। अमेरिकी सरकार अब तक यह बताने को तैयार नहीं कि अगर चार साल से चीन सरकार क्यूबा में मिलिट्री इंटेलिजेंस बेस ऑपरेट कर रही थी तो अमेरिका ने अब तक इस बात को कबूल क्यों नहीं किया।

एक रिपोर्ट से सच्चाई सामने आई

एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन के एक अफसर (नाम जाहिर न करने की शर्त पर) के हवाले से पहली बार ये बताया गया कि क्यूबा में चीन का स्पाय बेस है। आसान भाषा में कहें तो अमेरिका के दुश्मन क्यूबा का

इस्तेमाल चीन जासूसी के लिए कर रहा है। इस अफसर ने कहा– मैं ये तो नहीं बता सकता कि अब तक हमारी किसी भी सरकार ने ये क्यों नहीं माना कि चीन का क्यूबा में इंटेलिजेंस बेस है। लेकिन, इसमें कोई दो राय नहीं कि चीन की साजिश क्यूबा के जमीन से अमेरिका पर नजर रखने की है। इस अफसर ने आगे कहा– चीन ने यह स्पाय बेस 2019 में तैयार किया था। अमेरिका को इसकी जानकारी उसी वक्त मिल गई थी। आज चीन कुछ भी कर ले, लेकिन अमेरिका उसे हर तरह से जवाब देने की ताकत रखता है।

चीन और क्यूबा के बीच एग्रीमेंट

पिछले हफ्ते अमेरिकी अखबार ने एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। इसमें कहा गया था– चीन और क्यूबा के बीच एक एग्रीमेंट हुआ है। इसके तहत दोनों देश मिलिट्री इंटेलिजेंस शेयरिंग करेंगे। चीन ने क्यूबा में कई अरब डॉलर इस स्पाय बेस को तैयार करने में खर्च किए हैं। हालांकि, अमेरिका को इसकी भनक शुरुआत से ही थी। लिहाजा, उसने भी जवाबी तैयारियों में कोई कसर बाकी नहीं रखी। हैरानी की बात यह है कि पिछले हफ्ते भी व्हाइट हाउस के स्पोक्सपर्सन जॉन किर्बी ने यह बात नहीं मानी थी कि क्यूबा में चीन ने कोई मिलिट्री इंटेलिजेंस बेस बनाया है। किर्बी ने कहा– हमारी कोशिश है कि हम चीन के तमाम बेसेज पर नजर रखें। फिलहाल, ये कहना सही नहीं होगा कि क्यूबा से चीन हमारे देश की जासूसी कर रहा है।

ताइवान में भी टकराव की आशंका

पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने साफ कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो वे उसकी रक्षा में सैन्य कार्रवाई करेंगे। अमेरिकी सैन्य अधिकारी जनरल मार्क माइले ने कहा कि चीन निकट भविष्य में ताइवान पर हमला बोलने की तैयारी कर रहा है।

इन दोनों बयानों के आधार पर डिफेंस एक्सपर्ट डेविड नोम ने कहा था– आप निश्चित हो सकते हैं कि अगर चीन ताइवान पर आक्रमण करता है तो अमेरिका इसमें शामिल होकर रहेगा। क्योंकि चीन गुआम, पलाऊ और ओकिनावा में स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस पर प्रहार किए बिना ताइवान पर हमला बोलने का जोखिम नहीं उठा सकता।

ब्रिटेन में 755 वर्षों में पहली बार महिला बनेगी लॉर्ड चीफ जस्टिस, विक्टोरिया शार्प आगे

लंदन। ब्रिटेन में इस बार एक महिला जज के हाथों में न्याय व्यवस्था की कमान होगी। बीते 755 वर्षों में पहली बार कोई महिला लॉर्ड चीफ जस्टिस बनेगी। इससे पहले किसी महिला को यह गौरव हासिल नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लॉर्ड चीफ जस्टिस ऑफ इंग्लैंड एंड वेल्स पद के लिए इस बार अंतिम दो उम्मीदवार महिला हैं। इन उम्मीदवारों में जस्टिस सू कैर एक अपीलीय अदालत की न्यायाशीध हैं, जबकि विक्टोरिया शार्प हाईकोर्ट की वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। दोनों उम्मीदवारों में से कोई एक ब्रिटेन का लॉर्ड चीफ जस्टिस बनेगा। आने वाले दो सप्ताह में इसकी घोषणा हो जाएगी। ब्रिटेन में न्यायपालिका की स्थापना के बाद से ही लॉर्ड चीफ जस्टिस की उपाधि हमेशा एक पुरुष को मिलती आई है।

अब वह दिन दूर नहीं, जब प्रदेश में बनेगी इनेलो की सरकार : दिलबाग

सैंकड़ों युवाओं ने इनेलो का दामन थामा

यमुनानगर (हिंस)। अब वह दिन दूर नहीं जब प्रदेश की जनता को भ्रष्टाचारियों व अपराधियों से मुक्ति मिलेगी और प्रदेश में एक बार फिर से आमजन की हितैषी सरकार चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व में बनेगी। उक्त शब्द इंडियन नेशनल लोकदल के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में यमुनानगर के कैंप क्षेत्र से इनेलो में शामिल होने आए सैकड़ों युवाओं को संबोधित करते हुए कहे। पूर्व विधायक दिलबाग सिंह एवं इनेलो पदाधिकारियों द्वारा पार्टी में शामिल हुए सभी युवाओं क ो पार्टी पटका पहना कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में पूर्व विधायक ने कहा कि आज देश और प्रदेश के हालात बहुत ही दयनीय है। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। जिनके हाथों में सत्ता की बागडोर है वह केवल अपने चहेतों को खुश करने में लगे हैं। आम जनता पर भारी भरकम टैक्स लगाकर सरकार देश के संसाधन पूंजीपतियों को सौंप रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। कानून-व्यवस्था चरमराने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। गलत नीतियों के कारण व्यापारी एवं उद्योगपति प्रदेश छोड़ पलायन कर रहे हैं। केवल यमुनानगर में ही 200 के लगभग प्लाई बोर्ड फैक्ट्रीया बंद हो चुकी है। नौकरीपेशा, किसान मजदूर मांगों को लेकर सड़कों पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इनेलो में शामिल होने आए सभी युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान मिलेगा। युवाओं को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि 2024 में निश्चित तौर पर इंडियन नेशनल लोकदल की सरकार प्रदेश में बनेगी। इसलिए हर कार्यकर्ता जनसंपर्क पर अधिक ध्यान दें। इनेलो के पुराने साथी जो किसी भी कारणवश पार्टी से दूर हुए हैं हमें उन्हें पुनः पार्टी में शामिल कर इनेलो को और अधिक मजबूत करना है।

आशा वर्कर ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा में थाना कलां मार्ग स्थित सरकारी अस्पताल में सोमवार को आशा वर्करों द्वारा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रमिला व संचालन रेखा ने की है। प्रदर्शन में सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान प्रतीक ने आशा वर्कर्स को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आशा वर्कर्स की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। आशा वर्कर्स का निरंतर शोषण किया जा रहा है। उनका मानदेय कम होते हुए भी वह निरंतर जोखिम का कार्य कर रही हैं। इसलिए सरकार को चाहिए कि आशा वर्कर्स का मानदेय बढ़ाकर उनकी अन्य मांगों को माना जाए। यदि समय रहते सरकार द्वारा उनकी मांगें नहीं मानी जातीं तो आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी। आशा वर्कर्स ने अपनी मांगों को लेकर खरखौदा एसएमओ डॉ सतपाल को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर रोशनी, सरोज, मोनिका, रीना, सोनिया, मीना ,कमलेश, निर्मला ,कविता, सरिता, कृष्णा, नीलम व अन्य वर्कर मौजूद रहीं।

लोकतंत्र के सशक्तीकरण में स्थानीय निकायों की महती भूमिका : राज्यपाल

जयपुर/ माउंट आबू (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि लोकतंत्र के सशक्तीकरण में स्थानीय निकाय संस्थाओं की महती भूमिका है। उन्होंने जमीनी स्तर पर जनता की नगरीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित किए जाने का आह्वान किया है। राज्यपाल मिश्र सोमवार को सिरोही जिले के शिवगंज में नवीन नगर पालिका भवन के लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शहरों में जल संरक्षण की संस्कृति विकसित किए जाने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के निवासी पानी की एक-एक बूंद को सहेजने के लिए आरम्भ से ही जागरूक रहे हैं। आधुनिक समय में भी जल की बर्बादी को रोकने के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां जल है वहां भगवान विराजते हैं। उन्होंने शिवगंज में नगरपालिका की ओर से वर्षा जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान भी किया। राज्यपाल ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से सिरोही जिला बहुत महत्वपूर्ण है। माउण्ट आबू के अलावा यहां और भी ऐसे बहुत से स्थान है, जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जिले में प्राकृतिक पर्यटन से जुड़े ऐसे स्थलों को चिन्हित कर वहां पर्यटन के विकास पर भी बल दिया। राज्यपाल ने शिला पट्टिका का अनावरण करने के बाद फीता काट कर नगर पालिका भवन का लोकार्पण किया और अवलोकन किया। उन्होंने नगरपालिका का नवीन भवन सोलर सिस्टम, वाटर हॉर्वेस्टिंग सिस्टम और ग्रीन तकनीक को अपनाते हुए पर्यावरण मानकों के अनुरूप तैयार किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। सांसद देवजी एम. पटेल ने कहा कि जिले में आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने जिले में विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग सुनिश्चित करवाने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री सलाहकार एवं विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि शिवगंज कस्बे का 169 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है और यहां नगर के विकास कार्यो में भामाशाह भी बढ़-चढ़कर योगदान करते हैं। उन्होंने सिरोही जिला मुख्यालय को रेलमार्ग से जोड़ने, केंद्रीय विद्यालय एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की। उन्होंने शिवगंज में करवाए गए विकास कार्यों की जानकारी भी दी। नगरपालिका अध्यक्ष वजींगराम घांची ने कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन नगर पालिका भवन भविष्य की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।लोकार्पण समारोह में जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, प्रशासनिक अधिकारी और आमजन उपस्थित रहे। बाद में राज्यपाल मिश्र ने शिवगंज-सुमेरपुर की सीमा पर निर्मित जवाई रिवर फ्रंट का अवलोकन किया। उन्होंने इसे स्थानीय निवासियों और सैलानियों के लिए विशेष आकर्षण बताते हुए यहां कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य की सराहना की।

एचएयू ने बढ़ाई विभिन्न कोर्सों की फीस, विरोध में धरने पर बैठे विद्यार्थी

हिसार (हिंस)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न कोर्सों की फीस बढ़ाए जाने का विद्यार्थियों ने विरोध किया है। विद्यार्थियों ने विरोधस्वरूप कुलपति कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने बी टैक, बीएससी, एमएससी, एम टैक व पीएचडी की फीस दोगुनी से भी ज्यादा कर दी है, जिससे विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। विद्यार्थियों ने सोमवार को कुलपति कार्यालय के समक्ष धरना लगाया जिसमें कक्षाओं के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उनका कहना है कि फीस वृद्धि के खिलाफ रजिस्ट्रार को ज्ञापन दिया जा चुका है लेकिन विश्वविद्यालय की तरफ से कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। ऐसे में अगर विश्वविद्यालय छात्रों की मांगों को पूरा नहीं करता तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। छात्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एकदम से ही सभी कक्षाओं की फीस में इजाफा लेने से छात्रों पर आर्थिक

दबाव बढ़ गया है जिसके चलते विद्यार्थी काफी परेशान है। छात्रों ने कुलपति को मेल के माध्यम से अपना विरोध जताया था। पीएचडी होल्डर का स्थाई फंड 10 हजार से तीन हजार रुपए कर दिया। छात्रों ने कहा कि बीएससी कोर्स लड़कों की फीस 11620 से बढ़ाकर 26405 रुपए कर दी गई है। एमटेक की फीस 15410 से बढ़ाकर 38655 रूपए कर दी गई।

कुरुक्षेत्र महापंचायत बेनतीजा, किसानों ने दिल्ली-जम्मू मार्ग पर लगाया जाम

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में सूरजमुखी पर एमएसपी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को कुरुक्षेत्र में हुई महापंचायत बेनतीजा रही। प्रशासन के साथ वार्ता विफल रहने के बाद किसानों ने दिल्ली-जम्मू मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम में हजारों लोग फंस गए। जाम में फंसे लोगों को निकालने के लिए पुलिस ने दोनों ओर के ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया। किसान नेताओं ने बताया कि दो बार प्रशासन से बातचीत हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहरलाल से करनाल में बात करने का भरोसा दिया लेकिन बाद में कहा कि वे चले गए हैं। इससे साफ है कि सरकार पूरे मामले को लेकर गंभीर नहीं है। इसलिए लाठी-डंडे पड़ें या जेल भेजें, अब हाइवे जाम किया जाएगा। किसानों ने सोमवार को सूरजमुखी को लेकर एमएसपी दिलाओ-किसान बचाओ रैली का आयोजन किया। इसमें हरियाणा के अलावा राजस्थान, पंजाब, उत्तराखंड,

हिमाचल प्रदेश और यूपी से हजारों की संख्या में किसान पहुंचे। किसान सूरजमुखी पर एमएसपी और किसान नेता गुरनाम चढूनी व दूसरे नेताओं की रिहाई की मांग कर रहे थे। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों ने एमएसपी की मांग की तो उन्हें लाठियां मिलीं। टिकैत ने ऐलान किया कि सरकार चढूनी को तुरंत रिहा करे वर्ना आंदोलन को तेज किया जाएगा। एक किसान पर लाठी पड़ेगी तो पूरे देश का किसान इकट्ठा होगा। किसान नेता सुरेश कोच ने कहा कि जब तक बात सूरजमुखी की है, तब तक बात गुरनाम सिंह चढूनी समेत 9 किसानों को छोड़ने की है। रैली में पहलवान बजरंग पूनिया भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहले किसान अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ लड़ रहे थे। हम बृजभूषण के खिलाफ लड़ रहे हैं। किसी पर एक्शन नहीं हुआ। किसानों को सड़क पर खड़े देखकर दुख होता है। हम भी ऐसे ही परिवारों से हैं। हम जितने भी खिलाड़ी हैं, हम आपके साथ हैं। किसानों की आज दो बार प्रशासन के साथ वार्ता हुई। बातचीत में कोई हल नहीं निकलने पर किसानों ने दिल्ली-जम्मू मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया।

कश्मीर में लोगों को भय और आतंक में रखने के लिए अधिकारियों ने बनाया सिस्टम : फारूक अब्दुल्ला

बडगाम (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने लोगों को भय और आतंक में रखने के लिए एक सिस्टम बना रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक सोमवार को बडगाम जिले में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में आवाज उठाने और सच बोलने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। लोगों को सच बोलने से दूर रखने के लिए जम्मू-कश्मीर में भय और आतंक की स्थिति पैदा की गई है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेस की आजादी का गला घोंट दिया गया है और अखबार सरकार के मुखपत्र बन गए हैं और केवल सरकारी बयानबाजी करते हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नशाखोरी ने युवा पीढ़ी को बर्बाद कर दिया है। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो युवाओं का भविष्य काफी अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज से नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए हर किसी को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रहती है तो यह पीढ़ियों को नष्ट कर देगी और देश को भविष्य में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

पंजाब पुलिस ने 11 माह में पकड़े 14 हजार से अधिक तस्कर

चंडीगढ़ (हिंस)। नशों की बीमारी को जड़ से उखाड़ने के लिए शुरू की गई निर्णायक जंग को लगभग एक साल पूरा होने वाला है। इस मुहिम के अंतर्गत पंजाब पुलिस ने पिछले साल पांच जुलाई से अब तक 2132 बड़ी मछलियों सहित 14952 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुल 11147 एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें से 1313 कमर्शियल मात्रा से संबंधित हैं। पंजाब पुलिस मुख्यालय के इंस्पेक्टर जनरल सुखचैन सिंह गिल ने सोमवार को बताया कि पुलिस टीमों ने राज्य भर से नशा प्रभावित इलाकों में संवेदनशील रूटों पर नाके लगाए और घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाकर 987. 75 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। इसके अलावा पंजाब पुलिस की टीमों ने गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाहों से 147.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी जिससे सिर्फ 11 महीनों में

हेरोइन की कुल बरामदगी 1135.25 किलोग्राम हो गई है। आईजीपी ने बताया कि पुलिस ने राज्य भर में से 731 किलो अफीम, 840.76 किलो गांजा, 350.40 क्विंटल भुक्की और 62.49 लाख गोलियां/कैप्सूल/टीके/शीशियां बरामद की हैं। पुलिस ने इन 11 माह में पकड़े गए नशा तस्करों के पास से 11.83 करोड़ रुपए की ड्रग मनी भी बरामद की है। आईजीपी ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में पुलिस ने 234 एफआईआर, जिनमें 31 कमर्शियल मात्रा से संबंधित हैं दर्ज करके 308 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया है और 33.73-किलोग्राम हेरोइन, 13.90-किलो अफीम, 16.12 किलो गांजा, 5.85 क्विंटल भुक्की, 39004 गोलियां/कैपसूल/टीके/फार्मा ओपीऔड़ की शीशियों के अलावा 10.48 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की। उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते में 10 अन्य भगौड़े एनडीपीएस मामलों में गिरफ्तार किए जाने से 5 जुलाई को पीओ/भगोड़ों को गिरफ्तार करने के लिए शुरू की गई विशेष मुहिम के बाद गिरफ्तारियों की कुल संख्या अब 906 तक पहुंच गई है।

मुख्य सचिव ने फाइलों को दबाकर बैठे अधिकारियों को लगाई फटकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सीएफएमएस की लंबित फाइलों के निपटान के लिए सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन फाइलों को एक सप्ताह के भीतर निपटाया जाए और महीने में एक दिन सीएफएमएस के कार्यों की समीक्षा बैठक की जाएगी। मुख्य सचिव कौशल सोमवार को सेंट्रलाइज फाइल मूवमेंट एंड ट्रैकिंग इनफार्मेशन सिस्टम से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से पेंडेंसी के कारण पूछे और 30 दिन से ज्यादा दिनों तक फाइल अपने पास रखने वाले अधिकारियों को फटकार लगाई। कौशल ने जल्द से जल्द उन फाइलों की पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग के अधिकारी हर सप्ताह सीएफएमएस की पेंडेंसी को लेकर एक बैठक करना सुनिश्चित करेगें। संजीव कौशल ने उन अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रशंसा भी की, जिन्होंने समय पर फाइलों का निपटान किया। बैठक में कार्मिक, प्रशिक्षण, सतर्कता एवं संसदीय कार्य विभाग के विशेष सचिव प्रभजोत सिंह, मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव आदित्य दहिया, सचिवालय स्थापना के विशेष सचिव सम्वर्तक सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

दस लाख गायों की मौत हुई, सरकार सिर्फ 40 हजार का ही दे रही मुआवजा : शर्मा

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने लंपी वायरस से मरी गायों के मुआवजे को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लंपी से प्रदेश में 10 लाख गायों की मौत हुई थी परंतु सरकार सिर्फ 40 हजार गायों का ही मुआवजा दे रही है। मुआवजा राशि, जो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुखिया कह रहे हैं कि 16 जून से प्रदेश में लंपी वायरस से मरने वाली गायों का गो-पालकों को मुआवजा राशि देने का काम करेंगे लेकिन राज्य सरकार कितना मुआवजा देने का काम कर रही है। राज्य सरकार मुआवजा उन्हीं गो पालकों को दे रही है, जिन गो पालकों की गायों की मौत सरकारी चिकित्सालयों में उपचार के दौरान हुई है। उन्हीं मौतों के आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध है, जिनको आप मुआवजा देने की बात कर रहे हो। जो पूरे प्रदेश में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। प्रदेश में लंपी वायरस से 10 लाख से अधिक गोवंश काल के ग्रास में चला गया और आप सिर्फ और सिर्फ 40 हजार गायों का ही मुआवजा देने का काम कर रहे हो, इस तरीके से किसानों के साथ अन्याय है। किसानों की लाखों गाये जो मौत के ग्रास में चली गई वो वास्तविकता के अंदर मुआवजा पाने के हकदार हैं और राजस्थान की सरकार उनको मुआवजे से वंचित रखना चाहती है। आवश्यकता इस बात कि सरकार यदि ईमानदारी के साथ गो- पालकों को मुआवजा देना चाहती है तो तमाम उन गो-पालकों को मुआवजा देवें जिनकी लंपी वायरस के दौरान गायों की मौत हुई है।

केंद्र सरकार की योजना के तहत 39 नए टॉवर लगाने का काम जारी

झालावाड़ (हिंस)। जिले के 252 ग्राम पंचायतों को अब 4जी मोबाइल नेटवर्क से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने योजना में शामिल करने के बाद अब दूर दराज में बैठे गांवों के लोग भी बिना किसी नेटवर्क की समस्या के मोबाइल और बेसिक फोन से बात कर सकेंगे। ऑनलाइन होने वाली सुविधाओं का लाभ भी गांव में ही उठा सकेंगे। इसके लिए जिले में 39 नए टॉवर लगाने का काम शुरू हो गया हैं। इस पर करीब 39 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पूरे देश में 25 हजार करोड़ का यह प्रोजेक्ट चल रहा है। संतृप्त योजना के तहत अब देश के सभी ग्रामों तक नेटवर्क की कनेक्टिविटी के लिए 4 जी मोबाइल सेवा योजना से झालावाड़ जिला भी जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद देशभर के समस्त मोबाइल सेवा से वंचित गांवों में 4 जी मोबाइल सेवाओं से ग्रामीण उपभोक्ताओं को जोड़ने के लिए योजना शुरू की हैं। झालावाड़ जिले में 39 गांव जहां किसी भी कंपनी का नेटवर्क नहीं आता है ऐसे में यहां टावर के लिए राज्य सरकार की ओर से जगह उपलब्ध कराने के बाद काम प्रगति पर है अब तक 35 स्थानों पर जगह उपलब्ध होने पर काम शुरू कर दिया है। जबकि चार जगह का कार्य जगह चिन्हित के लिए अंतिम प्रकिया में हैं। यह काम दिसंबर 2023 तक पूरा करना है। इसके अलावा, 2जी/3जी कनेक्टिविटी वाले गांवों को अपग्रेड करके वहां 4जी कनेक्टिविटी सुलभ कराई जाएगी। इसके चलते ग्रामीण इलाकों के लोगों को ऑनलाइन होने वाले अपने सरकारी कामकाज के लिए शहरों के चक्कर नहीं लगाने होंगे ग्राम पंचायत स्तर पर ही उनको ऑनलाइन सेवाओं का लाभ बेहतर नेटवर्क से मिल सकेगा। दूरसंचार विभाग अधिकारी केएल नागर ने बताया कि केंद्र की योजना के तहत जिले में 39 टावर का काम चल रहा है। प्रति टावर करीब 1 करोड रुपए का खर्चा आएगा। बीएसएनएल नेटवर्क अपग्रेड होने से शहर से लेकर ग्रामीण स्तर तक के वक्ताओं को राहत मिलेगी। जहां किसी भी कंपनी का नेटवर्क नहीं आता है। वहां बीएसएनएल नेटवर्क उपलब्ध कराएगा।

स्वतंत्रता संग्राम में नीलाम हुई जमीन वापस लेने की मांग को ले धरने पर रोहणातवासी

भिवानी (हिंस)। जिला का गांव रोहणात राष्ट्र भक्तों का ऐसा गांव है, जिसने आजादी के लिए अपना सर्वस्व त्याग किया है। 1857 की क्रांति में अहम भूमिका निभाने वाले और आजादी के लिए पूरे गांव की कुर्बानी देने वाले गांव रोहणात को आज तक शहीद गांव का दर्जा नहीं मिला है तथा न ही अंग्रेजों द्वारा नीलाम की गई जमीन इस गांव को वापिस मिली, जो कि न सिर्फ रोहणात वासियों का, बल्कि उन शहीदों का भी अपमान है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया था। यह बात कामरेड़ भूप सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम में गांव रोहणातवासियों की नीलाम की गई जमीन को वापिस दिलवाए जाने की मांग को लेकर स्थानीय लघु सचिवालय के समक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर शहीद सम्मान मोर्चा शहीद गांव रोहणात के बैनर तले जारी धरने को संबोधित करते हुए कही। नीलाम की गई जमीन वापिस दिलवाए जाने की मांग को जारी रोहणातवासियों का धरना सोमवार को 65वें दिन भी जारी रहा।

गुजरात की ओर बढ़ते चक्रवात से राजस्थान में तूफानी बारिश के आसार

जयपुर (हिंस)। अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान *बिपरजॉय* के गुजरात के तरफ बढ़ने के साथ राजस्थान में मौसम खराब होने के आसार बढ़ गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 15 जून से राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में कई जगह भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा कुछ जगहों पर 60-70 किमी की गति से तेज हवा चल सकती है। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। चक्रवात ने पहले ओमान की तरफ रुख किया था, लेकिन अब उसका रास्ता बदल गया है। इसके असर से राजस्थान में नमी भी बढ़ गई है। इससे उमस और गर्मी तेज हो गई है। प्रदेश में रविवार को अजमेर, अलवर, उदयपुर, सीकर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों के अलावा शेष सभी जगह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। कोटा और बूंदी में तापमान सबसे ज्यादा 43.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। राजधानी जयपुर में भी इस महीने तापमान दूसरी बार 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जोधपुर, धौलपुर, बाड़मेर और चित्तौड़गढ़ में भी कल दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। मौसम विशेषज्ञों ने सोमवार को उत्तर-पूर्वी राजस्थान में दोपहर बाद मौसम में बदलाव होने की संभावना जताई है। पाकिस्तान, पंजाब सीमा में सक्रिय

चक्रवाती परिसंचरण और उत्तर भारत में आए कम प्रभाव वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं और अलवर क्षेत्र में दोपहर बाद मौसम बदल सकता है। यहां आंधी चल सकती है। आसमान में बादल छा सकते हैं। इसके अलावा कुछ हिस्सों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने के साथ ओले भी गिरने का अनुमान है। राजस्थान में अब रात में भी गर्मी तेज हो गई है। जोधपुर के फलोदी में रात का न्यूनतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आया। इसी तरह बीकानेर में 30.4, बारां में 31.4, कोटा में 31.5 और बूंदी में रात का तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, पाली, बाड़मेर समेत कई शहरों में आर्द्रता का स्तर 55 फीसदी से ज्यादा होने के कारण यहां दिन और रात में उमस तेज हो गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार 12-13 जून को राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्से (श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, झुंझुनूं और बीकानेर) को छोड़कर शेष जिलों में मौसम शुष्क रहेगा और गर्मी-उमस तेज रह सकती है। 14 जून से राज्य के दक्षिण-पश्चिम हिस्सों चक्रवात का असर दिखने लगेगा। इससे उदयपुर, जोधपुर संभाग में मौसम बदलेगा। सिरोही, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, जालोर, बाड़मेर, पाली और बाड़मेर जिले में तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद 15 जून को तेज बारिश होने की संभावना है। प्रदेश के अजमेर में 39.3, भीलवाड़ा में 40.7, अलवर में 39.8, जयपुर में 40.1, पिलानी में 40.1, सीकर में 38, कोटा में 43.6, बूंदी में 43.6, चित्तौड़गढ़ में 41.3, उदयपुर में 38.6, धौलपुर में 42.5, बारां में 42.8, करौली में 41.5, बाड़मेर में 41.4, जैसलमेर में 40.7, जोधपुर में 41.1, फलौदी में 42, बीकानेर में 40.8, चूरू में 40.5, श्रीगंगानगर में 35.7, हनुमानगढ़ में 34.8 और जालोर में 40.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान मापा गया।

अंबाला के साइंस उद्योग ने चीन को छोड़ा पीछे, कोरोना काल के बाद किएहैं कई बड़े परिवर्तन

अंबाला।
चीन से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलने के बावजूद अंबाला का साइंस उद्योग विदेश में भी अपनी धाक जमा चुका है।खास बात है कि यह उद्योग बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है।कईदेशों में तो यह चीन को भी पीछे छोड़ चुका है और यूरोपीय देशों में अब अंबाला के साइंस उद्योग के उत्पादों की आपूर्ति हो रही है। कोरोना काल के बाद से साइंस उद्योग ने अपने यहां बड़े परिवर्तन किए हैं। गुणवत्ता में सुधार के लिए ऑटोमेशन तकनीक और आधुनिक मशीनों का सहारा ले रहे हैं। गुणवत्ता में सुधार की वजह से विदेश में भी यहां के उत्पादों की मांग बढ़ी है।उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अभी तक अंबाला में बनने वाले साइंस उद्योग के उत्पाद सार्क और गल्फ देशों में जाते थे, लेकिन अब यूरोपीय देशों में भी इनकी मांग बढ़ी है। अंबाला के लघु एवं कुटीर उद्योग के तहत एक हजार उद्योग और 100 बड़े उद्योगपति एवं कर्मचारी चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच विदेश में अपने उत्पादों की मांग बढ़ाने के काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं। यह उद्योग स्कूल कॉलेजों में प्रयोग होने वाले साइंस उत्पादों से लेकर अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली मशीनों तक का निर्माण करता है।

5000 करोड़ से अधिक का है अंबाला का साइंस उद्योग – अंबाला का साइंस उद्योग अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिएऑटोमेशन और रोबोटिक तकनीक का सहारा ले रहा है।इसके लिएअंबाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (असीमा) के तहत उद्योगपतियों ने देश में विभिन्न स्थानों पर मशीनों के एक्सपो में भाग लेना शुरू किया।वहां उन्हें पता चला कि कई ऐसी नई मशीनें आ गई हैं जो कम समय में अधिक मात्रा में और ज्यादा गुणवत्ता के साथ उत्पाद तैयार कर सकती हैं। साइंस उद्योग से जुड़े कारोबारी इन आधुनिक मशीनों को खरीदकर अपने यहां लगा रहे हैं।

रिवर्स इंजीनियरिंग का सहारा लेकर चीन को पछाड़ा – असीमा के अधिकारी बताते हैं कि कोविड-19 के समय से पहले कई उत्पादों के लिए चीन पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन, केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान ने सबकुछ बदल दिया। सरकार से प्रोत्साहन मिला तो उद्योग से जुड़े कारोबारियों ने चीन में बनने वाले उत्पादों को अंबाला में रिवर्स इंजीनियरिंग के माध्यम से तैयार किया।

न्यूज ब्रीफ

कैशलेस क्लेम के लिए नेटवर्क अस्पताल में ही कराएं इलाज, सुविधा के लिए इन बातों का भी रखें ध्यान

नई दिल्ली। किसी भी मेडिकल इमरजेंसी में इलाज पर होने वाले खर्च का बोझ व्यक्ति की बचत पर न पड़े, इसके लिए स्वास्थ्य बीमा काफी कारगर है। अगर आपके पास स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी है तो मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में आप बिना किसी खर्च के इलाज करा सकते हैं। इस खर्च से बचने के दो तरीके होते हैं। पहला...रिइंबर्समेंट क्लेम और दूसरा...कैशलेस क्लेम। रिइंबर्समेंट के तहत अगर अस्पताल उस बीमा कंपनी के नेटवर्क में शामिल नहीं है, जिससे आपने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ली है तो ऐसी स्थिति में पॉलिसीधारक को इलाज खर्च के भुगतान के बाद रिइंबर्समेंट क्लेम डालना होता है। वहीं, कैशलेस इलाज के लिए जरूरी है कि अस्पताल बीमा कंपनी के नेटवर्क में होना चाहिए, तभी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में आप कैशलेस इलाज करा सकते हैं। अस्पताल में जाने के बाद आपको टीपीए डेस्क से एक प्री-ऑथराइजेशन फॉर्म मिलता है। उसमें कुछ बुनियादी विवरण भरने होते हैं। टीपीए या बीमा कंपनी का प्रतिनिधि विवरण भरने में आपकी मदद करेगा। फॉर्म भरने के बाद इसे अस्पताल में बीमा डेस्क के जरिये बीमाकर्ता के पास जमा करा दें। वहां वह फॉर्म बीमा कंपनी को भेजने से पहले उसमें डॉक्टर के नोट जैसे सभी जरूरी दस्तावेज संलग्न करता है। पॉलिसी के नियमों और शर्तों के आधार पर बीमा कंपनी से प्रारंभिक स्वीकृति मिलने के बाद इलाज शुरू होता है। कैशलेस क्लेम पॉलिसीधारकों के लिए हमेशा फायदेमंद होता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए जरूरी है कि पॉलिसीधारक की पॉलिसी चलती रहे और इलाज का खर्च स्वीकार्य सीमा के भीतर हो। ध्यान देने वाली बात यह है कि कैशलेस क्लेम सुविधा का लाभ उठाने के लिए नेटवर्क वाले अस्पताल की तलाश करें।

भारत की जीडीपी 3.75 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंची, वित्त मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट कर कही ये बात

नई दिल्ली । भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सोमवार को 3.75 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया। प्रमुख विकास संकेतक 2023 में 3.75 ट्रिलियन तक पहुंच गया है, जो 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने एक ट्वीट में इसकी पुष्टि की। ट्वीट में कहा गया, भारत की जीडीपी 2023 में 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर थी। इस तरह भारत दुनिया की 10 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। भारत को अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उवल स्थान के रूप में जाना जाता है।

भारत में निवेश करने में यूएई 7वें से चौथे स्थान पर, सिंगापुर 17 अरब डॉलर के साथ सबसे आगे

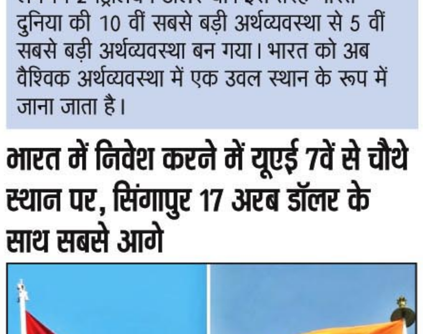

नई दिल्ली । भारत में निवेश करने के मामले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। पिछले साल मई में दोनों देशों के बीच मुफ्त कारोबार एग्रीमेंट हुआ था। पिछले वित्त वर्ष में यूएई से भारत में 3.35 अरब डॉलर का निवेश आया जो 2021-22 में महज 1.03 अरब डॉलर था। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में भारत में निवेश करने के मामले में यूएई सातवें स्थान पर था। सिंगापुर 17.2 अरब डॉलर के साथ पहले स्थान पर है जबकि मॉरीशस 6.1 अरब डॉलर के साथ दूसरे और अमेरिका 6 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात भारत में मुख्य रूप से सेवाओं, समुद्री परिवहन, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश करता है। दोनों देशों के बीच निवेश के तेजी से मजबूत होने का श्रेय मजबूत द्विपक्षीय संबंधों, यूएई से निवेश प्रतिबद्धताओं में वृद्धि व व्यापार करने में आसानी के लिए नीतिगत सुधारों को दिया जा सकता है। यूएई से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक 18 फरवरी, 2022 को भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करना भी है। यह समझौता एक मई, 2022 को लागू हुआ है।

विजन प्रो के सस्ते वेरिएंट पर काम कर रहा एपल

2025 के लास्ट तक लॉन्च करके बड़े यूजर बेस तक पहुंचना चाहती है कंपनी

नई दिल्ली।
टेक कंपनी एपल अपने पहले मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट विजन प्रो के सस्ते वेरिएंट पर काम कर रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी क्वालिटी और फीचर्स को ज्यादा कॉम्प्रोमाइज किए बिना कम कीमत वाला विजन प्रो बनाएगी। एपल ने साल 2025 के लास्ट तक विजन प्रो के सस्ते वेरिएंट को लॉन्च करने का टारगेट रखा है। इसके जरिए कंपनी अपने डिवाइस को बड़े यूजर बेस तक पहुंचाना चाहती है। दरअसल, एपल ने 5 जून की रात इवेंट में अपना पहला हेडसेट विजन प्रो को 3500 डॉलर (लगभग 2.88 लाख रुपए) में पेश किया है। कॉम्पिटिटर मेटा के क्वेस्ट से इसकी कीमत 7 गुना अधिक है।

कैसे कम कीमत वाला विजन प्रो बनाएगा एपल

रिपोर्ट में बताया गया है कि विजन प्रो की कीमत बढ़ाने में मुख्य रूप से उसके कैमरे, डुअल एपल सिलिकॉन चिप, सेंसर अरे और ट्विन माइक्रो डिस्प्ले हैं। विजन प्रो के कम कीमत वाले वैरिएंट में कंपनी कम क्वालिटी वाले डिस्प्ले का ऑप्शन चुन सकती है। वहीं, एपल आईफोन-ग्रेड या पुराने मैक चिप्स को यूज करने के साथ डिवाइस में कैमरों की संख्या कम कर सकता है। इसके साथ ही डिवाइस के मौजूदा बिल्ट-इन स्पीकर हटाया जा सकता है, जिसकी जगह पर यूजर्स को एयरपॉड यूज करना पड़ेगा। इसके अलावा कंपनी डिवाइस के कई फीचर्स को कम करेगी।

सस्ते विजन प्रो में क्या बदलाव नहीं करेगी कंपनी

माना जा रहा है कि एपल विजन प्रो के सस्ते वेरिएंट में डिवाइस के बाहर की स्क्रीन में किसी भी प्रकार के बदलाव नहीं करेगी। डिवाइस के बाहर की इस स्क्रीन को आईसाइट के रूप में जाना जाता है, जो आंख और हाथ-ट्रैकिंग सिस्टम के साथ विजन प्रो के यूजर्स की आंखों को दिखाती है। यह विजन प्रो की कोर फंक्शनैलिटी है, जिसे कंपनी सस्ते वैरिएंट में भी बनाए रख सकती है।

एडवांस्ड न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट पर बेस्ड है विजन प्रो

'विजन प्रो' एडवांस्ड न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट पर बेस्ड है। यह एनपीयू आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए यूजर के आसपास के माहौल का रियल टाइम में एनालिसिस कर ऑग्मेंटेड रियलिटी का अलग अनुभव देगा। चाहे वास्तविक जगत पर वर्चुअल चीजों को प्रस्तुत करना हो या उससे संबंधित सूचनाएं देनी हों, 'विजन प्रो' डिवाइस बहुत ही आसानी से डिजिटल कंटेंट को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ देता है।

सटीक मैपिंग कर 3डी तस्वीर तैयार करता है

'विजन प्रो' की एक खासियत इसकी लेटेस्ट स्पेस मैपिंग टेक्नोलॉजी है। यह कैमरों सहित एडवांस्ड सेंसर से सुसज्जित डिवाइस यूजर के आसपास की जगह की सटीक मैपिंग कर 3डी तस्वीर तैयार कर देता है। इससे वर्चुअल वस्तुओं को वास्तविक जगत के धरातल से सटीक तरीके से जोड़ने में मदद मिलती है। यह ऑग्मेंटेड रियलिटी का ज्यादा यथार्थवादी और भरोसेमंद अनुभव देता है।

रियल टाइम में शेयर कर सकते हैं ऑग्मेंटेड रियलिटी का अनुभव

विजन प्रो से कोई भी यूजर ऑग्मेंटेड रियलिटी का अपना अनुभव रियल टाइम में अन्य लोगों के साथ शेयर कर सकता है। हाई रिजॉल्यूशन डिस्प्ले वर्चुअल दुनिया को यूजर के वास्तविक संसार के साथ बेहतर रूप से जोड़ता है। चाहे किसी डिजाइन प्रोजेक्ट पर कोलेबोरेट करना हो या इंटरैक्टिव गेम में शामिल होना हो, विजन प्रो शेयर्ड प्रजेंस और कनेक्टिविटी के जरिए ऐसा किया जा सकता है।

आंखों और हाथों के मूवमेंट से इसे ऑपरेट कर सकते हैं

विजन प्रो में एक्सेप्शनल कलर एक्युरेसी के साथ एक हाई-रिजॉल्यूशन डिस्प्ले मिलता है। यह सुनिश्चित करता है कि वर्चुअल ऑब्जेक्ट यूजर्स के रियल-वर्ल्ड व्यू के साथ मिश्रित हों। इसमें एडवांस्ड आई-ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी भी है। यूजर्स आंखों और हाथों के मूवमेंट से इसे ऑपरेट कर सकते हैं। डिवाइस यूजर्स को फिल्में देखने, वीडियो गेम खेलने और न्यूज आर्टिकल्स पढ़ने में सक्षम बनाता है।

एडवांस्ड एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल और सुरक्षित डेटा स्टोरेज

यूजर के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए इसमें एडवांस्ड एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल और सुरक्षित डेटा स्टोरेज है। मैपिंग डेटा की प्रोसेसिंग स्थानीय होती है, जिसे एपल के सर्वर पर साझा नहीं किया जाता। इसे एपल के दूसरे डिवाइस आईपैड, आईफोन से आसानी से जोड़ा जा सकता है। इस तरह से एपल के दूसरे प्लेटफॉर्म पर ऑग्मेंटेड रियलिटी का बेहतरीन अनुभव हासिल किया जा सकता है। एपल के सीईओ टिम कुक प्रोडक्ट अनवीलिंग के दौरान विजन प्रो को लेकर काफी एक्साइटेड थे। उन्होंने कहा, एपल विजन प्रो ऑग्मेंटेड रियल्टी की दुनिया में एक महत्वपूर्ण छलांग है। हमारा मानना है कि ये हमारे टेक्नोलॉजी और आसपास की दुनिया के साथ संवाद करने के तरीके को फंडामेंटली बदल देगा।

स्पेसएक्स ने 14 साल के बच्चे को नौकरी दी

एलन मस्क की कंपनी में स्टारलिंक इंजीनियरिंग टीम में काम करेंगे कैरन काजी

कैलिफोर्निया।
दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने 14 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर कैरन काजी को नौकरी दी है। कैरन अमेरिका के कैलिफोर्निया के रहने वाले हैं, जिन्हें स्पेसएक्स ने अपनी स्टारलिंक इंजीनियरिंग टीम में शामिल किया है। नौकरी ज्वाइन करने के बाद वह स्पेसएक्स में अब तक के सबसे कम उम्र के नौकरी करने वाले एम्प्लॉई बनेंगे। कैरन ने 11 साल की उम्र में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की थी। इस हफ्ते वह सांता क्लारा यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी करेंगे, जिसके बाद कैरन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के बच्चे होंगे। इसके बाद वह अगले महीने स्पेसएक्स में नौकरी ज्वाइन करेंगे।

मेरे टैलेंट के हिसाब से स्पेसएक्स ने मुझे काम दिया – कैरन काजी ने लिंक्डइन में पोस्ट करते हुए कहा,मैं स्टारलिंक इंजीनियरिंग टीम में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में प्लैनेट की सबसे अच्छी कंपनी में शामिल हो रहा हूं। ये कंपनी उन दुर्लभ कंपनियों में से एक है जिसने मेरी उम्र को न देखते हुए मेरे टैलेंट के हिसाब से मुझे काम दिया है।

कैरन अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा मैच्योर बातें करते हैं – कैरन की मां जूलिया ने कहा कि हमें शुरू से ही पता चल गया था कि कैरन कोई साधारण बच्चा नहीं है। वह 2 साल की उम्र में पूरे सेंटेंस को बोल लेता था। तभी से हमें पता चल गया था कि वह अन्य बच्चों से अलग है। जिसे खबर को वह टीवी-रेडियो पर सुनता था उसे उसी तरह टीचर्स और अन्य बच्चों को सुना देता था। इसके बाद क्लास 3 में टीचर्स को पचा चल गया था कि कैरन की सीखने की क्षमता बहुत तेज है। वह कुछ ही मिनटों में पूरे चैप्टर को याद कर लेता है। उन्होंने बताया कि 9 साल की उम्र में कैरन को लास पोसिटास कम्युनिटी कॉलेज में और 11 साल की उम्र में यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाया। कैरन शुरू से ही अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा मैच्योर लगता है और बातें भी वैसी करता है।

इंडिगो में गंगवाल परिवार की ओर से अपनी हिस्सेदारी कम करने की खबर, शेयर तीन प्रतिशत तक टूटे

नई दिल्ली ।
इंडिगो के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल का परिवार भारतीय एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड में 5प्रतिशत से 8प्रतिशत तक की हिस्सेदारी कम करने की योजना पर काम कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडिगो सह-संस्थापक का परिवार कंपनी में अपनी 7,500 करोड़ रुपये (909.58 मिलियन डॉलर) तक की हिस्सेदारी की बिकवाली कर सकता है। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 31 मार्च तक इंटरग्लोब में राकेश गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल की हिस्सेदारी क्रमशः 13.23प्रतिशत और 2.99प्रतिशत है, जबकि उनके चिंकरपू फैमिली ट्रस्ट की हिस्सेदारी 13.5प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगवाल परिवार 15 जुलाई को शेयरों के लिए लॉक इन खुलने पर परिवार ब्लॉक डील के जरिए अपनी हिस्सेदारी कम कर सकता है। शोभा गंगवाल ने फरवरी में कंपनी में अपनी हिस्सेदारी में 4प्रतिशत से अधिक की कटौती की थी। हालांकि इंटरग्लोब एविएशन और गंगवाल परिवार के एक प्रतिनिधि ने टिप्पणी के लिए मीडिया के अनुरोध का फिलहाल जवाब नहीं दिया है। राकेश गंगवाल ने फरवरी 2022 में कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि वह पांच साल में एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे। राकेश गंगवाल और राहुल भाटिया, जिन्होंने 2006 में इंडिगो की सह-स्थापना की थी। वे 2020 की शुरुआत में इंडिगो से अलग हो गए उन्होंने कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन में कुछ नियमों को संशोधित करने की मांग की थी। कंपनी के शेयर जो अब तक इस साल 19प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, हिस्सेदारी बिक्री रिपोर्ट के बाद 3.1प्रतिशत तक कमजोर हो गए।

मई की रिटेल महंगाई घटकर 4.34प्रतिशत पर आ सकती है: ये 25 महीनों का निचला स्तर होगा, जारी होंगे महंगाई के आंकड़े

नई दिल्ली।
भारत की रिटेल महंगाई मई में घटकर 4.34प्रतिशत पर आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो ये 25 महीनों का निचला स्तर होगा। अप्रैल में महंगाई 4.70प्रतिशत रही थी। फूड प्राइसेज में गिरावट के कारण एनालिस्टों ने महंगाई में गिरावट का अनुमान लगाया है। मई महीने के महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस ये आंकड़े जारी करता है। अप्रैल में खाने-पीने के सामान के दामों में गिरावट, बिजली और ईंधन की महंगाई घटने की वजह से रिटेल इंफ्लेशन में गिरावट देखने को मिली थी। सब्जियों की कीमतों में भी नरमी आई थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की होती है। खाद्य महंगाई दर अप्रैल 2023 में घटकर 3.84प्रतिशत पर आ गई थी। मार्च में ये 4.79प्रतिशत रही थी।

महंगाई का घटना इकोनॉमी के लिए अच्छे संकेत – महंगाई में आई गिरावट को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह इकोनॉमी के लिए अच्छे संकेत हैं। सप्लाई चेन में सुधार और कमोडिटी की कीमत में राहत का भी फायदा मिला है। हालांकि, इस महीने हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है।

अर्जुन की नजर बनाए रखने की जरूरत – आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई पर अर्जुन की नजर बनाए रखने की जरूरत को दोहराया था। उन्होंने कहा था कि महंगाई अभी भी 4प्रतिशत के टारगेट से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 4प्रतिशत के ऊपर ही रहने की संभावना है। आरबीआई ने महंगाई अनुमान को 5.2प्रतिशत से घटाकर 5.1प्रतिशत किया है। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है।

सट्टेबाजी वाले ऑनलाइन गेम्स पर बैन लगाएगी सरकार

यूजर को नुकसान पहुंचाने वाले गेम्स पर भी होगा एक्शन, आईटी मिनिस्टर बोले- ब्लूप्रिंट तैयार

नई दिल्ली।
केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिए धर्म परिवर्तन की घटना पर बयान देते हुए कहा कि भारत में तीन टाइप के गेम्स पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके लिए नियमों का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि गेम्स का क्लासिफिकेशन कैसे होगा। हाल ही में गाजियाबाद में गेम्स के जरिए धर्म परिवर्तन की भी एक घटना सामने आई थी।

धर्मांतरण सिंडिकेट में गाजियाबाद पुलिस ने कार्रवाई की थी

ऑनलाइन गेम खिलाने की आड़ में चल रहे धर्मांतरण सिंडिकेट में गाजियाबाद पुलिस ने हाल ही में कार्रवाई की थी। इस सिंडिकेट के मुख्य आरोपी माने जा रहे खान शहनवाज मकसूद उर्फ बद्दो को गाजियाबाद पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले से गिरफ्तार किया था। बद्दो के खिलाफ 30 मई को गाजियाबाद के कविनगर थाने में एफआईआर हुई थी। डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया, पुलिस ने इस केस में तीन पीड़ित बच्चों से पूछताछ की है। इसमें पता चला है कि धर्मांतरण के तीन स्टेप थे। पहले स्टेप में एक ऐसा गैंग एक्टिव था जो अन्य धर्मों के नाम मोबाइल-कम्प्यूटर पर एप पर गेम्स खेलता था। अगर कुछ लड़के गेम हार जाते थे तो उन्हें कुरान की आयत पढ़वाई जाती थी और फिर उन्हें गेम जिताकर कुरान पर भरोसा दिलाया जाता था। सेकेंड स्टेप के द्वारा मुस्लिम लड़के हिंदू नाम की यूजर आईडी बनाकर हिंदू लड़कों से चैटिंग करते थे। उन्हें इस्लामिक रीति-रिवाज अपनाने के लिए बहलाते थे। तीसरे स्टेज में वे प्रतिबंधित इस्लामिक प्रवक्ता जाकिर नाईक के कुछ वीडियो स्पीच सुनाकर इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित करते थे। साथ ही वे इस्लामिक कल्चर और रीति-रिवाज के संबंध में सारी जानकारी उपलब्ध कराते थे। राजीव चंद्रशेखर ने कहा- तीन प्रकार के गेम्स होंगे बैन पहली बार तैयार किया ऑनलाइन गेमिंग फ्रेमवर्क मंत्री ने कहा, पहली बार हमने ऑनलाइन गेमिंग को लेकर एक फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसमें हम देश में 3 प्रकार के गेम्स की अनुमति नहीं देंगे। वर्तमान में गूगल का प्ले स्टोर और एपल का ऐप स्टोर दो प्रमुख एप्लिकेशन स्टोर हैं जो नई घोषणा से प्रभावित होंगे। यूजर को बांधे रखने के लिए डिजाइन किए जाते हैं गेम्स ज्यादातर गेम्स को साइकोलॉजी का इस्तेमाल करके आपको बांधे रखने के लिए ही डिजाइन किया जाता है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि इन गेम्स की लत इसलिए लग जाती है क्योंकि इनका एक्सेस यूजर के हाथों में होता है। वह खाते-पीते हुए यहां तक कि बाथरूम में बैठकर भी खेल को जारी रखता है। कई उदाहरण ऐसे भी सामने आए हैं कि लोग काम के दौरान भी ऐसे गेम खेलते हैं और अपनी नौकरी गंवा देते हैं। 2 मामलों से समझते हैं कि कितनी खतरनाक है ऑनलाइन गैम्बलिंग... केस-1 - भोपाल का 37 साल का युवक अमेरिका में इंजीनियर था। किसी कारण कुछ समय पहले वह भोपाल आ गया। कोविड में लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन गैम्बलिंग की लत लग गई। वह मोबाइल पर तीन पत्ती खेलने लगा। शुरुआत में तो फायदा हुआ। इससे उसका लालच बढ़ता गया। फिर धीरे-धीरे जाल में फंसता चला गया। वह परेशानियों में घिरने लगा। नींद में बदलाव आने लगा। स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया। घरवालों ने डेली रुटीन में बदलाव महसूस किया। करीब डेढ़ महीने से उसकी काउंसिलिंग हो रही है। उसने 6-7 साल में करीब 40 लाख रुपए गंवा दिए हैं। इसके अलावा एक 23 साल का युवा भी गेम की लत में पड़ गया। उसकी भी काउंसिलिंग की जा रही है। केस-2 - सिंगरौली का सनत अपने नाना का लाडला था। नाना ने बुढ़ापे के लिए पाई-पाई जोड़कर बैंक में कुछ लाख रुपए जमा किए थे। एक दिन उन्हें पता चला कि बैंक से साढ़े आठ लाख रुपए किसी ने उनके नाम पर निकाल लिए हैं। जांच की तो पता चला कि ऑनलाइन जुए (गैम्बलिंग) की लत के चलते सनत ने ही फर्जी तरीके से खाते से पैसे निकाले थे।

इलियाना ने दिखा दी अपने होने वाले बेबी के पिता की झलक

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने एक फोटो शेयर कर होने वाले बच्चे के पिता की झलक दिखा दी। इलियाना इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। हालांकि, अभी तक एक्ट्रेस ने ये नहीं बताया कि वह किसके बच्चे को जन्म देंगी, जो बेबी उनके पेट में पल रहा है उसका पिता कौन है। इसी बीच अब इलियाना ने बॉयफ्रेंड संग अपनी एक झलक शेयर की है और खूबसूरत नोट लिखा है। इलियाना डिक्रूज ने इंस्टाग्राम पर बॉयफ्रेंड के साथ एक फोटो शेयर की, लेकिन यह बहुत ही धुंधली मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की है, जिसमें कपल को इंटिमेट पोज देते हुए देखा जा सकता है। हालांकि दोनों का चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, प्रेग्नेंट होना एक बहुत ही सुंदर आशीर्वाद है.. मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी भी इसे एक्सपीरियंस कर पाऊंगी, लेकिन मैं इस जर्नी के लिए अपने आप को भाग्यशाली मानती हूं। मैं यह बता नहीं सकती कि अपने अंदर एक नन्हीं जान को बड़े होते महसूस करना कितना प्यारा है। एक्ट्रेस ने आगे लिखा- अधिकांश दिनों में मैं बस अपने बेबी बंप को देखकर अभिभूत हो जाती हूं- मैं आपसे जल्द मिलने वाली हूं और फिर कुछ दिन ऐसे भी होते हैं, जो बहुत कठिन होते हैं। इसलिए कोशिश कर रही हूं। सब सह रही हूं और चीजें निराशाजनक भी लगती हैं। इलियाना ने बॉयफ्रेंड की तारीफ में लिखा, और जिन दिनों मैं खुद पर दया करना भूल जाती हूं, यह प्यारा मैन मेरी चट्टान बन कर रहता है। उसने मुझे सहारा दिया जब मैं टूटने वाली थी और मेरे आंसू पोछे। मुझे हंसाने के लिए भद्दे चुटकुले सुनाता या मुझे गले लगाता जब वह जानता है कि उस पल में मुझे उसकी जरुरत है। इसके कारण अब सब कुछ इतना कठिन नहीं लगता। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलियाना डिक्रूज ऑस्ट्रेलियन फोटोग्राफर एंड्रू नीबोन संग रिलेशनशिप में थीं। ऐसी भी खबरें आई थीं कि दोनों ने शादी कर ली है, लेकिन साल 2019 में कपल अलग हो गया था। वहीं, बीते साल खबरें उड़ी थीं कि इलियाना, कैटरीना कैफ के कजिन और मॉडल सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं। हालांकि, इन खबरों पर एक्ट्रेस ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

सोनाक्षी के ब्रांड के साथ अभिषेक की कलात्मक यात्रा किसी जादू से कम नहीं

मुंबई (ईएमएस)। एक टैलेंटेड एआई कलाकार अभिषेक गोलेचा ने मंत्रमुग्ध करने वाली रचनाओं ने दुनिया भर के दर्शकों को मोहित कर दिया है। अभिषेक गोलेचा टेक्नोलॉजी एंड क्रिएटिविटी को एक साथ लाकर लोगो के दिलों में अपनी आर्ट से एक नई पहचान बनाई है। अपनी कलात्मक संवेदनाओं के साथ साथ अपनी बुद्धिमत्ता की गहन की समझ को जोड़ते हुए अभिषेक ने एक एआई कलाकार के रूप में खुद के लिए एक जगह बनाई है। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिसने सोनाक्षी सिन्हा के ब्रांड को एक रचनात्मकता दिशा दी है। सोनाक्षी के ब्रांड के साथ अभिषेक की कलात्मक यात्रा किसी जादू से कम नहीं है। उनकी एआई द्वारा डिजाइन की गई मॉडल्स सोनाक्षी के ब्रांड की एक प्रमुख चेहरा बन गई हैं, जिससे फैशन इंडस्ट्री में इस ब्रांड को बहुत लोगों तक पहुंचाने में मदद की है। एआई द्वारा डिजाइन की गई तस्वीरें बिलकुल असली लगती हैं, जिससे लोग उसकी तरफ और भी ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं अपनी आर्ट के माध्यम से अभिषेक ने सोनाक्षी सिन्हा के डिजाइनों में जान दाल दी है, उन्होंने अपनी तकनीकी नॉलेज और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल कर के कला की दुनिया को एक नई राह दी है अभिषेक के साथ एक अद्भुत सहयोग में सोनाक्षी सिन्हा कहती हैं कि एआई के बारे में जैसे की हम जानते हैं, इसके फायदे और नुकसान भी हैं। एक आंट्रेप्रेनुर के रूप में मैं इस टेक्नोलॉजी से काफी प्रभवित हूं और इस्के काम से बहोत ही ज्यादा खुश भी हूं। मेरे प्रेस-ऑन नेल्स ब्रांड के लिए अभिषेक गोलेचा की उल्लेखनीय कलाकृति ने महत्वपूर्ण चर्चा पैदा की है। सोनाक्षी के साथ इस तरह के एक प्रसिद्ध ब्रांड के लिए काम करने पर अभिषेक का कहना है कि सोनाक्षी के साथ काम करना वास्तव में एक अद्भुत अनुभव था, मैंने उनके साथ काम में बहुत अच्छा समय बिताया, वह वास्तव में सबसे विनम्र अभिनेत्रियों में से एक हैं, वह आपको एक दोस्त की तरह महसूस कराती हैं और जब हमने तस्वीरें शेयर कीं तो सभी ने सोचा कि यह फोटोशूट था, लेकिन यह सब एआई से डिजाइन की हुई तस्वीरें थीं। हर कोई इसके बारे में जानकर वास्तव में बहुत प्रभावित और आश्चर्यचकित था।

सुब्रत रॉय के 75 वर्ष पूर्ण होने सुदीप्तो सेन बनाएंगे बायोपिक सहाराश्री

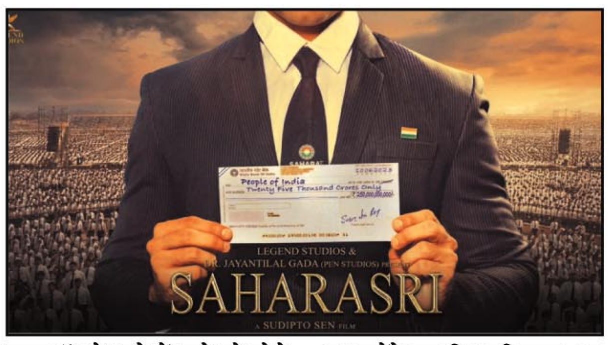

मुंबई (ईएमएस)। सहारा के सुब्रत रॉय 10 जून को अपने साहसपूर्ण जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस अवसर पर उनके जीवन पर आधारित फिल्म सहाराश्री की शूटिंग का ऐलान भी कर दिया है। जश्न के इस खास अवसर पर निमार्ता संदीप सिंह, डॉ. जयंतीलाल गड़ा (पेन स्ट-ूडियोज) और निर्देशक सुदीप्तो सेन ने सहारा परिवार इंडिया के सर्वेसर्वा सुब्रत रॉय के जीवन पर आधारित फि ल्म सहाराश्री बनाने जा रहे हैं। गौरतलब है कि इंडिया टुडे ने साल 2012 में सुब्रत रॉय को साल की सबसे प्रभावशाली शख्सियत ठहराया था। पूरे भारत में रोजगार के सबसे ज्यादा अवसर पैदा करने के लिए सुब्रत रॉय का नाम दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन में भी शामिल हुआ था। सहाराश्री की रोचक कहानी सुब्रत रॉय के रूप में एक मामूली से शख़्स के संघर्ष से शुरू होकर उनके देश के सबसे प्रभावशाली शख्सियत बनने की दास्तां को बड़े ही दिलचस्प अंदाज में बयां करती है। फि ल्म में कानून व्यवस्था के साथ चली उनकी लम्बी लड़ाई को भी बखूबी पेश किया जाएगा। सुब्रत रॉय की जीवन गाथा किसी सिडनी शेल्डन के नोवल की तरह ही बेहद रोचक रही है। फिल्म के निमार्ता संदीप सिंह कहते हैं, दुनिया सुब्रत रॉय के बारे में चाहे जो सोचे या फिर जो कुछ भी कहे, मगर उन्हें लेकर लोगों की धारणाएं गलत हैं, क्योंकि आम लोग उन्हें व्यक्तिगत तौर पर नहीं जानते हैं और ऐसे में लोग उनकी असलियत से नावाकिफ हैं। मैं उनका बहुत आदर करता हूं, अन्य बिजेनसमैन के विपरीत सुब्रत रॉय हमेशा से किसी चट्टान की तरह डटे रहे। वह एकमात्र ऐसे शख़्स हैं जिन्होंने ब्याज समेत 25,000 करोड़ रुपये जितनी बड़ी रकम सेबी को लौटाए। मुझे इस बात की उम्मीद है कि एक ना एक दिन उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। वे आगे कहते हैं, फि ल्म की पटकथा कुछ ऐसी है कि हमें इसके लिए गहन शोध करना पड़ा। गुलजार, एआर रहमान जैसे दिग्गजों और अब सुदीप्तो सेन को एक प्रोजेक्ट के लिए साथ लाना भी कम मुश्किल काम नहीं था। उन्होंने कहा कि आखिरकार अब मेरा सपना पूरा होने जा रहा है, सहाराश्री की शूटिंग जल्द ही शुरू होने जा रही है। फिल्म में सुब्रत रॉय के रोल को बड़े पर्दे पर निभाने के लिए बॉलीवुड के कई बड़े सितारों से बात चल रही है और इसका ऐलान भी जल्द ही कर दिया जाएगा कि सुब्रत रॉय का लीड रोल कौन निभाएगा। फिल्म के निमार्ता है संदीप सिंह और सैम खान। दिलचस्प बात है कि संदीप सिंह लेजेंड स्टूडियोज और जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियोज) की प्रस्तुति सहाराश्री के क्रिएटिव प्रोड्यूसर भी होंगे। सहाराश्री के निर्देशन का ज़िम्मा सुदीप्तो सेन संभालेंगे, इसके लेखक हैं रिषी विरमानी और संदीप सिंह, फि ल्म के संगीतकार हैं। ए. आर. रहमान और गीतकार गुलजार हैं।

भारतीय संगीत कलाकारों के अनुकूल नहीं : जसलीन

गायिका जसलीन रॉयल ने कहा है कि भारतीय संगीत कलाकारों के अनुकूल नहीं है। जसलीन ने ट्विटर पर साझा किया कि वह इस बात से परेशान हैं कि भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं। उन्होंने लिखाः भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं, इससे परेशान हैं! वे यह कहने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि वे कलाकारों के कितने हमदर्द हैं, लेकिन वास्तव में देखा जाय तो वे सबसे ज्यादा शोषण करते हैं। उन्होंने सभी कलाकारों से फिल्मों को अपना काम देने से पहले राय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, सभी कलाकार जो इसे पढ़ रहे हैं। कृपया अपने गीतों को लेबल और फिल्मों को बेचने से पहले राय जरूर लें। हस्ताक्षर करने से पहले अपने अधिकारों और मूल्यों को जानें। बता दें कि गायिका जसलीन रॉयल रांझा, नचदे ने सारे और दिन शगना दा जैसी चार्टबस्टर हिट गाने दिए है।

अक्षय कुमार, सनी और रणबीर की फिल्में 11 अगस्त को एक साथ होंगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। आगामी 11 अगस्त को एक साथ तीन अलग-अलग बड़े सितारों की फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल, सनी देओल की गदर 2 और अक्षय कुमार अभिनीत ओएमजी 2 बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देंगी। अनिल शर्मा निर्देशित गदर 2 2001 की हिट फिल्म गदरः एक प्रेम कथा का सीक्वल है, जिसमें सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म देशभक्ति और परिवार के प्रति प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है और 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। इसी तरह अक्षय कुमार और परेश रावल अभिनीत 2012 की कॉमेडी ड्रामा ओएमजीः ओह माय गॉड का सीक्वल ओएमजी 2 अमित राय द्वारा निर्देशित है और इसमें अक्षय, पंकज त्रिपाठी, यामी गौतम, अरुण गोविल और आमिर नाइक प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म देश में शिक्षा प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है जो 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। एनिमल के जरिए निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी वापसी कर रहे है।

इसमें स्टार कास्ट में रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और परिणीति चोपड़ा शामिल हैं। फिल्म एक नॉयर गैंगस्टर फिल्म है, जो फैमिली सक्सेशन ड्रामा के इर्द-गिर्द भी घूमती है। फिल्म की रिलीज में देरी के बारे में उड़ रही अफवाहों के बावजूद, यह 11 अगस्त को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। देशभक्ति ड्रामा, कॉमिक कॉपर, गैंगस्टर थ्रिलर, तीनों ही दर्शकों की काफी पसंद है, ऐसे में फैंस कौन सी फिल्म को देखेंगे, ये सवाल निर्देशकों के मन में घूम रहा है। बता दें, गदरः एक प्रेम कथा पहले आमिर खान की लगान से पर्दे पर टकराई थी, लेकिन दोनों फिल्मों ने पीरियड ड्रामा होने के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया।

तमन्ना ने सोशल मीडिया पर शेयर की कई तस्वीरें

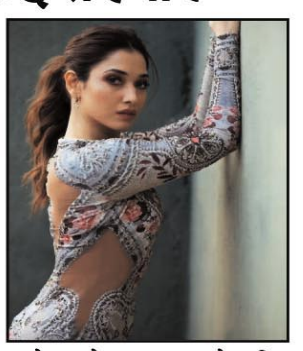

सोशल मीडिया पर बालीवुड एक्टेस तमन्ना भाटिया ने अपनी कई तस्वीरें साझा की हैं। एक्ट्रेस तस्वीरों में काफी खूबसूरत लग रही हैं। वह डेनिम कार्गो पैंट के साथ अपने लुक को पूरा करने के लिए एक काले रंग की ब्रालेट के साथ एक क्रॉप शर्ट पहने हुए तस्वीरों में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दियाः क्रॉप इट लाइक इट इज हॉट। हालांकि जिस बात ने कई लोगों का ध्यान खींचा वह इन तस्वीरों पर विजय वर्मा का रिएक्शन था, जिनकी तमन्ना के साथ डेटिंग की खबरें है। उन्होंने एक आग लगने वाली और एक पटाखा वाली इमोजी पोस्ट किया। जनवरी में यह बताया गया था कि तमन्ना और विजय डेट कर रहे हैं। उन्हें गोवा में किस करते हुए देखा गया था। वे कथित तौर पर लस्ट स्टोरीज 2 के सेट पर मिले थे। नेटफ्लिक्स ओरिजिनल लस्ट स्टोरीज 2 में नीना गुप्ता, काजोल, मृणाल ठाकुर, अमृता सुभाष, कुमुद मिश्रा और तिलोत्तमा शोम भी हैं।

बॉलीवुड का सुपर हिट गाना 'टिंकू जिया' का भोजपुरी वर्जन रिलीज

साल 2011 में आई धर्मेन्द्र और बॉबी देओल की फिल्म यमला पगला दीवाना के गाने टिंकू जिया ने धमाल मचा दिया था। अब इसी सुपर हिट गाने को भोजपुरी में रीक्रियेट किया गया है, जो अब वायरल हो रहा है। इस गाने को भोजपुरी में युवा सुपर स्टार अंकुश राजा और स्नेह उपाध्याय ने अपनी खूबसूरत आवाज दी। इनकी आवाज और ऑन स्क्रीन केमेस्ट्री ने धमाल मचा दिया है। गाने का भोजपुरी वर्जन भी लोगों को खूब पसंद आ रहा है। गाना टिंकू जिया को लेकर अंकुश राजा ने कहा कि एक सुपर हिट गाने को रीक्रीएट करना आसान नहीं होता है। फिर भी हमने एक कोशिश की है कि यह गाना सबों को पसंद आए। यह गाना मशहूर म्यूजिक चैनल टी सीरीज हमार भोजपुरी से रिलीज हुआ है। उन्होंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि जिस गाने को बड़े चाव से एक श्रोता की तरह सुना करते थे, उसको रीक्रीएट करने का अवसर मिला। टी सीरीज हमार भोजपुरी का इसके लिए आभार। गाना टिंकू जिया के ओरिजनल ट्रैक को ममता शर्मा और जावेद अली ने गाया है। लिरिक्स और म्यूजिक अन्नू मालिक का है। गाने के म्यूजिक वीडियो में भी अंकुश राजा और स्नेह उपाध्याय की जोड़ी धमाल मचा रही है। गाने का लिरिक्स बिट्टू विद्यार्थी और म्यूजिक शिशिर पांडेय का है। निर्देशक बिभानशु तिवारी हैं।

प्रिया का दावा सुन भडक गए फिल्म के डायरेक्टर

वर्ष 2018 में फिल्म ओरु अदार लव का एक गाना रिलीज हुआ, जिसमें एक स्कूली लड़की के आंख मारने वाला सीन था। इस सीन के वायरल होते ही ये लडकी रातोंरात स्टार बन चुकी थी। ये लड़की कोई और नहीं, बल्कि एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर थीं। यह फिल्म रिलीज होने के पांच साल बाद प्रिया ने ऐसा दावा कर दिया है कि डायरेक्टर उमर लुलु भड़क गए हैं। आइये जानते हैं कि आखिर इतने साल बाद विंक वाले सीन को लेकर फिर क्यों चर्चा हो रही है। एक ताजा इंटरव्यू में प्रिया प्रकाश वारियर ने बताया कि उन्होंने ही विंक वाला आइडिया दिया था। फिल्म के गाने माणिक्य मलाराया पूवी में आइब्रो उठाने और आंख मारने का विचार वो ही लेकर आई थीं। प्रिया ने जैसे ही ये बात कही, उनका वीडियो वायरल होने लगा। इसके बाद डायरेक्टर उमर लुलु ने उन पर निशाना साधते हुए पोस्ट शेयर किया और लिखा, बेचारा बच्चा पांच साल बाद भूल गया होगा। वल्ल्यचंदानादि (आयुर्वेदिक दवा) मेमोरी लॉस के लिए बेस्ट है। दरअसल, उन्होंने प्रियका को सुझाव दिया कि इस दवा का इस्तेमाल करें, क्योंकि आंख मारने का विचार उनका था और पांच साल पहले इंटरव्यू में उन्होंने खुद इसे स्वीकार किया था। उन्होंने उस इंटरव्यू का भी क्लिप शेयर किया है, जिसमें वो कह रही हैं, उन्होंने मुझे आंख मारने के लिए भी कहा।

काजोल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

जिदंगी की सबसे कठिन परीक्षा से गुजर रही हैं। इसलिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं। यह कहना है बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल का। कल काजोल ने इंस्टाग्राम से अपनी सभी तस्वीरों को आर्काइव कर लिया, जिसका मतलब है कि उन्होंने अस्थायी रूप से अपनी तस्वीरें छिपाई हैं। उसके पास बस एक पोस्ट है, जिसमें लिखा हैः जिंदगी की सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रही हूं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखाः सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं। फिलहाल, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि वह ब्रेक क्यों ले रही हैं। मालूम हो कि द गुड वाइफ के भारतीय रूपांतरण का टाइटल द गुड वाइफ- प्यार, कानून, धोखा है, जिसमें काजोल एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। ओरिजनल सीरीज द गुड वाइफ, सीबीएस स्टूडियो द्वारा स्कॉट फ्री प्रोडक्शंस और किंग साइज प्रोडक्शंस के सहयोग से बनाई गई थी। फैंस का दावा है कि यह उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट द गुड वाइफ के प्रमोशन की रणनीति है। हालांकि, कई लोगों ने एक्ट्रेस को सपोर्ट भी किया।

सूडोकु नवताल- 6460

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6459 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7207

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल में दस फलों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आम,संतरा, अनार,तरबूज, अंगूर, नाशपति,सीताफल,सेब,अन्नानास, पपीता

शब्दजाल - 7206 का हल

मु	हु	मे	रि	दु	च	मे	ली	च	ट	र्जी
मो	खु	क	च	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ग	पी	जा	म्पा	र	ग	बा	द	ह	प	ल
रा	ग	ए	रा	ह	जा	रा	ल	ह	गु	प्रे
गु	ल	मो	ह	र	ह	ला	कि	यो	ला	प
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	ब	न
न	र	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ज	र	य	र	क	म	ल	वि	रे
र	या	बा	नी	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	गं	व	शि	के	त	की	ल
बां	स	प	ज	न	धा	घ	गु	ड़	ह	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6160

		5		3	2	
2	35		26		28	6
	7		4	1	6	
	28	4	27		36	4
	2	3		5		
6	35	7	35		38	2
3			1		4	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6159 का हल

4	2	1	6	3	5	7
2	27	7	32	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	37	6	33	6	29	3
7	5	3	6	1	2	4
3	33	5	31	7	34	5
1	5	4	3	2	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

केरल सरकार के कर्मचारी ने अलास्का में माउंट डेनाली को किया फतह

तिरुवनंतपुरम।
केरल सरकार के कर्मचारी छत्तीस वर्षीय शेख हसन खान ने अलास्का में माउंट डेनाली को सफलतापूर्वक फतह कर लिया है। माउंट एवरेस्ट और किलिमंजारो पर चढ़ाई कर चुके खान पिछले महीने अलास्का पहुंचे और उन्होंने पांच वर्षों में 185 देशों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने का लक्ष्य निर्धारित किया, डेनाली पहला था। 7 जून को उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर यह उपलब्धि हासिल की। इस पर विजय प्राप्त करने के बाद, उन्होंने देखा कि डेनाली एक सुंदर पर्वत है, लेकिन एवरेस्ट शक्तिशाली है। खान ने डेनवर से फोन पर कहा, डेनाली पर चढ़ना माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने से ज्यादा कठिन है। यदि आप डेनाली पर चढ़ते हैं, तो आपको पर्वतारोही कहा जा सकता है। खान ने कहा, अलास्का पर्वतमाला के डेनाली पर्वत में 6 जून की आधी रात थी। उत्तरी ध्रुव से केवल 200 मील की दूरी पर। हमने 6 जून को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास शिखर पर अपनी यात्रा शुरू की। इस साल मौसम 10 वर्षों में सबसे खराब था। खान ने कहा, मैं और मेरे साथी सुबीर बख्शी ने कैंप 5 को छोड़ दिया और शिखर की ओर चलना शुरू कर दिया। हम एक साथ बंधे हुए थे। 18 हजार फीट के बाद हवाएं चलने लगीं। जैसे ही हम 19 हजार फीट के करीब पहुंचे, हवा की गति 30 से 45 मील प्रति घंटे के बीच हो गई। हवा ने कई बार हमें लगभग उड़ा दिया था। सभी अन्य समूह कैंप 5 में लौट आए, लेकिन हमने चढ़ाई जारी रखी। तेज हवा से तापमान -60 डिग्री फारेनहाइट (-51 डिग्री सेल्सियस) हो गया। बादल छाए हुए थे। दृश्यता बहुत कम थी। लेकिन हम बढ़ते गए। सात जून को दोपहर 12.30 बजे उत्तरी अमेरिका के सबसे ऊंचे पर्वत पर पहुंच गए।

उन्होंने कहा, लेकिन वापसी अधिक डरावना था। हम 16 हजार फीट की तय लाइन से नीचे नहीं उतर पाए। बर्फीली हवा बहुत तेज चल रही थी। -40 डिग्री सेल्सियस पर लगभग 8 घंटे तक रहने के कारण मेरे दोस्त को फ्रास्ट बाइट हो गया। ठंड ने हमारे समिट सूट में छेद कर दिया। हमारी जान खतरे में पड़ गई। हमारी रेडियो बैटरी खत्म हो गई थी। कोई ऊपर या नीचे नहीं जा रहा था। आखिरकार हमें बचा लिया गया।

अपने अगले साहसिक मिशन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जुलाई में, मैं रूस और अगस्त में जापान पहुंचूंगा। 2023 के लिए, मेरा लक्ष्य विभिन्न देशों में 15 चोटियों को फतह करना है, खान ने कहा और कहा कि उनका अगला कदम रूस और जापान की अपनी यात्रा के लिए प्रायोजक ढूंढना है।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस स्टारः फ्रेंच ओपन फाइनल में रूड को 7-6, 6-3, 7-5 से हराया, यहां तीसरी बार चैंपियन बने

पेरिस। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने तीसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीत लिया है। 36

साल के इस स्टार ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को मेंस सिंगल्स के फाइनल में 7-6, 6-3, 7-5 से हराया। वे 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेल रहे थे। जोकोविच का यह 23वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। उन्होंने राफेल नडाल के 22 टाइटल के खिताब को पीछे छोड़ा है। वे मेंस टेनिस में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बने हैं। जोकोविच फ्रेंच ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 36 साल 20 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। जोकोविच ने राफेल नडाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। राफेल ने पिछले साल 36 साल 2 दिन की उम्र में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम भी जीता है। उन्होंने जनवरी महीने में ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। तब जोकोविच ने ग्रीस के स्टेफनोस सितसिपास को लगातार सेट में 6-3, 7-6, 7-6 से हराया था। जोकोविच ने तीसरी बार फ्रेंच ओपन जीता है। उन्होंने सबसे ज्यादा 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 7 विंबलडन और 3 ओपन टाइटल अपने नाम किए हैं। साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम में तीसरी बार चैम्पियन बने हैं। उन्होंने 2 साल पहले 2021 के सीजन में रेड कोर्ट का यह खिताब जीता था। उन्होंने पहला फ्रेंच ओपन 2016 में अपने नाम किया था। जोकोविच को यह खिताब जीतने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। 3 घंटे 16 मिनट चले इस मुकाबले में दोनों फाइनलिस्ट के बीच गजब का कॉन्टेस्ट देखने को मिला।

इंटरकोंटिनेंटल कप फुटबॉल में भारत का मैच वानूअतु से, नजरें फाइनल के टिकट पर

भुवनेश्वर । भारतीय टीम सोमवार को चार देशों के इंटरकोंटिनेंटल कप फुटबाल में वानूअतु के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, लेकिन उसकी नजरें इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने पर लगी होगी। भारत ने शुक्रवार को अपने पहले मैच में मंगोलिया को 2-0 से हराया था। वहीं, वानूअतु को लेबनान से 1-3 से हार मिली थी। अगर भारतीय टीम यह मैच जीत लेती है तो वह फाइनल में जगह बना लेगी। फाइनल में पहुंचने वाली अन्य टीमों में लेबनान सबसे आगे है। दिन के पहले मैच में लेबनान का सामना मंगोलिया से होगा। हालांकि मंगोलिया के खिलाफ भारतीय स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री गोल नहीं कर पाए थे। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि मैं खिलाड़ियों से काफी प्रभावित हूं जिस तरह से उन्होंने अभ्यास किया है। वहीं, वानूअतु की टीम को भुवनेश्वर के गर्म मौसम से तालमेल बैठाने में दिक्कत हो रही है।

उरुग्वे ने इटली को हरा कर यू-20 विश्व कप ट्रॉफी जीती

ला प्लाटा। फारवर्ड लुसियानो रोड्रिगेज के देर से गोल की मदद से उरुग्वे ने इटली पर 1-0 की जीत से

अपना पहला अंडर-20 विश्व कप खिताब हासिल किया। रिपोर्ट के अनुसार, रोड्रिग्ज ने 86वें मिनट में हेडर से गोल दागा जिससे उरुग्वे ने टूनार्मेंट में यूरोपीय टीमों की लगातार चार जीत का क्रम तोड़ दिया। उरुग्वे के 19 वर्षीय रोड्रिगेज ने कहा, हम विश्व चैंपियन हैं। और मैं क्या कह सकता हूं यह परम आनंद है। हम बेहतर टीम थे और जीत के हकदार थे। यह इतना करीबी समूह है। प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रशिक्षण सत्र और प्रत्येक मैच में अपना सब कुछ दिया, और यह अंत में एक महत्वपूर्ण कारक था। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स से लगभग 50 किमी दक्षिण पूर्व में ला प्लाटा के डिएगो माराडोना स्टेडियम में 40,000 से अधिक दर्शकों ने फाइनल देखा। उपस्थित लोगों में फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ के प्रमुख अलेजांद्रो डोमिंग्वेज शामिल थे।

हॉकी एशिया कप फाइनल में चमकी जींद की अन्नू

डबल हैट्रिक के साथ टॉप गोल स्कोरर का अवॉर्ड; पीएम मोदी ने दी बधाई

जींद।
जापान में हुए महिला जूनियर हॉकी एशिया कप में टीम इंडिया ने इतिहास रचते हुए 12 साल बाद गोल्ड मेडल जीत कर एशिया कप ट्रॉफी अपने नाम की है। टीम की जीत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर खुशी जाहिर की तो वहीं डबल हैट्रिक करने वाली जींद जिले के छोटे से गांव रोज खेड़ा की अन्नू को टॉप गोल स्कोरर का अवॉर्ड मिला है। अन्नू के परिवार के लोग उसे रेसर बनाना चाहते थे, लेकिन उसने हॉकी स्टिक थामी और नए रिकॉर्ड अपने नाम किए।

2012 में 2023 में कप पर कब्जा

इंडिया हॉकी टीम का पहला मुकाबला उज्बेकिस्तान के साथ हुआ था, जिसमें इंडिया ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराया। इसमें अन्नू ने डबल हैट्रिक मारते हुए 6 गोल दागे थे। इसके बाद मलेशिया के साथ मुकाबले में टीम इंडिया 2-1 से जीती, कोरिया के साथ मैच 2-2 अंकों के साथ ड्रा रहा और टीम को एक-एक पॉइंट मिला। उससे अगले मैच में ताइवान को 11-0 से हराया और ग्रुप ए में टॉप पर टीम रही।

उसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले में जापान को 1-0 से हराया, जिसमें अन्नू रोजखेड़ा बेस्ट प्लेयर रही। वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के बाद साउथ कोरिया के साथ फाइनल मुकाबला हुआ, जिसमें टीम इंडिया 2-1 से विजयी रही। इसमें एक गोल अन्नू ने और दूसरा गोल नीलम ने दागा और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका हासिल की। हॉकी इंडिया ने 2012 के बाद अब इतिहास रचते हुए एशिया कप पर कब्जा हासिल किया है।

अन्नू रही टॉप बेस्ट स्कोरर

उचाना ब्लॉक के छोटे से गांव रोजखेड़ा की अन्नू एशिया कप टूर्नामेंट में टॉप गोल स्कोर रही। गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली अन्नू का तीसरी कक्षा में ही प्ले फॉर इंडिया के जरिए चयन हुआ। तीसरी से पांचवीं तक अन्नू ने सिरसा में रहते पढ़ाई की और साथ ही हॉकी को चूना। इसके बाद अन्नू का चयन हिसार स्थित साईं में हो गया, जहां से अन्नू ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार उपलब्धियों को छूते हुए पहले हरियाणा जूनियर की कप्तान बनी, उसके बाद 3 नेशनल खेले और अब राष्ट्रीय जूनियर हॉकी टीम में अन्नू खेल रही है।

अन्नू को रेसर बनाना चाहता था परिवार

अन्नू के भाई अमन ने बताया कि वह और परिवार के लोग उसे रेसर बनाना चाहते थे, लेकिन उसने हॉकी को चुना और आज वह अपनी स्टिक से बॉल को ऐसे घूमाती है कि देखने वाला का सिर घूम जाता है। अमन ने बताया कि उनके गांव में खेल की कोई सुविधा नहीं है, इसलिए उन्होंने अन्नू को सिरसा भेजा ताकि वह खेलों में अपना भविष्य बना सके। अन्नू की रेस की बजाय हॉकी में ज्यादा रुचि देखी तो उन्होंने हॉकी में ही अपना भविष्य बनाने दिया।

भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में

ओपनिंग मुकाबला इंग्लैंड-न्यूजीलैंड के बीच, बीसीसीआई ने आईसीसी को भेजा शेड्यूल ड्राफ्ट

मुंबई।
क्रिकेट का वन डे वर्ल्ड कप अक्टूबर से नवंबर के बीच भारत में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने मैचों का शेड्यूल ड्राफ्ट तैयार कर आईसीसी को भेज दिया है। ड्राफ्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को अहमदाबाद से होगी। ओपनिंग मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच यानी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। ये मैच अहमदाबाद में एक लाख दर्शक क्षमता वाले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। वर्ल्ड कप फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। पाकिस्तान के मैच अहमदाबाद के अलावा हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में होंगे। यह शेड्यूल ड्राफ्ट आईसीसी ने वर्ल्ड कप खेलने वाली सभी टीमों को भेज दिया है। उनका फीड बैक लेने के बाद अगले हफ्ते फाइनल शेड्यूल जारी किया जाएगा। शेड्यूल में बीसीसीआई लेट, टिकटों की जानकारी भी सामने नहीं आई 2015 और 2019 में हुए वन डे वर्ल्ड कप का शेड्यूल एक साल पहले जारी कर दिया गया था। 2023 वर्ल्ड कप का शेड्यूल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। टूर्नामेंट शुरू होने में 4 महीने से कम का वक्त बचा है। 27 मई को बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा था कि वर्ल्ड कप का शेड्यूल वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के दौरान जारी कर दिया जाएगा। शेड्यूल में देरी के चलते ही आईसीसी वर्ल्ड कप मुकाबलों के लिए टिकटों की डिटेल भी जारी नहीं कर पाया है। एशिया कप में पाकिस्तान के प्रपोजल को मंजूरी संभव, फिर टीम वर्ल्ड कप खेलने में शर्तें नहीं रखेगी एशियन क्रिकेट काउंसिल एशिया कप के लिए पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड का प्रस्ताव मंजूर कर सकती है। पीसीबी ने प्रपोजल दिया है कि भारत के सभी मैच श्रीलंका में कराए जाएं और बाकी मुकाबले पाकिस्तान में हों। एसीसी एशिया कप को लेकर आधिकारिक ऐलान कर सकती है। इसके बाद पाकिस्तान के भारत में वर्ल्ड कप खेलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

धोनी के अदालत की अवमानना मामले की गुरुवार को सुनवाई करेगा मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई।
मद्रास उच्च न्यायालय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्ताह महेंद्र सिंह धोनी द्वारा तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अधिकारी संपत कुमार के खिलाफ दायर अदालत की अवमानना मामले की गुरुवार को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति एम. सुंदर और के. गोविंदराजन थिलकावड़ी ने धोनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील पी.आर. रमन और आईएएस अधिकारी के वकील पेरुम्बलाविल राधाकृष्णन से कहा कि आम तौर पर अदालत हर अदालत की अवमानना मामले की सुनवाई करती है और इसलिए इस मामले की सुनवाई भी 15 जून होगी।

धोनी ने आईपीएल सट्टेबाजी घोटाले में उनका नाम लेने के लिए आईपीएस अधिकारी के खिलाफ 100 करोड़ रुपये के मानहानि का मुकदमे दायर किया था। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ने इसके जवाब में आईपीएस अधिकारी के लिखित बयान में न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी को लेकर अदालत की अवमानना का मामला दर्ज कराते हुए संपत कुमार को सजा देने की मांग की है।

तमिलनाडु के महाधिवक्ता आर. शनमुगसुंदरम् ने क्रिकेटर को अदालत की अवमानना अधिनियम के तहत अपनी याचिका दायर करने की अनुमति दी थी।

शनमुगसुंदरम ने यह स्पष्ट होने के बाद अनुमति दी थी कि लिखित बयान में आईपीएस अधिकारी द्वारा की गई टिप्पणी अदालती कार्यवाही को बदनाम करने वाली है।

विनेश फोगाट बोलीं- पीएम की चुप्पी से दुखी हूं: पहलवानों से मीटिंग में खेलमंत्री मोबाइल पर बिजी थे; चुनाव 4 जुलाई को

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण और रेसलर्स विवाद में पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि हम 15 जून को चार्जशीट आने का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद आंदोलन को लेकर बड़ा ऐलान करेंगे। विनेश ने कहा, मैं प्रधानमंत्री की चुप्पी से दुखी हूं। जब पहलवान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से बात कर रहे थे तो वे फोन पर व्यस्त थे। उन्हें मेरी परेशानियां सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कुछ दिन पहले ही पहलवानों से बात की थी। जिसमें भरोसा दिया था कि 15 जून को केस की चार्जशीट पेश होगी। इसी बीच चुनावों की तारीख घोषित कर दी गई है। ये चुनाव 4 जुलाई को होंगे। पहलवानों से मीटिंग में खेल मंत्री ने 30 जून तक चुनाव कराने का भरोसा दिया था। विनेश ने आगे कहा कि चार्जशीट का इंतजार हैं। अगर बृजभूषण पर ठोस कार्रवाई नहीं होती तो 15 जून की रात मीटिंग करेंगे। अगले दिन आंदोलन का ऐलान होगा। सरकार ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने की इजाजत नहीं दी तो रामलीला मैदान या फिर किसी अन्य जगह पर आंदोलन शुरू किया

जाएगा।

ट्रेनिंग कैंप और टूर्नामेंट में बृजभूषण युवा महिला पहलवानों को अकेला पाकर छूने के लिए हरसंभव तरीके का इस्तेमाल करते थे। ऐसा बार-बार होता था। बृजभूषण ताकतवर आदमी हैं। वह हर जगह घूम रहे हैं और हमें घर बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हमारी बात कोई सुन ही नहीं रहा था। मजबूर होकर हमें सार्वजनिक प्रदर्शन करना पड़ा, ताकि देश को पता चले कि शीर्ष पहलवानों से कैसा व्यवहार होता है। बृजभूषण केस में दिल्ली पुलिस ने 3 देशों से मांगी मदद महिला पहलवाानों के यौन शोषण के केस में दिल्ली पुलिस ने 3 देशों कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया से जांच में मदद मांगी है। इनके कुश्ती संघों को नोटिस भेजकर उन जगहों की सीसीटीवी फुटेज और फोटो देने को कहा है, जहां महिला पहलवानों ने बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। पहलवानों ने 2016 और 2022 में मंगोलिया में और 2018 में जकार्ता इंडोनेशिया में छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 2 महिला पहलवानों को नोटिस भेजकर यौन शोषण के फोटो, ऑडियो और वीडियो सबूत मांगे हैं। इसमें उनके होटल में ठहरने से लेकर रूममेट्स तक के बारे में पूछा गया है। खाप पंचायत ने 14 जून को हरियाणा बंद का ऐलान किया, दिल्ली की फल-सब्जी सप्लाई बंद करेंगे वहीं खाप प्रतिनिधियों की जनता संसद ने 14 जून को हरियाणा बंद का ऐलान कर दिया है। इस दौरान हरियाणा में रोड व ट्रेनों के अलावा दिल्ली को दूध-सब्जी की सप्लाई भी बंद कर दी जाएगी। उन्होंने बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग की है। दलाल खाप और भारत भूमि बचाओ संघर्ष कमेटी ने 25 मांगों का प्रस्ताव पास किया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हार पर तेंदुलकर ने पूछा- अश्विन बाहर क्यों

गावस्कर ने कहा- कोहली ने कैसा शॉट खेला; रोहित बोले- शॉट खेलने की छूट दी थी

मुंबई।
ऑस्ट्रेलिया से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारने के बाद इंडिया के क्रिकेट लीजेंड्स टीम पर सवाल उठा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर ने आर अश्विन जैसे स्पिनर को टीम से बाहर रखने पर हैरानी जताई। सुनील गावस्कर ने कहा कि कोहली ने खराब शॉट खेला। उनसे पूछना चाहिए कि वो क्या शॉट था। टीम इंडिया के कप्तान ने फाइनल हारने के बाद सफाई दी थी कि उनकी टीम के बल्लेबाजों के एकाग्रता में कोई कमी नहीं थी, बस टीम थोड़ा अलग बल्लेबाजी का प्लान लेकर उतरी थी।

तेंदुलकर का सवाल- टेस्ट का नंबर वन बॉलर टीम में क्यों नहीं

सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया, पहली पारी में इंडिया को ज्यादा स्कोर करना था, ताकि वो खेल में बने रहे। लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए। टीम के लिए कुछ अच्छे मोमेंट्स भी थे। लेकिन मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि अश्विन को टीम से बाहर क्यों रखा गया, जबकि अभी वो दुनिया का नंबर वन टेस्ट बॉलर है। मैंने मैच से पहले भी कहा था कि टैलेंटेड स्पिनर्स हमेशा घूमने वाले विकेट के भरोसे नहीं रहते। वे उछाल और गति में बदलाव से विकेट का इस्तेमाल करते हैं। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि ऑस्ट्रेलिया के टॉप 8 बल्लेबाजों में 5 लेफ्ट हैंडर थे। तेंदुलकर ने यह सवाल इसलिए भी उठाया, क्योंकि मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीजन में अश्विन ने 13 टेस्ट में 61 विकेट लिए हैं।

गावस्कर ने कहा- ऑफ स्टंप से इतनी बाहर की गेंद पर शॉट क्यों खेला

गावस्कर ने कहा, कोहली का शॉट खराब था। वो बहुत ही साधारण शॉट था।
आप मुझसे पूछने की बजाय कोहली से पूछें कि वो क्या शॉट था। हम इतनी बार बात कर चुके हैं कि मैच जीतने के लिए आपको बड़ी इनिंग की जरूरत होती है। आपको शतक मारने की जरूरत होती है। जब आप ऑफ स्टंप से इतनी बाहर की गेंद पर शॉट खेलेंगे तो आप सेंचुरी कैसे बनाएंगे शायद वो

फिफ्टी के करीब थे इसलिए उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। जडेजा के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब वो पहली पारी में 48 रन पर आउट हो गया।

हार पर रोहित की दलीलें

एक फाइनल की बजाय 3 मैचों की सीरीज हो- ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से हारने के बाद रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में एक मैच की बजाय तीन मैचों की सीरीज हो। हमने कड़ी मेहनत की, बड़ी टीमों को उनके घर में कड़ी टक्कर दी और लगातार दूसरी बार यहां तक पहुंचे, लेकिन केवल एक ही मैच खेलकर चैंपियनशिप गंवा दी। मुझे लगता है अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में तीन मैचों की सीरीज सही रहेगी।

इंग्लैंड में ही फाइनल क्यों, जून में नहीं होना चाहिए - इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अगला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल लॉर्ड्स पर खेले जाने की घोषणा पहले ही कर दी है। ऐसे में रोहित ने कहा, यह मैच कहीं भी कराया जा सकता है। जून में फाइनल नहीं होना चाहिए। यह साल में किसी भी समय हो सकता है। सिर्फ इंग्लैंड में ही नहीं, बल्कि कहीं भी हो सकता है।

तैयारी के लिए 20-25 दिन चाहिए थे - टीम इंडिया के कप्तान बोले, ऐसे फाइनल के लिए 20 से 25 दिन की तैयारी चाहिए। पिछली बार इंग्लैंड में हमने यही किया था और नतीजा आपने देखा। हम 2-1 से आगे थे जब अगला मैच स्थगित हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुशासन की जरूरत है।

हमने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने की छूट दी - रोहित ने ये माना कि दूसरी इनिंग में कई गलत शॉट्स खेले गए, लेकिन उन्होंने टीम की बेहद आक्रामक बैटिंग पर कुछ नहीं कहा। रोहित ने कहा, हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। आखिरी दिन सुबह हमने कुछ खराब शॉट्स खेले और इस वजह से हम टारगेट तक नहीं पहुंच पाए। हमने अपने लड़कों को खुलकर खेलने का मैसेज दिया था। अगर हिट मारनी है तो मारो। टेस्ट हो, टी-20 या वनडे हो, हम दबाव नहीं लेना चाहते। अगर आप इस मानसिकता से खेलते हैं तो आपके ऑलआउट होने के भी चांस होते हैं। हम अलग तरह से खेलना चाहते थे। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल जीत लिया है। कंगारुओं ने भारत को 209 रन से हराया। मैच के आखिरी दिन भारत को 280 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम ने एक ही सेशन में अपने सभी विकेट गंवा दिए।

जहां लोग करते हैं रिश्वत से सख्त नफरत

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो रिश्वत लेने से जरा भी गुरेज नहीं करते। पैसे की ललक लोगों में इस कद्र बढ़ गई है कि रिश्वत लेनी या देनी आम बात हो गई है लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी हैं जहां लोग रिश्वत से सख्त नफरत करते हैं। जी हां, बेलारूस एक ऐसी जगह है जहां पर लोग रिश्वत से दूर रहते हैं। बेलारूस का अर्थ होता है, व्हाइट रशिया (सफेद रूस)। ईस्टर्न यूरोप में स्थित बेलारूस, पॉलैंड और रूस के बीच है। यहां के लोग

बहुत सारी चीजों के लिए रूस पर निर्भर हैं। वह आर्थिक और रोजगार संसाधनों से ज्यादा अहमियत अपनी सोच, एजुकेशन और सिद्धांतों के देते हैं। यहां के नागरिक नियमों की कड़ी पालना करते हैं। पुलिस अधिकारी रिश्वत नहीं लेते हैं। 16 साल की उम्र में ही लोग पासपोर्ट बनवा लेते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि यहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जो बेलारूसियन भाषा का कोर्स कराती हो या इसका प्रशिक्षण देती हो।

विटामिन बी-3 खाओ,बढ़ती उम्र की चिंता भगाओ

खुशी की खबर है कि यदि विटामिन बी-3 और उसकी उपलब्धता वाले तत्वों का सेवन करें तो आयु बढ़ने के कारण शरीर में आने वाले परिवर्तनों पर थोडा विराम लग सकता है और उम्र से जुड़े मधुमेह जैसे रोग भी जल्द नहीं घेर पाएंगे। मैड्रिड के आईएमडीईए फूड के वैज्ञानिकों ने एक या कुछ ऑक्सीकरण रोधी एंजाइमों की बजाय कोशिकाओं की समूची ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि करने का प्रयास किया है।

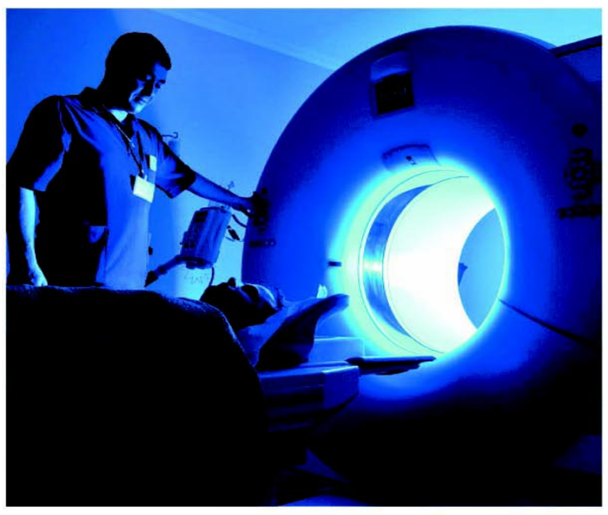

अल्जाइमर से भूली बातें वापस आ सकती हैं याद

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं। उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एक समान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में 'नेचर' जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को 'एनग्राम सेल्स' कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावनाएं हैं

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पडने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है...

डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछड़ना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है। हालांकि अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तुलना में एकाकी रहना पसंद करता है।

लक्षण

कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके आधार पर डिप्रेशन की मनोदशा का पता लगाया जा सकता है। जैसे...

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है।

नकारात्मक रवैया: किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रॉनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन।

इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कतों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है।

इलाज: विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिएनियंत्रित किया जा सकता है।

डिस्थाइमिया या क्रॉनिक डिप्रेशन

डिप्रेशन का यह सामान्य रूप मेजर डिप्रेशन से कम गंभीर होता है,लेकिन इसमें भी खतरा रहता है। डिस्थाइमिया इस प्रकार का डिप्रेशन होता है, जिसमें लंबे समय तक पीड़ित व्यक्ति की मानसिकस्थिति खराब रहती है। यह स्थिति एक साल या इससे भी ज्यादा समय के लिए हो सकती है।

उपचार

क्रॉनिक डिप्रेशन में दवाओं के साथ साइकोथेरेपी भी कारगर होती है। जो व्यक्ति डिस्थाइमिया की चपेट में होता है, उसे मेजर डिप्रेशन होने का खतरा रहता है।

सावधानियां बरतें

- डिप्रेशन पीड़ितों को उनके स्वभाव के लिए दोषी न ठहराएं।
- यह अपेक्षा न करें कि रोगी एकदम से ठीक हो जाएगा, क्योंकि इलाज की प्रक्रिया में वक्त लगता है।
- पीड़ितों को पारिवारिक व सामाजिक वार्तालाप में शामिल होने से न रोकें।
- उन्हें अकेला न छोड़ें।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

ार्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

ा जकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से कम नहीं वो अपनी लुक को ाने के लिए प्रोफेशनल्स की ; लेते हैं, जिन्हें पर्सनल इलिस्ट कहा जाता है। जकल की युवा पीढ़ी अपने ियर को लेकर काफी ारूक है। वो अपने कॅरियर चुनाव बड़े ही सोच समझकर करते हैं। आप पर्सनल इलिस्ट बनने में भी अपने यर की शुरुआत कर सकते पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम ा है लोगों का मेकओवर ा और लोगों के ड्रेसिंग सेंस भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

रेसिपी

अचारी पनीर

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए, 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरीमिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दही के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। अब कड़ाही में तेल डालकर उसमें सारे सामग्री को मिला लें थोड़ी देर पकाने के बाद उसमें पनीर के टुकड़ों को डाल दीजिए और फिर थोड़ी देर पकने दें उसके बाद उसे किसी बाउल में निकाल लीजिए, हो गया आपका अचारी पनीर तैयार। आप इसे पराठा, पूरी या फिर चावल के साथ भी खाने का मजा लें सकते हैं।

ाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि ाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का स्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस ारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही ाच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल ारने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर ान्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस ाजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते ाी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता ालेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल ा हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल ारना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज ा नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ाी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ाक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

खीरे का चीला

सामग्री

250 ग्राम बेसन, 200 ग्राम खीरा, 150 ग्राम बड़े टमाटर, 1 टे.स्पून हरा धनिया, 1 हरी मिर्च, आधा इंच अदरक का टुकड़ा, 15-20 करी पत्ता, स्वादानुसार नमक, एक चौथाई टी स्पून लाल मिर्च, तलने के लिए तेल।

विधि

खीरा छीलकर कस लें, हल्के हाथ से दबा थोड़ा पानी निकाल लें। टमाटर को खौलते पानी में दो-तीन मिनट रखकर निकालकर छिलका उतारकर रस निकाल लें व छान लें। धनिया, अदरक व हरी मिर्च मिलाकर पीस लें। करी पत्ता महीन काट लें। बेसन में तेल छोड़ बाकी सारा सामान मिला चीले जैसा घोल बना लें। तवे में तेल गर्मकर एक बड़ी चम्मच में घोल लेकर तीन-चार जगह छोड़ दें। लाल हो जाने पर चिमटे से पलट कर दूसरी तरफ भी लाल कर निकाल लें एवं अच्छी तरह तेल झारकर गरमागरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**